

# राज्यों के लिए शिक्षण-अधिगम और परिणामों को सुदृढ़ बनाना (स्टार्स) ओडिशा वार्षिक रिपोर्ट 2024-25







# राज्यों के लिए शिक्षण-अधिगम और परिणामों को सुदृढ़ बनाना (स्टार्स) ओडिशा

## वार्षिक रिपोर्ट 2024-25



ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा)

शिक्षा सौध, यूनिट-V, भुवनेश्वर, ओडिशा

वेबसाइट: [www.osepa.odisha.gov.in](http://www.osepa.odisha.gov.in)





**प्रधान संपादक**  
**श्रीमती अनन्या दास, आईएएस**  
**राज्य परियोजना निर्देशक, ओसेपा**

### संपादक - मंडल

- **श्रीमती संगीता बेहेरा**  
अतिरिक्त निर्देशक, जेनेरल
- **श्रीमती अमिता पटनायक**  
अतिरिक्त निर्देशक, सिविल
- **डॉ जैस्मिन पटनायक**  
संयुक्त निर्देशक, प्रशासन
- **श्रीमती सुदेष्णा कर**  
एफए एवं सीएओ
- **डॉ संतोष कुमार राउत**  
संयुक्त निर्देशक, बालिका शिक्षा एवं अनुसंधान
- **श्रीमती सस्मिता साहू**  
संयुक्त निर्देशक, एमआईएस, आईसीटी और वीएसके
- **श्रीमती प्राची तनया गिरी**  
संयुक्त निर्देशक, कम्प्युनिटी मोबिलाइजेशन
- **श्रीमती निरूपा बेहेरा**  
संयुक्त निर्देशक, शिक्षाशास्त्र
- **डॉ यशोबंता सामल**  
उप सचिव, सीएचएसई
- **श्रीमती इतिश्री नायक**  
उप निर्देशक, प्रशासन एवं पाठ्यपुस्तक
- **श्री प्रदोष कुमार नाइक**  
उप निर्देशक, समावेशी शिक्षा
- **श्री तन्मय कुमार बेहेरा**  
उप निर्देशक, व्यावसायिक शिक्षा
- **श्री जीतेन्द्र नायक**  
उप निर्देशक, डीएचएसई
- **श्रीमती शैलाधिराजतनया शतपथी**  
उप निर्देशक, शिक्षक शिक्षा
- **डॉ प्रसन कुमार साहू**  
सहायक निर्देशक, टीई एवं एससीईआरटी

### **सदस्य संयोजक**

- **श्री दीपक राय**  
सहायक निर्देशक, योजना

### **समन्वय**

- **श्रीमती. निबेदिता महापात्रा**  
वित्त अधिकारी
- **श्री चन्द्र शेखर महापात्रा**  
योजना समन्वयक
- **श्री रंजन कुमार पाणि**  
वित्तीय सलाहकार

## ओसेपा

ओडिशा सरकार के स्कूल और गण शिक्षा विभाग के तहत १९९६ में स्थापित ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) एक स्वायत्त निकाय है जो स्कूल शिक्षा सुधारों को लागू करने के लिए जिम्मेदार है। शुरू में ओसेपा के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए, ओसेपा ने स्कूल शिक्षा को संबोधित करने, सार्वभौमिक पहुंच, इकित्ती, गुणवत्ता, समावेशिता, व्यवसाय और शिक्षक शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए विकसित किया है।

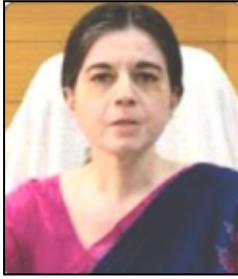
इसके दायरे में एक प्रमुख पहल २०२०-२१ में शुरू की गई राज्यों के लिए शिक्षण-अधिगम और परिणामों को सुदृढ़ बनाना (स्टार्स), २०२१ से २२ तक ओडिशा में इसके कार्यान्वयन के बाद से, स्टार्स की पहल ने पांच प्रमुख क्षेत्रों को लक्षित करके ओडिशा की स्कूल शिक्षा प्रणाली के परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है:

- प्रारंभिक बचपन और मूलभूत शिक्षा को मजबूत करना
- बेहतर शिक्षण मूल्यांकन प्रणाली
- बेहतर शिक्षक प्रदर्शन और कक्षा अभ्यास
- स्कूल-टू-वर्क संक्रमण को सुविधाजनक बनाना
- अधिक प्रभावी सेवा वितरण के लिए शासन और विकेंद्रीकृत प्रबंधन को आगे बढ़ाना

इन पहलों को एक साथ एनईपी २०२० के दृष्टिकोण के साथ संरेखित किया गया है और इसका उद्देश्य ओडिशा में विभिन्न शिक्षण वातावरण में सभी बच्चों के लिए समावेशी, न्यायसंगत और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना है।







**शालिनी पंडित, आई.ए.एस**  
सरकार के आयुक्त-सह-सचिव  
-सह-उपाध्यक्ष, ओसेपा

ओडिशा सरकार  
स्कूल और गण शिक्षा विभाग  
लोक सेवा भवन, भुवनेश्वर-१  
कार्यालय: ०६७४-५२३६६३१  
ईमेल: [secysme@gmail.com](mailto:secysme@gmail.com)

## संदेश

राज्यों के लिए शिक्षण-अधिगम और परिणामों को सुदृढ़ बनाना (स्टार्स) परियोजना, जो वर्ष २०२१-२२ से ओडिशा में लागू की जा रही है, राज्य में स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता, समानता तथा सुशासन को सुदृढ़ करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, इस परियोजना ने सभी बच्चों के अधिगम परिणामों में सुधार हेतु प्रणालीगत सुधारों और नवाचारों को प्रोत्साहित किया है।

स्टार्स योजना ओडिशा में व्यापक प्रणालीगत सुधारों का उत्प्रेरक सिद्ध हुई है, जिसका उद्देश्य प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को सुदृढ़ करना, शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं को बेहतर बनाना, मूल्यांकन प्रणालियों में सुधार करना तथा सुदृढ़ डेटा-आधारित प्रशासनिक ढाँचा स्थापित करना है। इसके परिणामस्वरूप राज्यभर में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

वर्ष २०२४-२५ की प्रमुख उपलब्धियों में शिक्षक विकास कार्यक्रम, सुदृढ़ मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) पहलें, नवाचारपूर्ण मूल्यांकन तंत्र, बेहतर सेवा वितरण प्रणाली तथा कौशल शिक्षा पर विशेष ध्यान शामिल हैं। साक्ष्य-आधारित योजना और समावेशी क्रियान्वयन के माध्यम से इन प्रयासों ने समानता की खाई को कम करने, वंचित समुदायों तक गुणवत्तापूर्ण अधिगम अवसर पहुँचाने और शिक्षा के अधिकार तथा प्रत्येक बच्चे को समग्र एवं उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने की हमारी अटूट प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया है।

यह प्रतिवेदन हमारी साझा उपलब्धियों और समग्र, भविष्योन्मुखी शिक्षा के सामूहिक दृष्टिकोण का प्रतिबिंब है। मैं सभी हितधारकों के समर्पण एवं योगदान के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। सहभागिता और उत्तरदायी सुशासन के माध्यम से, स्टार्स योजना ओडिशा में प्रत्येक बच्चे को समान, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने में नए मानक स्थापित कर रही है।

सरकार के आयुक्त-सह-सचिव







**श्रीमती अनन्या दास, आई.ए.एस**  
राज्य परियोजना निर्देशक  
ओसेपा, ओडिशा

ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम  
प्राधिकरण (ओसेपा), भुवनेश्वर  
कार्यालय: ० ६७४-२३९५३२५  
ईमेल: opepaedu@yahoo.co.in

## प्रस्तावना

मुझे अत्यंत खुशी हो रहा है कि मैं शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ के लिए ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर रही हूँ, जो राज्यों के लिए शिक्षण-अधिगम और परिणामों को सुदृढ़ बनाना (स्टार्स) पहल के अंतर्गत पाँच प्रभावशाली वर्षों को चिह्नित करती है। स्टार्स के माध्यम से, ओडिशा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के दूरदर्शी सिद्धांतों का अनुसरण करते हुए, विद्यालय शिक्षा के मानकों को उन्नत करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है।

पाँचवें वर्ष (२०२४-२५) के कार्यान्वयन के दौरान स्टार्स ने विशेष रूप से मूलभूत अधिगम को सुदृढ़ करने, मूल्यांकन प्रणालियों का आधुनिकीकरण करने, शिक्षक क्षमता निर्माण को बढ़ाने, सेवा प्रदायन में सुधार लाने तथा व्यावसायिक शिक्षा का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित किया है। ये सभी हस्तक्षेप ओडिशा की राज्य-विशिष्ट शैक्षणिक प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं, जिनका उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना, समावेशी पहुँच सुनिश्चित करना और एक रोचक, शिक्षार्थी-केंद्रित वातावरण का निर्माण करना है।

यह वार्षिक रिपोर्ट वर्ष भर की प्रमुख उपलब्धियों और पहलों को प्रस्तुत करती है, जो प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने तथा विद्यार्थियों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल और दक्षताओं से सुसज्जित करने के प्रति सभी हितधारकों की सामूहिक प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती है।

राज्य परियोजना निर्देशक







## विषय-सूची

| क्रम संख्या | विषय                                                   | पृष्ठ सं. |
|-------------|--------------------------------------------------------|-----------|
| 1           | कार्यकारी सारांश 2024-25                               | 01        |
| 2           | ओसेपा की प्रशासनिक संरचना                              | 05        |
| 3           | विभिन्न संकेतकों का प्रगति अवलोकन                      | 07        |
| 4           | वार्षिक रिपोर्ट 2024-25                                | 15        |
| I           | एसआईजी घटक 1: प्रारंभिक वर्षों की शिक्षा को मजबूत करना | 15        |
| II          | एसआईजी घटक 2: बेहतर शिक्षण मूल्यांकन प्रणाली           | 24        |
| III         | एसआईजी घटक 3: बेहतर शिक्षक प्रदर्शन और कक्षा अभ्यास    | 29        |
| IV          | एसआईजी घटक 4: मजबूत सेवा वितरण                         | 69        |
| V           | एसआईजी घटक 5: व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण           | 85        |







## संक्षिप्त रूप और परिवर्णी शब्द

|               |                                               |
|---------------|-----------------------------------------------|
| एडब्ल्यूपी&बी | वार्षिक कार्य योजना और बजट                    |
| बीआरपी        | ब्लॉक संसाधन व्यक्ति                          |
| बीएस          | बेसलाइन उपलब्धि अध्ययन                        |
| बीपीएल        | गरीबी रेखा से नीचे                            |
| बीईओ          | खंड शिक्षा अधिकारी                            |
| बीआरसी        | ब्लॉक संसाधन केंद्र                           |
| सीसीई         | सतत व्यापक मूल्यांकन                          |
| सीआर          | पूर्णता दर                                    |
| सीआरसी        | क्लस्टर संसाधन केंद्र                         |
| सीटीई         | शिक्षक शिक्षा के कॉलेज                        |
| सीटीएस        | बाल ट्रेकिंग सिस्टम                           |
| सीपीडी        | सतत व्यावसायिक विकास                          |
| सीडब्ल्यूएसएन | विशेष आवश्यकता वाले बच्चे                     |
| डी.एल.आई      | जिला लिंकड संकेतक                             |
| डी.पी.सी      | जिला परियोजना समन्वयक                         |
| सीएसएस        | केंद्र प्रायोजित योजना                        |
| डीईओ          | जिल्हा शिक्षा अधिकारी                         |
| डाइट          | जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान             |
| डीआर          | ड्रॉपआउट दर                                   |
| ईसीसीई        | बचपन की देखभाल और शिक्षा                      |
| एफए&सीएओ      | वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी         |
| एफएलएन        | मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता               |
| जीईआर         | सकल नामांकन अनुपात                            |
| जीपी          | ग्राम पंचायत                                  |
| एचएचएस        | हाउस होल्ड सर्वे                              |
| आईएसई         | संस्थान शिक्षा के क्षेत्र में उन्नत अध्ययन के |
| आईओसी         | स्कूल न जाने वाले बच्चों के लिए हस्तक्षेप     |
| आईसीटी        | सूचना और संचार प्रौद्योगिकी                   |
| केजीबीवी      | कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय                |
| केआरपी        | प्रमुख संसाधन व्यक्ति                         |
| एलईपी         | लर्निंग एन्हांसमेंट प्रोग्रामएम               |



|                   |                                                       |
|-------------------|-------------------------------------------------------|
| आईएस              | प्रबंधन सूचना प्रणाली                                 |
| एनएसए             | नॉन-स्टेट एक्टर्स                                     |
| एनएसएस            | राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण                           |
| एनईपी             | नई शिक्षा नीति                                        |
| एनईआर             | नेट नामांकन अनुपात                                    |
| ओओएससी            | स्कूल से बाहर के बच्चे                                |
| ओसेपा             | ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण                |
| पीएम              | परियोजना प्रबन्धन                                     |
| पीएफएमएस          | सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली                     |
| पीएबी             | परियोजना अनुमोदन बोर्ड                                |
| पीटीआर            | छात्र-शिक्षक अनुपात                                   |
| क्यूएमटी          | गुणवत्ता निगरानी उपकरण                                |
| आरटीई अधिनियम     | शिक्षा का अधिकार अधिनियम                              |
| आरसीएफसीई अधिनियम | बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम  |
| आरएफडी            | परिणाम फ्रेमवर्क दस्तावेज़                            |
| आरएमएसए           | राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान                      |
| आरआर              | प्रतिधारण दर/पुनरावृत्ति दर                           |
| एसएसी             | राज्य आकलन प्रकोष्ठ                                   |
| एस.आई.एस          | राज्य कार्यान्वयन सोसायटी                             |
| एस.आई.जी          | राज्य प्रोत्साहन अनुदान                               |
| एस.पी.डी.         | राज्य परियोजना निदेशक                                 |
| एससी/एसटी         | अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति                      |
| एसएस              | समग्र शिक्षा                                          |
| एससीईआरटी         | राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद            |
| एसडीजी            | सतत विकास लक्ष्य                                      |
| एसडीएमआईएस        | छात्र डेटा प्रबंधन सूचना प्रणाली                      |
| एसएमसी            | स्कूल प्रबंधन समिति                                   |
| एसआईजी            | राज्य प्रोत्साहन अनुदान                               |
| सितारों           | राज्यों के लिए शिक्षण-अधिगम और परिणामों को मजबूत करना |
| टीईआई             | अध्यापक शिक्षा संस्थान                                |
| टीटी              | शिक्षक प्रशिक्षण                                      |
| यू.सी.            | उपयोगिता प्रमाणपत्र                                   |
| वीएसके            | विद्या समीक्षा केंद्र                                 |





## १. कार्यकारी सारांश (२०२४-२५)



Strengthening  
Teaching-Learning  
and Results for States

### पृष्ठभूमि

विश्व बैंक द्वारा समर्थित राज्यों के लिए शिक्षण-अधिगम और परिणामों को सुदृढ़ बनाना (स्टार्स), स्कूल और गण शिक्षा विभाग, ओडिशा सरकार के साथ साझेदारी में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा लागू केंद्र प्रायोजित योजना (सीएसएस) के तहत एक परिवर्तनकारी पहल है। २०२०-२१ में राष्ट्रीय स्तर पर कैबिनेट द्वारा अनुमोदित और २०२१ से २२ तक ओडिशा में लागू स्टार्स प्रोजेक्ट ने अब राज्य में पांच साल के प्रभावशाली कार्यान्वयन को पूरा कर लिया है। इस अवधि में, इसने स्कूली शिक्षा में महत्वपूर्ण सुधार और नवाचार को प्रेरित किया है, जो ओडिशा में प्रणालीगत परिवर्तन और बेहतर सीखने के परिणामों में योगदान देता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० के सिद्धांतों और दृष्टिकोण के साथ गठबंधन करते हुए, स्टार्स प्रोजेक्ट पूर्व-प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्तर तक स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता, इक्विटी और परिणामों को समग्र रूप से बढ़ाने का प्रयास करता है। यह परियोजना शैक्षिक और प्रशासनिक दोनों क्षेत्रों को लक्षित करने वाले हस्तक्षेपों की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से शिक्षा के प्रमुख स्तंभों को मजबूत करने के लिए एक प्रणालीगत और समावेशी दृष्टिकोण को अपनाती है।

### मुख्य उद्देश्य

ओडिशा में स्टार्स प्रोजेक्ट निम्नलिखित व्यापक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है:

- एनईपी २०२० के अनुरूप शिक्षण-शिक्षण प्रथाओं और शिक्षा परिणामों को मजबूत करना
- सभी बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समावेशी और समान पहुंच सुनिश्चित करना
- बेहतर स्कूल तत्परता, मूलभूत शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा के रास्ते के माध्यम से आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा देना
- सीखने के मूल्यांकन, शिक्षक विकास और डेटा-संचालित शासन की मजबूत प्रणाली बनाना

### राज्य प्रोत्साहन अनुदान (एसआईजी) घटक

परियोजना को पांच प्रमुख घटकों के आसपास संरचित किया गया है जो इसकी कार्यान्वयन रणनीति की रीढ़ हैं:

- प्रारंभिक वर्षों की शिक्षा को मजबूत करना** - प्रारंभिक ग्रेड में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता को बढ़ाना।
- बेहतर शिक्षण मूल्यांकन प्रणाली** - योग्यता-आधारित और अनुकूली मूल्यांकन तंत्र की स्थापना।
- बेहतर शिक्षक प्रदर्शन और कक्षा अभ्यास** - आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण, सलाह और प्रदर्शन समर्थन के माध्यम से शिक्षकों का व्यावसायिक विकास।
- मजबूत सेवा वितरण** - योजना, शासन, निगरानी और कार्यान्वयन के लिए सभी स्तरों पर संस्थागत क्षमता को मजबूत करना।
- व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण कौशल** आधारित शिक्षा तक पहुंच का विस्तार करना और भविष्य के कैरियर मार्गों के संपर्क में आना।

### विज़न:

स्टार्स प्रोजेक्ट का व्यापक दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करना है कि ओडिशा में हर बच्चे को सुरक्षित, समावेशी और आकर्षक सीखने के माहौल में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुंच हो। परियोजना का लक्ष्य है छात्रों की विविध शैक्षणिक, भाषाई और



सामाजिक-सांस्कृतिक आवश्यकताओं को पूरा करें और उन्हें सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय और सक्षम भागीदार बनने के लिए सशक्त बनाएं।

### कवरेज और पहुंच

ओडिशा में, ३,४४,११६ शिक्षक ६१,५६५ स्कूलों में नामांकित ७५५४६४३ छात्रों को शिक्षित करने में लगे हुए हैं। यह परियोजना सभी हितधारकों-शिक्षकों, छात्रों, शिक्षक शिक्षकों, स्कूल प्रबंधन समितियों (एसएमसी), माता-पिता, समुदाय के सदस्यों, एससीईआरटी, डीआईईटी को सक्रिय रूप से शामिल करके एक पूरे स्कूल पारिस्थितिकी तंत्र दृष्टिकोण पर जोर देती है। काटने, बीआरपी, सीआरपी, और स्वयंसेवकों।

स्टार्स के तहत ध्यान का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र मूल्यांकन प्रणालियों का आधुनिकीकरण है, डेटा-संचालित सीखने के समर्थन और लक्षित हस्तक्षेप सुनिश्चित करना है। यह परियोजना कम-से-कम भौगोलिक क्षेत्रों और वंचित शिक्षार्थियों का समर्थन करके इक्विटी अंतराल को पाटने के लिए भी काम करती है, जिससे सभी के लिए शिक्षा और गुणवत्ता सीखने के अधिकार के लिए राज्य की प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है।

सहयोगी योजना, उत्तरदायी शासन और समावेशी कार्यान्वयन के माध्यम से, स्टार परियोजना ओडिशा के स्कूल शिक्षा परिदृश्य में प्रणालीगत सुधार और नवाचार को जारी रखती है, जो राज्य को गुणवत्ता और न्यायसंगत शिक्षा प्रदान करने में एक राष्ट्रीय नेता के रूप में स्थापित करती है।

### २०२४-२५ में स्टार्स के अंतर्गत प्रमुख पहल और उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

#### एसआईजी I: प्रारंभिक वर्षों की शिक्षा को मजबूत करना

- सीआरसीसी/डीआरजी के क्षमता निर्माण के लिए मॉड्यूल विकास, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण और एफएलएन मॉडल स्कूलों और प्रयोगशाला स्कूलों के शिक्षकों के क्षमता निर्माण के लिए अगस्त २०२४ में डाइट स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की गईं।
- १८९७ प्राथमिक स्कूलों को FLN-अनुरूप स्कूलों में पूरी तरह से विकसित / बदल दिया गया है।
- एफएलएन पर प्राथमिक शिक्षकों और प्रधान शिक्षकों का प्रशिक्षण जिला स्तर पर प्रगति पर है, और ८७६८४ शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया है।
- जिला स्तर पर शिशु वाटिका पर प्राथमिक ग्रेड के शिक्षकों (@१ शिक्षक प्रति स्कूल) का प्रशिक्षण दिया गया है, और ४३७४९ शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया है।

#### एसआईजी II: बेहतर शिक्षण मूल्यांकन प्रणालियाँ

- अक्टूबर २०२४ में जिला और ब्लॉक स्तरों पर अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया, और २४ जनवरी २०२५ को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया।
- २० और २१ अगस्त २०२४ को कक्षा IX के छात्रों के लिए आधारभूत मूल्यांकन किया गया। कक्षा ९ के छात्रों के लिए एंडलाइन मूल्यांकन १७ और १८ फरवरी, २०२५ को ५२६१ माध्यमिक विद्यालयों में आयोजित किया गया।
- फरवरी २०२५ में प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के लिए सारांश मूल्यांकन II आयोजित किया गया है।

#### एसआईजी III: बेहतर शिक्षक प्रदर्शन और कक्षा अभ्यास

- ५ अक्टूबर २०२४ को राज्य स्तर पर १३,५६४ नए भर्ती किए गए प्राथमिक शिक्षकों (जूनियर शिक्षक योजनाबद्ध) के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। और प्रेरणा प्रशिक्षण प्रीरना मॉड्यूल वर्तमान में जिला स्तर पर चल रहा है, जिसमें ११,४६३ शिक्षकों ने प्रशिक्षण पूरा किया है।
- उच्च प्राथमिक शिक्षकों के लिए नेतृत्व, २१ वीं सदी के कौशल, सीएल और मानसिक कल्याण पर एक ३ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला स्तर पर प्रगति पर है, जिसमें अब तक ७८,२५७ शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है।



- जिला स्तर पर उत्कर्ष कार्यक्रम के तहत २२,५१२ माध्यमिक विद्यालय शिक्षकों का क्षमता निर्माण पूरा हो चुका
- लिंग संवेदनशीलता और बाल अधिकारों पर ३१६ केजीबीवी वार्डन का प्रशिक्षण ३ से ८ अक्टूबर २०२४ तक राज्य स्तर पर आयोजित किया गया था। इसी तरह, ३२४ केजीबीवी हेडमिस्ट्रेस और प्रिंसिपलों की क्षमता निर्माण २० से २५ जनवरी २०२५ तक तीन चरणों में आयोजित किया गया था।
- उन्नत सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के १९९ प्रधानाचार्यों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम १९ और २० दिसंबर २०२४ को आयोजित किया गया था।
- वर्तमान में जिला स्तर पर संकल्प मॉड्यूल पर १४,४०० नए भर्ती माध्यमिक शिक्षकों के लिए प्रेरण प्रशिक्षण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, माध्यमिक विद्यालयों से २०३ शारीरिक शिक्षा शिक्षक के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण राज्य स्तर पर दो चरणों में आयोजित किया गया था।
- जिला स्तर पर जेंडर इक्विटी और सामाजिक विज्ञान शिक्षकों के लिए पाठ्यक्रम एकीकरण पर ३ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें २०,९३२ शिक्षक शामिल हैं।
- समावेशी और समान शिक्षा पर निष्ठा मॉड्यूल के तहत पांच दिवसीय डीआरजी प्रशिक्षण १५ से २० दिसंबर २०२४ तक आयोजित किया गया था, जिसमें १५० डीआरजी प्रशिक्षित किए गए थे और इसके बाद जनवरी २०२५ में १५८० बीआरजी का प्रशिक्षण दिया गया था। और ५२२२ शिक्षकों (@ १ शिक्षक प्रति स्कूल) को २०२४-२५ के दौरान ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षित किया गया है।
- मास्टर प्रशिक्षकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम कई घटकों पर आयोजित किए गए थे:
  - स्कूलों में आकांक्षात्मक घटकों का कार्यान्वयन और मूल्यांकन,
  - अक्टूबर २०२४ में ३१४ संस्थानों के प्रमुखों के लिए माध्यमिक विद्यालयों में डिजिटल मूल्यांकन, और
  - फरवरी २०२५ में बोर्ड परीक्षाओं (एचएससी, एसओएससी और मध्यमा) का संचालन।
- सरकारी सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के १०० नए भर्ती किए गए पीजीटी के लिए ५ दिवसीय आवासीय प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम ३ से ७ फरवरी २०२५ तक भुवनेश्वर के इमेज में आयोजित किया गया था।
- माध्यमिक विद्यालय के हेडमास्टर्स के लिए संभव मॉड्यूल विकास पर एक राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें ११७ डीआरजी प्रशिक्षित थे।
- उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीएचएसई) के माध्यम से १,६०० उच्चतर माध्यमिक शिक्षकों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- कक्षा IX और X के लिए पाठ्यपुस्तकों का लेखन, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क (NCF) के साथ संरेखण में, वर्तमान में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, ओडिशा द्वारा प्रगति पर है।

#### एसआईजी IV: सुदृढ़ सेवा वितरण

- विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों की निगरानी के लिए विद्या समीक्षा केंद्र ओसेपा में काम कर रहा है।
- ब्रेल लैपटॉप के उपयोग पर ३४३ दृष्टिहीन छात्रों के प्रशिक्षण के लिए जिला स्तर पर परामर्श कार्यशाला आयोजित की गई है।
- ओसीएसी के माध्यम से १८२ केजीबीवी हॉस्टलों के लिए आईसीटी सुविधा (@३ कंप्यूटर और एक्सेसरीज़ प्रति केजीबीवी) का प्रावधान पूरा किया गया है।
- १७९ प्रकार III केजीबीवी का रखरखाव प्रगति पर है।
- अप्रैल २५ से मई ९, २०२४ तक आयोजित नव भर्ती बीईओ और प्रधानाध्यापक/अध्यापिका प्रशिक्षण किया गया है।





- १९ से २० अप्रैल, २०२४ तक राज्य स्तर पर आयोजित डीईओ-कम-डीपीसी का २ दिवसीय अभिविन्यास किया गया है।
- अन्य राज्यों/राष्ट्रीय संस्थानों को आईईसी और बीआरपी का एक्सपोजर दौरा ३ चरणों में किया गया है। १वें चरण का दौरा २६ से ३१ अक्टूबर, २०२४ तक मैसूर, कर्नाटक में किया गया था। उत्तराखंड की २वीं चरण की दौरा और ६ से ९ नवंबर तक महाराष्ट्र की ३वीं चरण की दौरा।

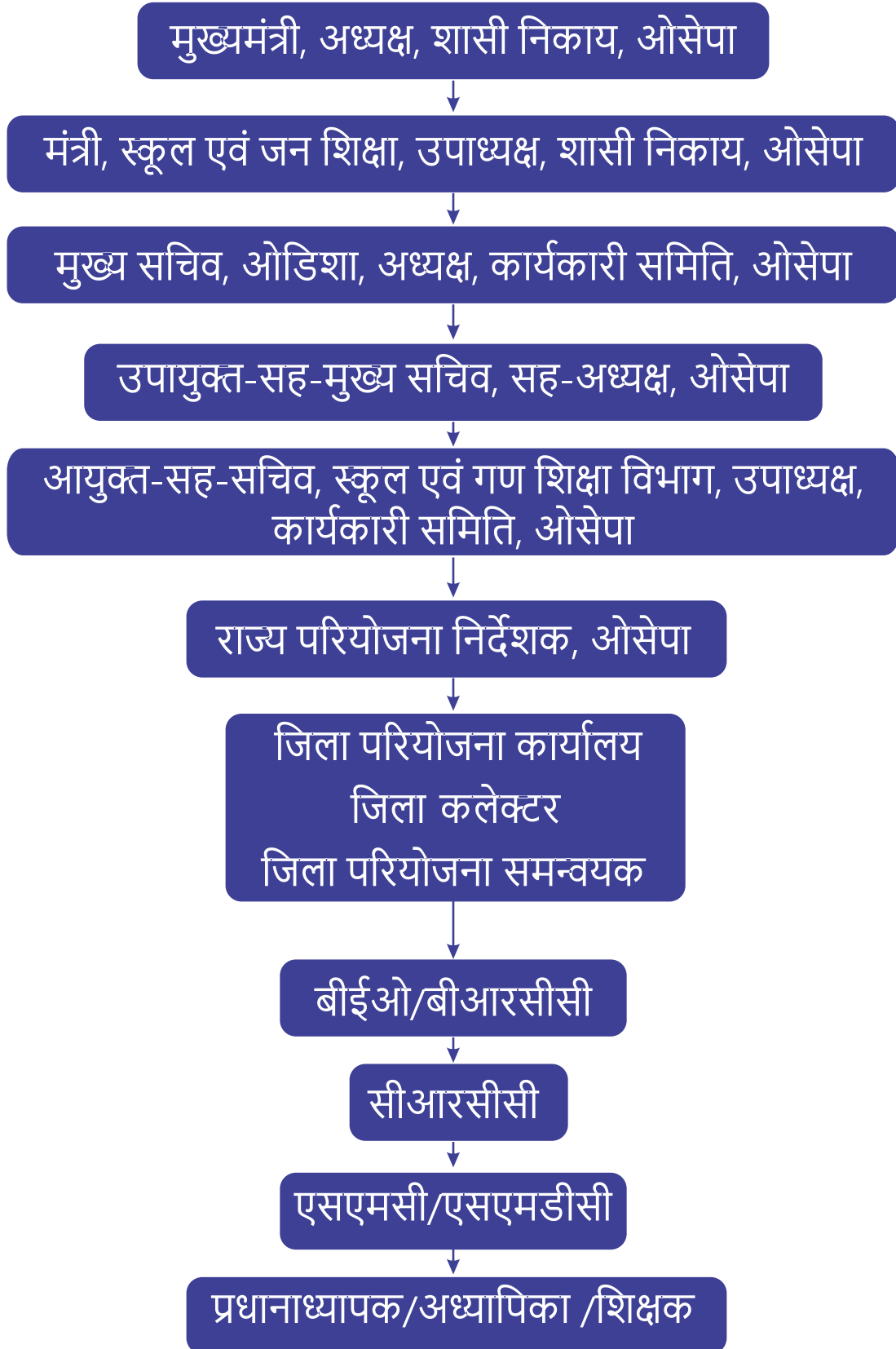
#### एसआईजी V: व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण

- ओडिशा के उच्चतर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय द्वारा स्टार्स कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि भवन, भुवनेश्वर में १५ फरवरी २०२५ को ओडिशा उद्यमियों के लिए एक उन्मुखीकरण कार्यक्रम, 'स्मार्ट ओडिशा हैकथॉन-३.०' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (ओयूएटी), यूनिट ८, भुवनेश्वर के तकनीकी सहयोग और ओसेपा के सहयोग से कार्यक्रम को किया गया। यह कार्यक्रम फरवरी से मई २०२५ तक, स्कूल स्तर से लेकर राज्य स्तर तक आयोजित किया गया।
- माननीय मुख्यमंत्री, ओडिशा द्वारा ५ सितंबर २०२४ को कैरियर मार्गदर्शन पोर्टल / वेबसाइट लॉन्च की गई। कक्षा IX और X के लिए कैरियर मार्गदर्शन पर ९ ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किए गए थे, और सभी माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कैरियर मार्गदर्शन सामग्री वितरित की गई है।
- २०-२१ जनवरी २०२५ को १२० डीआरजी के लिए राज्य स्तर पर कैरियर मार्गदर्शन पर २ दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- व्यावसायिक शिक्षा का दोहरा तरीका पायलट कार्यान्वयन के रूप में ओडिशा भर में ४ चयनित स्कूल हैं।
- ४७ जीवीएचएसएस (GVHSS) को एनएसक्यूएफ (NSQF) के अनुसार नया रूप दिया गया है सरकार। और ५० सरकारी व्यावसायिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापकों के क्षमता निर्माण कार्यक्रम १७ जनवरी २०२५ को आयोजित किया गया था।





## २. प्रशासनिक संरचना





## २.१ ओसेपा - राज्य स्तरीय प्रकल्प बिभाग



## २.२ ओसेपा - जिल्ला स्तरीय प्रकल्प बिभाग







## ३. विभिन्न संकेतकों का प्रगति अवलोकन

### प्रशासनिक संकेतक

| क्रम सं. | प्रशासनिक इकाइयां           | संख्या   |
|----------|-----------------------------|----------|
| 1        | राजस्व जिले                 | 30       |
| 2        | शैक्षिक ब्लॉक               | 314      |
| 3        | ब्लॉक शिक्षा कार्यालय (BEO) | 314      |
| 4        | क्लस्टर संसाधन केंद्र (CRC) | 4,806    |
| 5        | ग्राम पंचायतें              | 6,794    |
| 6        | राजस्व गांव                 | 53,845   |
| 7        | बस्तियां                    | 1,23,781 |

### जनसांख्यिकीय संकेतक

| विवरण                     | 2011       | 2001       |
|---------------------------|------------|------------|
| समुदाय जनसंख्या           | 41,974,218 | 36,804,660 |
| पुरुष                     | 21,212,136 | 18,660,570 |
| महिला                     | 20,762,082 | 18,144,090 |
| लिंग अनुपात               | 979        | 972        |
| क्षेत्र किमी <sup>2</sup> | 1,55,707   | 155,707    |
| घनत्व/किमी <sup>2</sup>   | 269        | 236        |
| साक्षरता                  | 72.87      | 63.08      |
| पुरुष साक्षरता            | 81.59      | 75.35      |
| महिला साक्षरता            | 64.01      | 50.51      |



## शैक्षिक संकेतक – २०२४-२५

### विद्यालय / अनुभाग सारांश (२०२४-२५)

| विद्यालय प्रबंधन                                   | प्राथमिक विद्यालय (कक्षा I-V) | अपर प्राइमरी (I/VI-VII/VIII) | कुल प्राथमिक विद्यालय | कुल माध्यमिक विद्यालय | कुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय | कुल   |
|----------------------------------------------------|-------------------------------|------------------------------|-----------------------|-----------------------|------------------------------|-------|
| शिक्षा विभाग                                       | 26454                         | 14888                        | 41342                 | 4694                  | 765                          | 46801 |
| आदिवासी कल्याण विभाग+ एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय | 430                           | 773                          | 1203                  | 381                   | 110                          | 1694  |
| अन्य राज्य सरकार प्रबंधित विद्यालय                 | 6                             | 2                            | 8                     | 4                     | 7                            | 19    |
| टोटल सरकारी स्कूल (राज्य)                          | 26890                         | 15663                        | 42553                 | 5079                  | 882                          | 48514 |
| सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल                        | 285                           | 1383                         | 1668                  | 3337                  | 793                          | 5798  |
| टोटल सरकारी स्कूल और सहायता प्राप्त स्कूल          | 27175                         | 17046                        | 44221                 | 8416                  | 1675                         | 54312 |
| SSEPD द्वारा आंशिक रूप से सहायता प्राप्त           | 14                            | 36                           | 50                    | 20                    | 0                            | 70    |
| केंद्र सरकार प्रबंधित प्रबंधित                     | 0                             | 1                            | 1                     | 3                     | 9                            | 13    |
| निजी सहायता प्राप्त (मान्यता प्राप्त)              | 776                           | 3351                         | 4127                  | 814                   | 1186                         | 6127  |
| प्राइवेट गैर-मान्यता प्राप्त                       | 441                           | 418                          | 859                   | 64                    | 22                           | 945   |
| केवी / जेएनवी                                      | 1                             | 0                            | 1                     | 15                    | 82                           | 98    |
| समुदाय स्कूल                                       | 28407                         | 20852                        | 49259                 | 9332                  | 2974                         | 61565 |

मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25



## नामांकन (२०२४-२५)

| विद्यालय प्रबंधन                                         | प्राथमिक<br>(कक्षा 1-5) | उच्च प्राथमिक<br>(कक्षा 6-8) | प्राथमिक<br>माध्यमिक<br>(कक्षा 1-8) | माध्यमिक<br>(कक्षा 9-10) | उच्चतर<br>माध्यमिक<br>(कक्षा 11-12) | कुल नामांकन<br>(कक्षा 1 - 12) |
|----------------------------------------------------------|-------------------------|------------------------------|-------------------------------------|--------------------------|-------------------------------------|-------------------------------|
| शिक्षा विभाग                                             | 2280373                 | 1454344                      | 3734717                             | 671989                   | 121499                              | 4528205                       |
| आदिवासी कल्याण<br>विभाग+ एकलव्य आदर्श<br>आवासीय विद्यालय | 172460                  | 173575                       | 346035                              | 65735                    | 15774                               | 427544                        |
| अन्य राज्य सरकार<br>प्रबंधित प्रबंधित                    | 841                     | 1363                         | 2204                                | 905                      | 1976                                | 5085                          |
| टोटल सरकारी स्कूलों<br>नामांकन (राज्य)                   | 2453674                 | 1629282                      | 4082956                             | 738629                   | 139249                              | 4960834                       |
| सरकारी सहायता प्राप्त<br>स्कूल                           | 23149                   | 119207                       | 142356                              | 346184                   | 456912                              | 945452                        |
| टोटल सरकारी स्कूल<br>और सहायता प्राप्त<br>स्कूल नामांकन  | 2476823                 | 1748489                      | 4225312                             | 1084813                  | 596161                              | 5906286                       |
| SSEPD द्वारा आंशिक<br>रूप से सहायता प्राप्त              | 2764                    | 1415                         | 4179                                | 508                      | 0                                   | 4687                          |
| केंद्र सरकार प्रबंधित<br>प्रबंधित                        | 1222                    | 2108                         | 3330                                | 1043                     | 1260                                | 5633                          |
| निजी सहायता प्राप्त<br>(मान्यता प्राप्त)                 | 699889                  | 323369                       | 1023258                             | 150656                   | 306673                              | 1480587                       |
| प्राइवेट गैर-मान्यता प्राप्त                             | 52826                   | 15500                        | 68326                               | 5533                     | 5091                                | 78950                         |
| केवी / जेएनवी<br>नामांकन के बिना कुल<br>नामांकन          | 3233524                 | 2090881                      | 5324405                             | 1242553                  | 909185                              | 7476143                       |
| केवी / जेएनवी<br>(वर्तमान वर्ष)                          | 27486                   | 24850                        | 52336                               | 15797                    | 10367                               | 78500                         |
| कुल नामांकन                                              | 3261010                 | 2115731                      | 5376741                             | 1258350                  | 919552                              | 7554643                       |

मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25

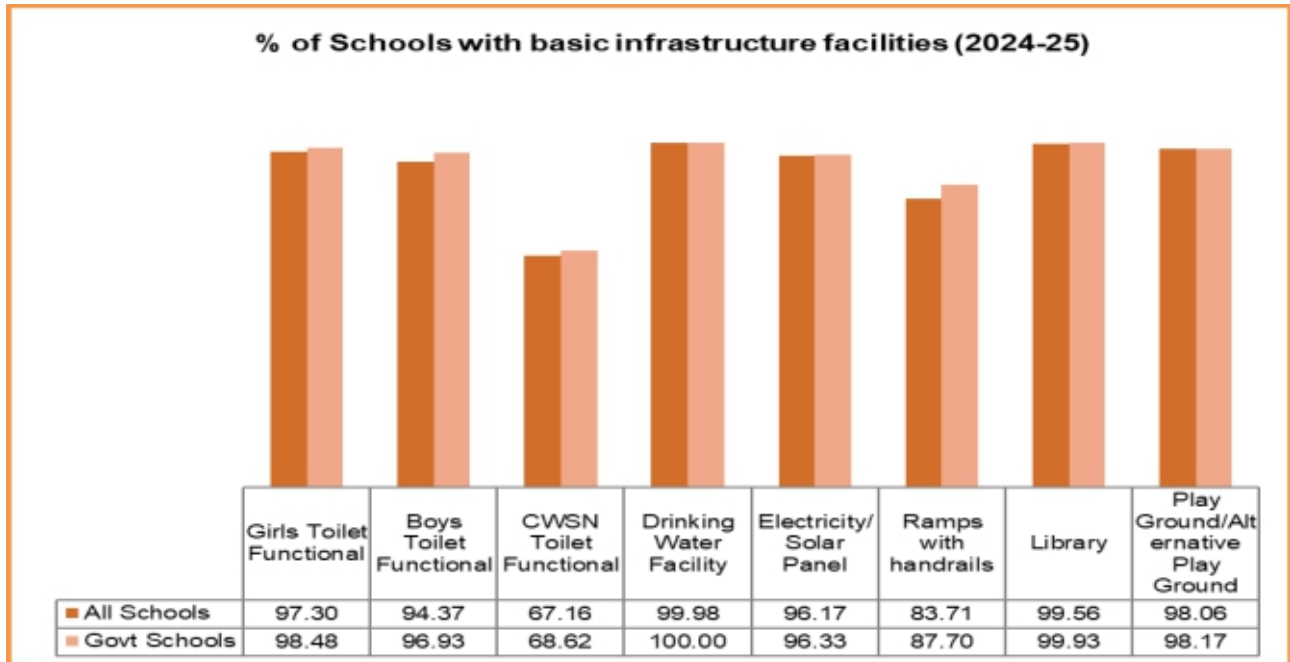


## शिक्षक (२०२४-२५)

| स्कूल प्रबंधन                                           | प्राथमिक      | उच्च प्राथमिक | प्राथमिक शिक्षक | माध्यमिक     | एचआर. माध्यमिक | समुदाय शिक्षक |
|---------------------------------------------------------|---------------|---------------|-----------------|--------------|----------------|---------------|
| शिक्षा विभाग                                            | 83195         | 78072         | <b>161267</b>   | 41116        | 2953           | 205336        |
| आदिवासी कल्याण विभाग+ एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय      | 1831          | 3868          | <b>5699</b>     | 3353         | 578            | 9630          |
| अन्य राज्य सरकार प्रबंधित प्रबंधित                      | 22            | 8             | <b>30</b>       | 54           | 36             | 120           |
| <b>टोटल सरकारी स्कूल शिक्षक (राज्य)</b>                 | <b>85048</b>  | <b>81948</b>  | <b>166996</b>   | <b>44523</b> | <b>3567</b>    | <b>215086</b> |
| सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल शिक्षक                      | 933           | 2495          | <b>3428</b>     | 19465        | 9312           | 32205         |
| <b>टोटल सरकारी स्कूल और सहायता प्राप्त स्कूल शिक्षक</b> | <b>85981</b>  | <b>84443</b>  | <b>170424</b>   | <b>63988</b> | <b>12879</b>   | <b>247291</b> |
| SSEPD द्वारा आंशिक रूप से सहायता प्राप्त                | 254           | 241           | <b>495</b>      | 61           |                | 556           |
| केंद्र सरकार प्रबंधित स्कूल                             | 22            | 37            | <b>59</b>       | 99           | 95             | 253           |
| निजी सहायता प्राप्त स्कूल (मान्यता प्राप्त)             | 29108         | 34474         | <b>63582</b>    | 10809        | 11138          | 85529         |
| प्राइवेट गैर-मान्यता प्राप्त                            | 4584          | 2345          | <b>6929</b>     | 568          | 167            | 7664          |
| केवी / जेएनवी                                           | 773           | 176           | <b>949</b>      | 1001         | 873            | 2823          |
| <b>समुदाय शिक्षक</b>                                    | <b>120722</b> | <b>121716</b> | <b>242438</b>   | <b>76526</b> | <b>25152</b>   | <b>344116</b> |

मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25

## बुनियादी ढांचे वाले स्कूल

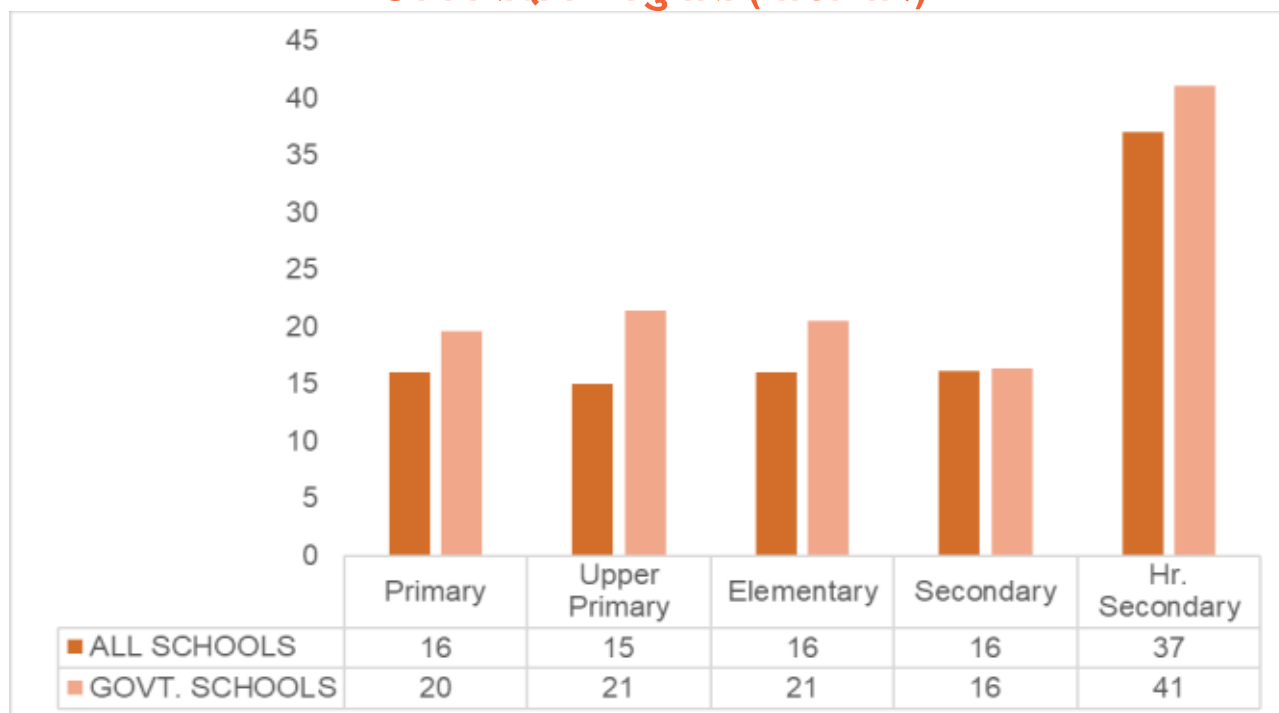


मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25



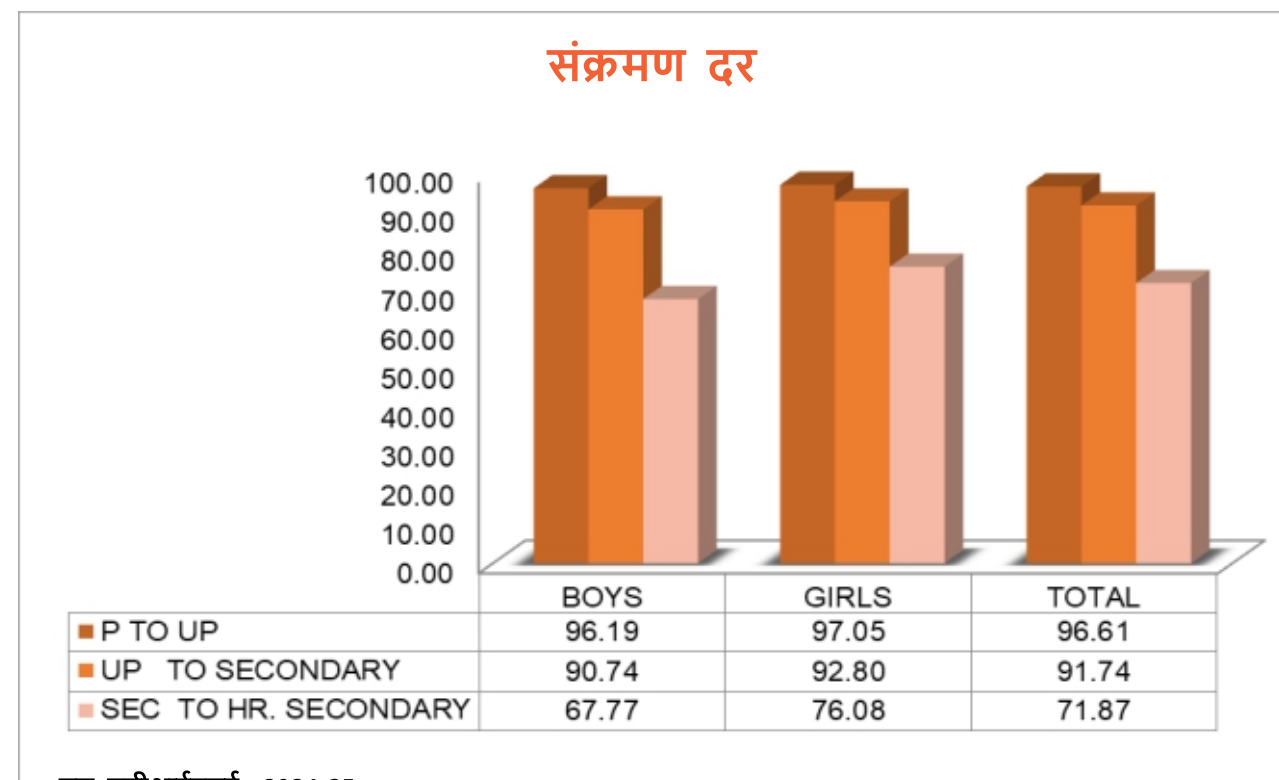


## छात्र शिक्षक अनुपात (पीटीआर)



मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25

## संक्रमण दर



मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25

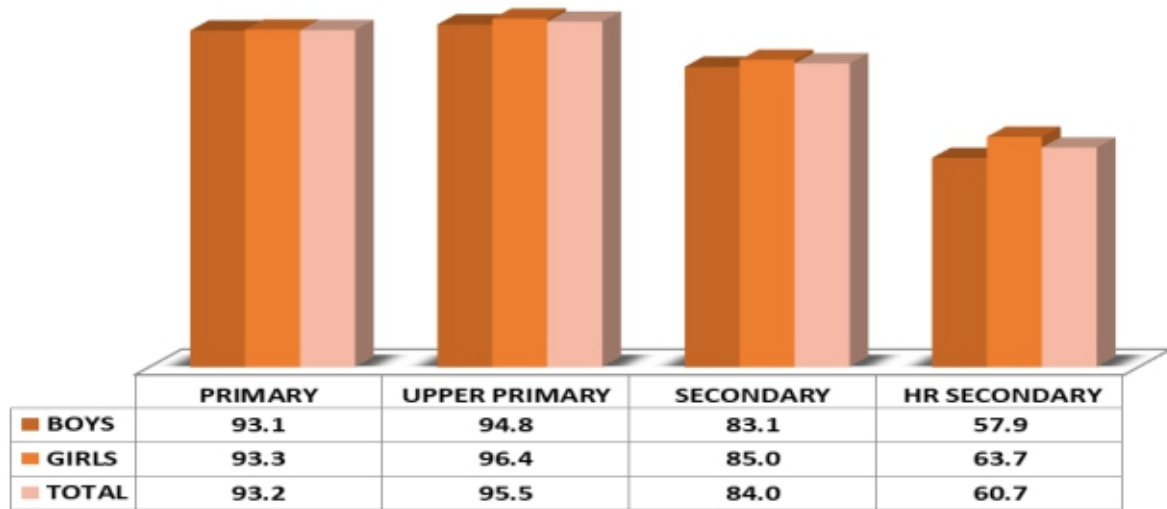


## वार्षिक औसत ड्रॉपआउट दर



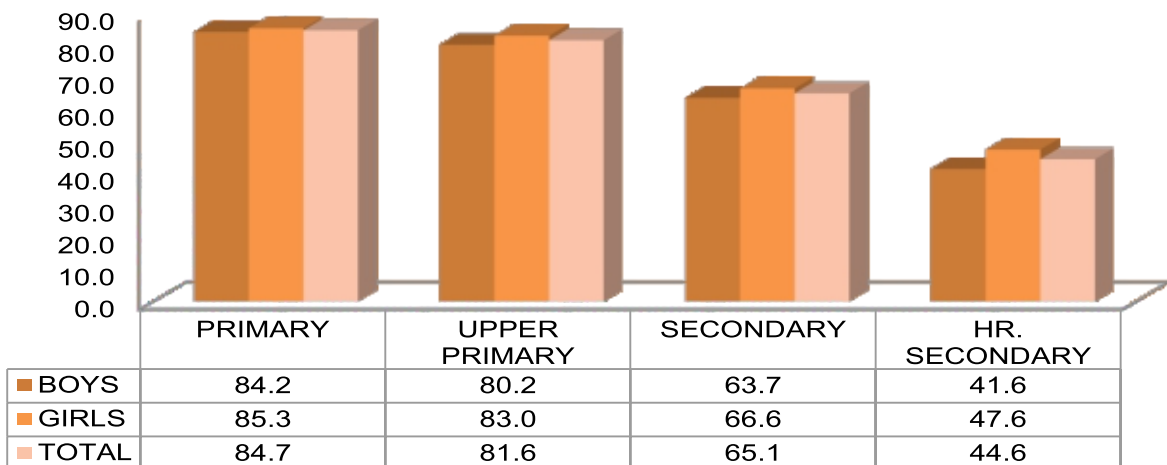
मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25

## सकल नामांकन अनुपात (जीईआर)



मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25

## शुद्ध नामांकन अनुपात (एनईआर)



मूल: यूडीआईएसई+ 2024-25

## योजना प्रक्रिया और कार्यान्वयन व्यवस्था

२०२४-२५ के दौरान, राज्य ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त पत्र के अनुसार स्टार्स योजना के तहत एक विस्तृत गैट चार्ट के साथ एक बहु-वर्षीय बजटीय योजना (२०२४-२५ से २०२६-२७) तैयार की और प्रस्तुत किया गया है। यह योजना आने वाले वर्षों के लिए एक स्पष्ट सड़क मानचित्र की रूपरेखा तैयार करती है ताकि गतिविधियों के संरचित और समय पर निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके।

२०२५-२६ के लिए वार्षिक कार्य योजना और बजट (एडब्ल्यूपी एंड बी) को सार्वभौमिक पहुंच, इक्विटी और शिक्षा में गुणवत्ता पर मजबूत ध्यान देने के साथ स्टार्स योजना के उद्देश्यों के साथ संरेखण में विकसित किया गया था। व्यावसायिक शिक्षा और समावेशी शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है, जिसका उद्देश्य राज्य भर में सीखने के परिणामों और समग्र शैक्षिक मानकों में मापनीय सुधार प्राप्त करना है।

### राज्य और जिला स्तर के पदाधिकारियों का क्षमता विकास

- निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार वर्ष २०२५-२६ में स्टार्स के तहत वार्षिक कार्य योजना और बजट की तैयारी पर अभिविन्यास और क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।
- राज्य परियोजना कार्यालय (एसपीओ) और जिला परियोजना कार्यालय (डीपीओ) दोनों स्तरों पर सभी हस्तक्षेप प्रमुखों के लिए व्यवस्थित क्षमता वृद्धि कार्यक्रम आयोजित किए गए, जो स्टार्स के परिचालन ढांचे और मानकों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
- डीईओ-सह-डीपीसी, कार्यक्रम समन्वयक, वरिष्ठ तकनीकी समन्वयक, तकनीकी समन्वयक, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, क्लस्टर संसाधन केंद्र समन्वयक, और राज्य शिक्षा प्रशासक - २०२५-२६ वार्षिक कार्य योजना और बजट के लिए सहयोगी और साक्ष्य-सूचित योजना सुनिश्चित की।
- योजना विकास, प्रशिक्षण और अभिविन्यास सत्रों से पहले, इन-पर्सन और वर्चुअल डिलीवरी मोड दोनों को शामिल करते हुए, सभी प्रशासनिक स्तरों पर टीमों की योजना बनाने के लिए सुविधा प्रदान की गई थी।





### सबूत आधारित रणनीतिक योजना

- योजना प्रक्रिया ने स्कूल के बुनियादी ढांचे, जनसांख्यिकीय प्रोफाइल, नामांकन आंकड़े, स्कूल के बाहर के बच्चों के विश्लेषण, यू-डीआईएसई + जानकारी को शामिल करने वाले व्यापक डेटासेट का लाभ उठाया, और फील्ड-आधारित सर्वेक्षण निष्कर्ष।
- परियोजना अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) प्रतिबद्धताओं का एकीकरण, कार्रवाई की गई रिपोर्ट, और शैक्षिक अनुसंधान अध्ययनों से अंतर्दृष्टि ने रणनीतिक निर्णय लेने की सूचना दी।
- एक महत्वपूर्ण घटक में एक व्यापक गुणवत्ता संवर्धन योजना विकसित करना शामिल है, विशेष रूप से प्राथमिक स्तर पर साक्षरता, समझ और संख्यात्मक दक्षताओं में मूलभूत कौशल घाटे की पहचान और व्यवस्थित समाधान को लक्षित करना।

### एडब्ल्यूपी और बी विकास के लिए पद्धतिगत रूपरेखा

- भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के प्रोटोकॉल के आधार पर आमने-सामने की बातचीत और वर्चुअल कॉन्फ्रेंसिंग के संयोजन-हाइब्रिड डिलीवरी मॉडल के माध्यम से जिला परियोजना समन्वयकों और योजना टीमों की क्षमता को मजबूत किया गया है।
- जिला-स्तरीय योजना प्रक्रियाओं में सटीकता और प्रासंगिकता सुनिश्चित करने के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली फॉर एजुकेशन प्लस (यूडीआईएसई +) प्लेटफॉर्म से मजबूत डेटा विश्लेषण शामिल किया गया।

### एडब्ल्यूपी और बी की अनुसूची, २०२५-२६:

| क्रम संख्या | गतिविधियाँ                                                 | तारीख      |
|-------------|------------------------------------------------------------|------------|
| 1           | राज्य योजना समिति की बैठक                                  | 07.12.2024 |
| 2           | जिला योजना समिति की बैठक                                   | 16.12.2024 |
| 3           | जिलों द्वारा योजना का प्रस्तुतीकरण एस.पी.ओ                 | 31.12.2024 |
| 4           | अन्य निदेशालयों द्वारा ओसेपा को योजना प्रस्तुत करना        | 06.01.2025 |
| 5           | एसपीओ, ओसेपा के सभी हस्तक्षेपों द्वारा योजना प्रस्तुत करना | 06.01.2025 |
| 6           | राज्य स्तर का मूल्यांकन                                    | 09.01.2025 |
| 7           | अनुमोदन के लिए सरकार को योजना प्रस्तुत करना                | 25.01.2025 |

### योजना प्रक्रिया चरण:

- जिला योजना समिति (डीपीसी) की अध्यक्षता में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डीआईटी) के सदस्यों, सभी हस्तक्षेपों के प्रमुखों, ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों (बीओएस) और सहायक ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों (एबीईओ) सहित एक जिला स्तरीय योजना दल का गठन किया गया था।
- इसी तरह, राज्य परियोजना कार्यालय में, विभिन्न हस्तक्षेपों के सभी हस्तक्षेप प्रमुखों और समन्वयकों की एक योजना टीम ने राज्य परियोजना निर्देशक के नेतृत्व में काम किया।
- स्टार्स योजना के वार्षिक योजना विकसित करने के लिए एक संरचित टेम्पलेट को २०२५-२६ के लिए वार्षिक कार्य योजना और बजट (एडब्ल्यूपीबी) के साथ सभी हस्तक्षेपों के साथ साझा किया गया था। इस टेम्पलेट का उपयोग करके प्रस्ताव तैयार किए गए थे।
- बजट प्रस्ताव शिक्षा मंत्रालय (MoE), भारत सरकार, नई दिल्ली को प्रस्तुत किया गया था।

### अभिसरण

एडब्ल्यूपी एंड बी का निर्माण करते हुए, महिला और बाल विकास, पीएचडी, एनजीओ और अन्य संबंधित हितधारकों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, लोक निर्माण, समाज कल्याण सहित लाइन विभागों के साथ अभिसरण किया गया था।



## ४. वार्षिक रिपोर्ट २०२४-२५

### एसआईजी १: प्रारंभिक वर्षों की शिक्षा को मजबूत करना

**कार्यकलाप १.१ को १.३: शिक्षक की आवश्यकता के आकलन के आधार पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण पर सीआरसीसी / डीआरजी के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम**

२० से २३ अगस्त, २०२४ तक आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण आवश्यकताओं के आकलन के निष्कर्षों के अनुसार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं (एडब्ल्यूडब्ल्यू) के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने के लिए अगस्त २०२४ में एससीईआरटी स्तर पर एक ४ दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला ने ईसीई की जरूरतों को पूरा करने वाले मॉड्यूल को तैयार करने के लिए डाइट के विषय विशेषज्ञों और शिक्षक शिक्षकों को एक साथ लाया। इस कार्यशाला में कुल १२ संसाधन व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए ३ दिवसीय प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करना था।



३ दिवसीय प्रशिक्षण के लिए सत्र योजना एक विस्तृत चर्चा के बाद तैयार की गई थी। कार्यशाला में चर्चा किए गए प्रारूप के अनुसार सत्र तैयार करने के लिए सभी संसाधन व्यक्तियों को समूहों में विभाजित किया गया था। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं (एडब्ल्यूडब्ल्यू) को प्रशिक्षण देने के लिए मॉड्यूल विकसित किए गए हैं। इन मॉड्यूल में संरचित मार्गदर्शन शामिल है, जिसमें प्रारंभिक बचपन शिक्षा अध्यापन, समावेशी प्रथाओं, माता-पिता की सहभागिता की रणनीतियों आदि जैसे आवश्यक विषयों को शामिल किया गया है। सीआरसीसी/डीआरजी के लिए क्षमता निर्माण मार्च २०२५ तक पूरा हो गया था।



## कार्यकलाप १.४ को १.५: एफएलएन मॉडल स्कूल और प्रायोगशाला स्कूलों के शिक्षकों की क्षमता निर्माण ताकि डाइट द्वारा सीखने की उपलब्धि को बढ़ाया जा सके

एफएलएन मॉडल स्कूल और प्रायोगशाला स्कूलों के शिक्षकों के क्षमता निर्माण के लिए कार्यशाला और बाद में मॉड्यूल विकास के लिए समीक्षा पूरी की गई है। शिक्षकों के क्षमता निर्माण के लिए धनराशि को डीआईईटी में स्थानांतरित कर दिया गया है।



## कार्यकलाप १.६: एफएलएन-अनुपालन स्कूल

ओडिशा में एफएलएन-अनुपालन स्कूलों को एक पोषण और आकर्षक सीखने के माहौल की स्थापना करने के लिए कल्पना की गई है जो मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक (एफएलएन) के सार्वभौमिक अधिग्रहण को सुनिश्चित करता है। इसका लक्ष्य प्रत्येक बच्चे को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० के साथ संरेखण में ग्रेड III के अंत तक आवश्यक पढ़ने, लिखने और संख्यात्मक दक्षताओं को प्राप्त करना है। मूलभूत कौशल को मजबूत करना छात्रों की शैक्षणिक सफलता और दीर्घकालिक सीखने के परिणामों के लिए महत्वपूर्ण है। जबकि १५७७६ प्राथमिक स्कूलों को पीएबी २०२३-२४ द्वारा स्टार्स के तहत मंजूरी दी गई थी, २०२४-२५ में इसके अलावा ११४९८ स्कूलों को मंजूरी दी गई है।



## कक्षा वातावरण को बढ़ाना

बाल-अनुकूल और आकर्षक कक्षाओं का निर्माण करने के लिए, कई आवश्यक ढांचागत सुविधाओं का प्रस्ताव किया गया है:

- सीखने की गतिविधियों के दौरान छात्रों को आराम से बैठने के लिए दारी (मैट) प्रदान करना।
- बेहतर बातचीत और जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए युवा शिक्षार्थियों के लिए उपयुक्त कम ऊंचाई वाले डेस्क या टेबल का उपयोग करना।
- छात्र कार्य और शैक्षिक सामग्री को प्रदर्शित करने के लिए बाला (लर्निंग एंड के रूप में बिल्डिंग) अवधारणा के हिस्से के रूप में दीवार गतिविधि प्रदर्शन बोर्ड और रचनात्मक दीवार पेंट।
- दृश्य सीखने को बढ़ाने के लिए प्रिंट सामग्री, चार्ट और दृश्य एड्स को लटकाने के लिए बैटन या हुक का उपयोग करना।

इंटैक्टिव और सीखने के अनुभवों पर हाथ के लिए एक नामित शिक्षण सीखने की सामग्री (टीएलएम) कोने।





### आइटम वाइज विशिष्टता विवरण

| क्रम संख्या नहीं | आइटम                                | विशिष्टता                                                                                                                                                                        |
|------------------|-------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 1                | डेस्क                               | समूह: गोलाकार आकार, 4 फीट व्यास, 10 "ऊंचाई अकेला: 20"x16"x10" (L x W x H), सामग्री: सूरज अभ्रक चिपकाया के साथ BWR प्लाईवुड (लाल, पीला, नीला, हरा)                                |
| 2                | अलमिरा/रैक/शेल्फ                    | आकार: 3 फीट x 5 फीट, एफएलएन सामग्री के भंडारण के लिए बहु-रंग।                                                                                                                    |
| 3                | चाक बोर्ड                           | ग्रीन बोर्ड, अभ्रक प्लाईवुड पर चिपकाया, आकार: (5 फीट x 3 फीट)                                                                                                                    |
| 4                | सॉफ्ट बोर्ड                         | प्रदर्शन के लिए पिन अप बोर्ड (3 फीट x 4 फीट)                                                                                                                                     |
| 5                | रैक का आकार                         | आकार: आकार 5'6" x 16" x 2'6" (L x W x H) बहु-रंग अभ्रक के साथ समाप्त हुआ।                                                                                                        |
| 6                | हुक के साथ लकड़ी के बैटन            | दोनों तरफ की दीवारें, हैंगिंग सामग्री के लिए दो स्तरों 3 फीट और 5 फीट पर 1 1/2 " हैंगिंग मटेरियल के लिए। स्टेनलेस स्टील हुक तय किया जाना है। स्टेनलेस स्टील हुक तय किया जाना है। |
| 7                | दारी                                | कमरे के आकार के अनुसार                                                                                                                                                           |
| 8                | रंग                                 | दिशानिर्देशों के अनुसार आंतरिक और बाहरी दीवार रंग और पेंटिंग।                                                                                                                    |
| 9                | जूता रैक                            | 4'x8 "x2'6" (LxWxH), बीडब्ल्यूआर प्लाईवुड (12 मिमी) 1 मिमी बहुरंगा अभ्रक चिपकाने के साथ।                                                                                         |
| 10               | स्टार्स और निपुण ओडिशा की ब्रांडिंग | सूर्य बोर्ड 12 "x30" स्टार्स के लिए और 24 "दीया निपुण ओडिशा के लिए।                                                                                                              |



ये सुविधाएं एक अनुकूल सीखने का माहौल बनाने के लिए आवश्यक हैं जो छात्रों के बीच सक्रिय भागीदारी, रचनात्मकता और समग्र विकास को प्रोत्साहित करती हैं।

### मूलभूत शिक्षा के लिए शैक्षणिक संसाधन

प्रारंभिक सीखने के परिणामों को मजबूत करने के लिए, कक्षा I, II और III में छात्रों के लिए कक्षाओं को FLN-अनुरूप रिक्त स्थान के रूप में विकसित किया गया है, जो एक आकर्षक और संसाधन-समृद्ध सीखने के माहौल को सुनिश्चित करता है। ऐसे कक्षाओं की संख्या छात्र नामांकन और छात्र-शिक्षक अनुपात के आधार पर निर्धारित की गई है, जिसमें अतिरिक्त कक्षाओं के प्रावधान हैं जहां छात्र की ताकत ३५ से अधिक है। एक अनुकूल शिक्षण वातावरण बनाने के लिए संरचनात्मक सुधार, छत की ग्रेडिंग और मरम्मत सहित मामूली मरम्मत की गई है। आंतरिक दीवारों को सफेद डिस्टेंपर के साथ समाप्त किया गया है, जबकि बाहरी दीवारों में मौसम कोट पेंट होता है।

प्रत्येक कक्षा मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता का समर्थन करने के लिए शैक्षणिक संसाधनों से लैस है। साक्षरता कोने में पढ़ने की आदतों और भाषा विकास को बढ़ावा देने के लिए बड़ी किताबें, कहानी कार्ड, पोस्टर और स्टोरीबुक शामिल हैं। इसी तरह, अंक कोने में एनसीईआरटी किट, जीकेए किट और शिक्षक-तैयार सामग्री शामिल हैं, जो इंटरैक्टिव सीखने के माध्यम से गणितीय अवधारणाओं को सुदृढ़ करने के लिए हैं। छात्र-निर्मित शैक्षिक उपकरण सगाई और समझ को और बढ़ाते हैं।

कक्षाओं को गोलाकार डेस्क के साथ सुसज्जित किया गया है, जो रंगीन अभ्रक खत्म के साथ बच्चे के अनुकूल प्लाईवुड का उपयोग करके समूह गतिविधियों के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये चिकनी किनारों और मजबूत निर्माण के माध्यम से सुरक्षा बनाए रखते हुए सहयोगी सीखने को सुनिश्चित करते हैं। इसके अतिरिक्त, मौजूदा अलमीरा और अलमारियां FLN सामग्री को स्टोर करने के लिए बहुरंगी अभ्रक के साथ नवीनीकृत किया गया है। सॉफ्ट बोर्ड और ग्रीन चॉकबोर्ड सक्रिय सीखने की सुविधा प्रदान करते हैं, जबकि ओडिया और छात्रों की मातृभाषा में कक्षा की वस्तुओं को लेबल किया जाता है, भाषा सुदृढीकरण को बढ़ावा देते हैं।

बुनियादी सुविधाओं में छात्र सामान के लिए समर्पित स्थान शामिल हैं, जैसे बैग रैक और जूता रैक, कक्षा संगठन का अनुकूलन। एलईडी बल्बों की रणनीतिक स्थापना सीखने की जगह में अच्छी रोशनी सुनिश्चित करती है। इसके अलावा, स्टार्स और निपुण ओडिशा लोगो जैसे ब्रांडिंग तत्वों को गुणवत्ता मूलभूत शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाने के लिए प्रदर्शित किया गया है। ये हस्तक्षेप सामूहिक रूप से राष्ट्रीय शिक्षा प्राथमिकताओं के साथ संरेखित युवा शिक्षार्थियों के लिए एक समावेशी, आकर्षक और संसाधनपूर्ण सीखने का माहौल बनाते हैं।

### प्रमुख शिक्षण संसाधन:

#### 1. साक्षरता कोने:

- भाषा सामग्री - बड़ी किताबें, कहानी कार्ड, और पोस्टर
- पुस्तकें - कहानी की किताबें और कार्यपुस्तिकाओं
- चित्र और कविता पोस्टर - दृश्य सीखने एड्स
- कहानी कार्ड और कहानी पुस्तकें - समझ और महत्वपूर्ण सोच को बढ़ावा देना
- सहायक शिक्षण उपकरण - शैक्षिक खिलौने और जोड़तोड़





## 2. संख्यात्मक कोने:

- जीकेए किट - सरकार द्वारा अनुमोदित मूलभूत संख्यात्मक उपकरण
- गणित संसाधन - एनसीईआरटी किट, शिक्षक मैनुअल, और कार्यपुस्तिकाओं
- हस्तनिर्मित सीखने की सामग्री - इंटरैक्टिव गणित सीखने के लिए बच्चों और शिक्षकों द्वारा बनाई गई

## 3. कक्षा बुनियादी ढांचा और सीखने एड्स

- बच्चे के अनुकूल फर्नीचर: रंगीन अभ्रक खत्म के साथ बच्चे के अनुकूल प्लाईवुड से बने समूह गतिविधियों के लिए डिज़ाइन किए गए परिपत्र डेस्क, चिकनी किनारों और मजबूत निर्माण के साथ सहयोगी सीखने और सुरक्षा सुनिश्चित करना।
- भंडारण और संगठन: मौजूदा अलमीरा और अलमारियों को एफएलएन सामग्री के भंडारण के लिए बहुरंगी अभ्रक के साथ नवीनीकृत किया गया है। इसके अतिरिक्त, बैग रैक और जूता रैक कक्षा संगठन का अनुकूलन करते हैं।
- प्रदर्शन और सीखने बोर्ड: सॉफ्ट बोर्ड और ग्रीन चॉकबोर्ड सक्रिय सीखने की सुविधा प्रदान करते हैं, जबकि ओडिया और छात्रों की मातृभाषा में कक्षा की वस्तुओं को लेबल किया जाता है, भाषा सुदृढीकरण को बढ़ावा देते हैं।
- प्रकाश और माहौल: एलईडी बल्बों की रणनीतिक स्थापना अच्छी तरह से जलाया सीखने की जगह सुनिश्चित करती है, दृश्यता और फोकस को बढ़ाती है।
- विजुअल ब्रांडिंग: गुणवत्ता मूलभूत शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाने के लिए स्टार्स और एनआईपीयूएन ओडिशा लोगो को प्रदर्शित किया गया है।
- ये हस्तक्षेप सामूहिक रूप से राष्ट्रीय शिक्षा प्राथमिकताओं के साथ संरेखित युवा शिक्षार्थियों के लिए एक समावेशी, आकर्षक और संसाधनपूर्ण सीखने का माहौल बनाते हैं।

## कार्यान्वयन प्रगति

एफएलएन-अनुरूप स्कूल पहल एनईपी २०२० के साथ गठबंधन की गई है और इसका उद्देश्य व्यापक सीखने के परिणामों को बढ़ाना है, छात्रों को आजीवन सीखने के लिए आवश्यक मूलभूत कौशल से लैस करना है।

२०२३-२४ से पहले से मौजूद दिशानिर्देशों को अद्यतन इकाई लागत के साथ संशोधित किया गया है, जैसा कि २०२४-२५ के लिए पीएबी द्वारा अनुमोदित किया गया है। इन अद्यतनों को प्रारंभिक कार्य के लिए जिलों के साथ साझा किया गया है। जिला स्तरीय वित्तीय आवंटन रु. २३ अक्टूबर, २०२४ को १,४४३ स्कूलों के लिए २५१७.७० लाख रुपये की राशि दी गई थी, जो स्टार्स के गैर-आवर्ती (एनआर) प्रमुख के तहत पहली किस्त प्राप्त होने के बाद थी। फिलहाल जिला स्तर पर काम चल रहा है। शेष स्कूलों को बाद के चरणों में कवर किया जाएगा क्योंकि स्टार्स के एनआर हेड के तहत अतिरिक्त किस्तों प्राप्त होती हैं।



| सी. नं. | जिले का नाम | कुल लक्ष्य |
|---------|-------------|------------|
| 1       | अंगुल       | 438        |
| 2       | बालासोर     | 1092       |
| 3       | बरगड        | 404        |
| 4       | भद्रक       | 665        |
| 5       | बोलांगिर    | 38         |
| 6       | बौध         | 184        |
| 7       | कटक         | 712        |
| 8       | देवगढ़      | 124        |
| 9       | ढेनकनाल     | 49         |
| 10      | गजपति       | 31         |
| 11      | गंजम        | 1170       |
| 12      | जगतसिंहपुर  | 314        |
| 13      | जाजपुर      | 777        |
| 14      | झारसुगुडा   | 128        |
| 15      | कालाहांडी   | 43         |
| 16      | कंधमाल      | 23         |
| 17      | केंद्रपाड़ा | 627        |
| 18      | क्योंझर     | 846        |
| 19      | खोर्धा      | 444        |
| 20      | कोरापुट     | 56         |
| 21      | मलकानगिरी   | 32         |
| 22      | मयूरभंज     | 1341       |
| 23      | नबरंगपुर    | 48         |
| 24      | नयागढ़      | 295        |
| 25      | नुआपाड़ा    | 40         |
| 26      | पूरी        | 591        |
| 27      | रायगढ़      | 21         |
| 28      | संबलपुर     | 292        |
| 29      | सोनपुर      | 193        |
| 30      | सुंदरगढ़    | 480        |
| कुल     |             | 11498      |



## कार्यकलाप १.७: सभी प्राथमिक शिक्षकों और हेडमास्टर के लिए ३ दिन का एफएलएन प्रशिक्षण

निपुण भारत मिशन के तहत मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) को मजबूत करने के लिए ओडिशा की प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) ने शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ के दौरान सभी प्राथमिक ग्रेड शिक्षकों और हेडमास्टर के लिए एक संरचित तीन दिवसीय क्षमता-निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० के साथ संरेखित है, जो एफएलएन को ग्रेड III के अंत तक सभी बच्चों द्वारा प्राप्त किए जाने वाले एक महत्वपूर्ण सीखने के मील के पथर के रूप में पहचानती है।

प्रशिक्षण विशेष रूप से क्यूरेट — प्रयोग मॉड्यूल के माध्यम से दिया गया था, जिसे शिक्षक शिक्षा और राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (TE & SCERT) द्वारा विकसित किया गया था। प्रयोग अनुभवात्मक शिक्षा, अवधारणा स्पष्टता और योग्यता-आधारित शिक्षाशास्त्र पर जोर देता है, और प्रारंभिक ग्रेड कक्षाओं में एफएलएन प्रथाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए शिक्षकों को आवश्यक ज्ञान, कौशल और रणनीतियों से लैस करना है।

मॉड्यूल युवा शिक्षार्थियों के बीच साक्षरता और संख्यात्मक दक्षताओं को बढ़ाने के लिए अभिनव शैक्षणिक दृष्टिकोण और इंटरैक्टिव शिक्षण पद्धतियों को एकीकृत करता है। शिक्षकों और स्कूल के नेताओं दोनों को लक्षित करके, कार्यक्रम ओडिशा में प्राथमिक स्कूलों में मूलभूत सीखने के परिणामों में सुधार के लिए एक व्यापक और टिकाऊ दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है।

### प्रशिक्षण का उद्देश्य:

- बाल-केंद्रित, खेल-आधारित और गतिविधि-आधारित सीखने के अनुभवों को वितरित करने के लिए शिक्षकों की क्षमता को मजबूत करना।
- उन्नत भाषा और संख्यात्मक कौशल के लिए एकीकृत बहु-संवेदी शिक्षण तकनीक।
- कक्षा के वातावरण का विकास करना जो शिक्षण-शिक्षण सामग्री (टीएलएम) और इंटरैक्टिव संसाधनों के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देता है।
- योग्यता-आधारित सीखने के संकेतकों का उपयोग करके छात्रों की प्रगति का आकलन और ट्रैक करने के लिए शिक्षकों को सक्षम करें।
- राष्ट्रीय और राज्य दिशानिर्देशों के तहत एफएलएन सर्वोत्तम प्रथाओं के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करें। प्रभावी वितरण सुनिश्चित करने के लिए, प्रशिक्षण चरणबद्ध तरीके से आयोजित किया गया था, जो एक कैस्केड दृष्टिकोण का पालन करता है:
- **जिला संसाधन समूह (डीआरजी) प्रशिक्षण:** यह राज्य स्तर पर मास्टर प्रशिक्षकों के एक चुनिंदा समूह के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें डाइट संकाय और क्लस्टर संसाधन केंद्र समन्वयक (सीआरसीसी) शामिल थे। इन प्रशिक्षित डीआरजी को जिला स्तर पर प्रशिक्षण शुरू करने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था।
- **शिक्षकों और एचएमएस के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण:** कैस्केड मॉडल के आधार पर, प्रशिक्षित डीआरजी ने सभी जिलों में प्राथमिक विद्यालय शिक्षकों और हेडमास्टर (एचएमएस) के लिए सत्र आयोजित किए। एफएलएन रणनीतियों के साथ हाथ से जुड़ाव सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर शारीरिक मोड में प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।

प्रारंभ में, पीएबी २०२४-२५ के तहत प्रशिक्षण के लिए ४३,२७० शिक्षकों और एचएमएस को मंजूरी दी गई थी। आउटरीच का विस्तार करने के प्रशासनिक निर्णय के आधार पर, प्रशिक्षण कवरेज को अनुमोदित बजट के भीतर ३० जिलों में ९१,४२४ प्राथमिक शिक्षकों और एचएमएस तक बढ़ा दिया गया था। वर्ष २०२४-२५ में ८७,६८४ शिक्षकों और एचएमएस को प्रशिक्षण दिया गया है।



प्रयोग प्रशिक्षण ने शिक्षकों को मूलभूत शिक्षण को आकर्षक, इंटरैक्टिव और छात्र-अनुकूल बनाने के लिए अभिनव शिक्षण तकनीकों से लैस किया है। प्रशिक्षित शिक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने दैनिक कक्षा की गतिविधियों में एफएलएन सर्वोत्तम प्रथाओं को एकीकृत करें, जिससे बेहतर सीखने के परिणाम सुनिश्चित हों। शिक्षकों को निरंतर सहायता प्रदान करने के लिए डाइट, सीआरसीसी और बीआरसी के माध्यम से निरंतर शैक्षणिक निगरानी और सलाह दी जाएगी। प्रायोग जैसी क्षमता निर्माण पहलों के माध्यम से शिक्षकों को सशक्त बनाने के द्वारा, ओडिशा प्रारंभिक शिक्षार्थियों के लिए एक मजबूत नींव बनाने में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है, जिससे निरंतर शैक्षणिक सफलता और आजीवन सीखने का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

#### प्राथमिक शिक्षकों और एचएमएस प्रशिक्षण पर प्रगति का जिला सार

| क्रम संख्या | जिला     | 2024-25 के दौरान प्राथमिक शिक्षकों और एचएमएस को प्रशिक्षण दिया जाएगा | 2024-25 में प्रशिक्षण प्रदान किए गए शिक्षकों की संख्या |
|-------------|----------|----------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------|
| 1           | अंगुल    | 3046                                                                 | 2865                                                   |
| 2           | बालासोर  | 4301                                                                 | 4233                                                   |
| 3           | बरगड     | 2758                                                                 | 2758                                                   |
| 4           | भद्रक    | 2397                                                                 | 2063                                                   |
| 5           | बोलांगिर | 2081                                                                 | 2081                                                   |
| 6           | बौध      | 3139                                                                 | 3139                                                   |
| 7           | कटक      | 5623                                                                 | 5538                                                   |
| 8           | देवगढ़   | 1439                                                                 | 1128                                                   |





|            |             |              |              |
|------------|-------------|--------------|--------------|
| 9          | ढैनकनाल     | 3454         | 3454         |
| 10         | गजपति       | 2214         | 2214         |
| 11         | गंजम        | 5623         | 5538         |
| 12         | जगतसिंहपुर  | 3233         | 3233         |
| 13         | जाजपुर      | 3046         | 2865         |
| 14         | झारसुगुडा   | 2335         | 2036         |
| 15         | कालाहांडी   | 2288         | 2200         |
| 16         | कंधमाल      | 3117         | 3117         |
| 17         | केंद्रपाड़ा | 1931         | 1931         |
| 18         | क्योंझर     | 3978         | 3932         |
| 19         | खोरधा       | 3165         | 3072         |
| 20         | कोरापुट     | 1105         | 1013         |
| 21         | मल्कानगिरी  | 3952         | 3898         |
| 22         | मयूरभंज     | 2758         | 2758         |
| 23         | नवरंगपुर    | 1729         | 1450         |
| 24         | नयागढ़      | 1214         | 1214         |
| 25         | नुआपाड़ा    | 3929         | 3900         |
| 26         | पूरी        | 2350         | 2400         |
| 27         | रायगढ़      | 3963         | 3129         |
| 28         | संबलपुर     | 2081         | 2081         |
| 29         | सोनपुर      | 2926         | 2250         |
| 30         | सुंदरगढ़    | 6249         | 6194         |
| <b>कुल</b> |             | <b>91424</b> | <b>87684</b> |

## एसआईजी २: बेहतर शिक्षण मूल्यांकन प्रणाली

### कार्यकलाप २.१ & २.२: स्कूलों में बालिका दिवस समारोह

२०२४-२५ के दौरान, राज्य ने अपने अधिकारों के बारे में लड़कियों के बीच जागरूकता बढ़ाने और उनके समग्र विकास के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करने के लिए विभिन्न पाठ्यक्रम और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों के लिए सभी जिलों में विस्तृत दिशानिर्देश विकसित और प्रसारित किए। इन समारोहों का उद्देश्य शिक्षा और बालिकाओं के समग्र विकास को प्रोत्साहित करना है।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस (११ अक्टूबर २०२४) और राष्ट्रीय बालिका दिवस (२४ जनवरी २०२५) पूरे ओडिशा में स्कूल, ब्लॉक और जिला स्तरों पर मनाया गया। ब्लॉक और जिला दोनों स्तरों पर १८२ टाइप- III और १४७ टाइप- IV के जीबीवी सहित ३० जिलों के सभी ३१६ ब्लॉकों के सभी स्कूलों के लिए अवलोकन आयोजित किए गए थे। समग्र विकास और शैक्षिक प्राप्ति को प्रोत्साहित करते हुए लड़कियों के अधिकारों, लैंगिक समानता, सुरक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने पर केंद्रित गतिविधियां।

### उद्देश्यों

- लड़कियों के अधिकारों और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता पैदा करना।
- सुरक्षा और आत्मरक्षा पर महत्वपूर्ण ज्ञान के साथ लड़कियों को लैस करना।
- ऐसी गतिविधियों को बढ़ावा देना जो व्यक्ति के लिए समानता और सम्मान को प्रोत्साहित करती हैं।
- सभी लड़कियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए पहल का समर्थन करना।
- लड़कियों की शिक्षा के लिए बाधाओं को संबोधित करना, जिसमें लिंग भेदभाव, सांस्कृतिक सीमाएं और आर्थिक कठिनाइयां शामिल हैं।
- एक सहायक सीखने के माहौल का निर्माण करने के लिए हितधारकों के साथ काम करना जो लड़कियों को अकादमिक रूप से उत्कृष्टता प्राप्त करने और व्यक्तिगत रूप से बढ़ने में मदद करता है।
- ऐसे कार्यक्रमों की पेशकश करना जो लड़कियों को शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से नेतृत्व, महत्वपूर्ण सोच और आत्मविश्वास बनाने में मदद करते हैं।
- दूसरों को प्रेरित करने और उनकी सफलता के लिए सामाजिक बाधाओं को चुनौती देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में लड़कियों की उपलब्धियों को पहचानना और मनाना।







ପାଶ୍ଚିମ ଓଡ଼ିଶା ବାର୍ତ୍ତା  
REGD NO-OD-04-0000709  
THE PASHCHIM ODISHA BARTA

## ଆନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ବାଳିକା ଦିବସ ପାଳିତ

ପଦ୍ମପୁର, ୨୧/୧୦ (ପଶ୍ଚିମ ଓଡ଼ିଶା ବାର୍ତ୍ତା): ସରକାରୀ ବାଳିକା ଉଚ୍ଚ ବିଦ୍ୟାଳୟ ପଦ୍ମପୁରରେ ଲୁକ ସ୍ତରୀୟ ଆନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ବାଳିକା ଦିବସ ପାଳିତ ହୋଇଯାଇଛି । ରାଜବୋତାସମ୍ବର ଲୁକର ଗୋଷ୍ଠୀ ଶିକ୍ଷା ଅଧିକାରୀ ଶ୍ରୀଯୁକ୍ତ ଲୋକନାଥ ଭୋଇ ଏହି ସଭାରେ ସଭାପତିତ୍ବ କରିଥିବା ବେଳେ ଅତିରିକ୍ତ ଗୋଷ୍ଠୀ ଶିକ୍ଷାଧିକାରୀ ଶିବ କୁମାର ଯୋଗୀ ଓ ରାମ ସିଂ ଭୋଇ ଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗଦାନ କରିଥିଲେ । ଉକ୍ତ ଅବସରରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ବିଭିନ୍ନ



ପ୍ରତିଯୋଗିତା ପାଇଁ ବିଚାରକ ଭାବେ ଶିକ୍ଷକ ବୃନ୍ଦାବନ ଦାସ, ଅବସର ପ୍ରାପ୍ତ ବିଜ୍ଞାନ ଶିକ୍ଷକ ଜିବନାନନ୍ଦ ସାହୁ, ଶିକ୍ଷକ ଗୋବିନ୍ଦ ସାହୁ, ସି ଆର ସି ସି ନେତ୍ରାନନ୍ଦ ସାହୁ ଓ ସଞ୍ଜୀବ ବାରିକ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ ।

ବିଦ୍ୟାଳୟର ବିଜ୍ଞାନ ଶିକ୍ଷକ ମାନସ ରଞ୍ଜନ ଶତପଥୀ ସଭା ପରିଚାଳନା କରିଥିଲେ । କୃତି ପ୍ରତିଯୋଗୀ ମାନେ ଆସନ୍ତା ୨୩/୧୦/୨୦୨୪ ତାରିଖରେ ଜିଲ୍ଲା ସ୍ତରରେ ଅଂଶଗ୍ରହଣ କରିବେ ।



## प्रमुख गतिविधियां

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर सह-पाठ्यक्रम प्रतियोगिताएं अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर, स्कूलों ने बाल विवाह, बालिका शिक्षा, कैरियर मार्गदर्शन, व्यावसायिक प्रशिक्षण और जीवन कौशल जैसे विषयों पर रैलियों, बहस, पथ प्रकृति, और ड्राइंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों ने छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने और लड़कियों के सशक्तिकरण का जश्न मनाने के लिए एक मंच प्रदान करते हुए रचनात्मकता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और शारीरिक गतिविधि को प्रोत्साहित किया।

## राष्ट्रीय बालिका दिवस पर जागरूकता

पोक्सो अधिनियम, किशोर स्वास्थ्य और बाल विवाह जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर छात्रों (विशेष रूप से किशोर लड़कियों) और माता-पिता (विशेष रूप से माताओं) के लिए एक बड़े पैमाने पर कार्यशाला का आयोजन किया गया था। सत्रों में प्रतिभागियों को बाल संरक्षण के लिए कानूनी प्रावधानों, किशोरावस्था के दौरान स्वास्थ्य और कल्याण के महत्व और बाल विवाह के हानिकारक प्रभावों को समझने में मदद करने के लिए इंटरैक्टिव चर्चा और प्रस्तुतियां शामिल थीं। कार्यशाला का उद्देश्य समुदाय को ज्ञान के साथ सशक्त बनाना, जागरूकता को बढ़ावा देना और हानिकारक प्रथाओं को अस्वीकार करने को प्रोत्साहित करना है, जिससे बच्चों और किशोरों के लिए सुरक्षा और समर्थन की संस्कृति का निर्माण किया जा सके।









### कार्यकलाप २.८: कक्षा VI-IX छात्रों के लिए का मूल्यांकन (बेसलाइन और एंडलाइन)

शिक्षण संवर्धन कार्यक्रम - उत्कर्ष कक्षा ९ के छात्रों के लिए २०० घंटे का लक्षित शिक्षण कार्यक्रम है, जिसे मुख्य विषयों - ओडिया, अंग्रेजी, गणित और विज्ञान में सीखने के अंतराल को पाटने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कक्षा ९ के पाठ्यक्रम के अनुरूप मूलभूत और पूर्व-शर्त दक्षताओं पर केंद्रित है और नियमित शिक्षण के पूरक के रूप में समर्पित अवधि के माध्यम से वितरित किया जाता है।

२०२४-२५ में, उत्कर्ष को ५,२६१ एस एंड एमई और एसएसडी हाई स्कूलों में लागू किया गया था, जो २ से ६ अगस्त २०२४ तक डीआरजी-स्तरीय प्रशिक्षण के साथ शुरू हुआ था। शिक्षा फाउंडेशन चरण (४ जुलाई - ३१ अगस्त २०२४) के साथ शुरू हुई, इसके बाद समर्थित शिक्षण चरण (१ सितंबर २०२४ - ३१ जनवरी २०२५), जिसके दौरान शिक्षकों ने ओडिया, विज्ञान, गणित और अंग्रेजी में छात्रों के मूलभूत कौशल को मजबूत करने के लिए लक्षित अनुदेशात्मक सहायता प्रदान की।

कार्यक्रम के परिणाम को मापने के लिए, २० और २१ अगस्त २०२४ को चार विषयों में ३.६५ लाख छात्रों के साथ वार्षिक जनगणना-आधारित आधारभूत मूल्यांकन किया गया था, और उसी समूह के साथ एक अंतिम मूल्यांकन १७ और १८ फरवरी २०२५ को हुआ था। उत्कर्ष के परिणाम विश्लेषण के आधार पर, गणित में, छात्रों ने कक्षा ९ और कम से कम कक्षा ८ के स्तर पर उच्चतम सुधार दिखाया। इसके अतिरिक्त, १२% छात्रों ने स्थापना के न्यूनतम स्तर से प्रगति की है, जो सभी विषयों के बीच अधिकतम प्रगति भी है।



### कार्यकलाप २.९: राज्य स्तर पर मूल्यांकन (माध्यमिक)

राज्य के सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में मार्च २०२५ में प्राथमिक ग्रेड के छात्रों (कक्षा I से V तक के २४७६८२३ छात्र और कक्षा VI से VIII तक के १७४८४८९ छात्र) के लिए सारांश मूल्यांकन- II आयोजित किया गया था। मूल्यांकन का उद्देश्य शैक्षणिक वर्ष के दौरान प्राप्त सीखने के परिणामों का मूल्यांकन करना है।

## एसआईजी ३: बेहतर शिक्षक प्रदर्शन और कक्षा अभ्यास

**कार्यकलाप ३.२ को ३.५: एससीईआरटी और डाइट द्वारा समग्र स्कूल विकास पर प्रमुख शिक्षकों / शिक्षक शिक्षकों का व्यावसायिक विकास**

२० अगस्त २०२४ को एक राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें शिक्षा विशेषज्ञों को एनईपी २०२० और वर्तमान शैक्षणिक प्राथमिकताओं के साथ संरेखित प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने के लिए शामिल किया गया। कार्यशाला के बाद, प्रशिक्षण मॉड्यूल की समीक्षा की गई और कार्यान्वयन के लिए अंतिम रूप दिया गया।

इसे सुविधाजनक बनाने के लिए, संबंधित आहारों को धन प्रदान किया गया है। प्रधान शिक्षकों के वृत्तिक विकास के लिए एससीईआरटी द्वारा समग्र स्कूल विकास पर एक समर्पित मॉड्यूल विकसित और समीक्षा की गई।

संस्थागत क्षमता को मज़बूत करने के लिए राज्य संसाधन समूहों (एसआरजी) के प्रशिक्षण के बाद, डाइट संकाय और जिला संसाधन समूह (डीआरजी) के सदस्यों को दो चरणों में प्रशिक्षित किया गया। ३० डाइट में लगभग १८,००० प्रधानाध्यापकों और सहायक ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों (एबीईओ) को प्रशिक्षित किया गया, जिससे मज़बूत नेतृत्व और स्कूल विकास पहलों का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित हुआ।



**कार्यकलाप ३.६ & ३.९: उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को मजबूत करना (राज्य सरकार द्वारा उन्नत) - (१६ नए उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के लिए भवन)**

- राज्य द्वारा उन्नत १६ नए उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के लिए भवन के निर्माण के लिए ३६८१.५३ लाख रुपये की राशि जारी की गई है, और कार्यान्वयन शुरू हो गया है।



| क्रम संख्या<br>संख्या | जिला       | HSS का नाम                                                                                        | UDISE कोड   | स्ट्रीम               | अनुमोदित बजट<br>(रुलाख) |
|-----------------------|------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------|-----------------------|-------------------------|
| 1                     | खोरधा      | भीम भोई सरकारी दृष्टिबाधित लोगों के लिए<br>वोकेशनल हायर सेकेंडरी स्कूल, भुवनेश्वर                 | 21171302703 | कला                   | 186.53                  |
| 2                     | खोरधा      | बिपिन बिहारी चौधरी सरकारी श्रवण बाधित<br>के लिए व्यावसायिक उच्चतर माध्यमिक<br>विद्यालय, भुवनेश्वर | 21171302701 | विज्ञान               | 262.00                  |
| 3                     | मलकानगिरी  | सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,<br>दरलेबेड़ा, चित्रकौंडा                                         | 21300402901 | कला                   | 186.53                  |
| 4                     | कंधमाल     | सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,<br>लिंगगाडा, जी.उदयगिरी                                          | 21210403601 | कला                   | 186.53                  |
| 5                     | बालासोर    | केंद्र सरकार उच्च माध्यमिक विद्यालय,<br>दुबलीगाड़ी, सदर                                           | 21081000303 | कला                   | 186.53                  |
| 6                     | बारगढ़     | सरकारी यूजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,<br>जलपाल, बिजेपुर                                           | 21010703901 | कला                   | 186.53                  |
| 7                     | गजपति      | सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गुमा                                                             | 21200207205 | कला                   | 186.53                  |
| 8                     | कालाहांडी  | नील माधबा सरकारी उच्चतर माध्यमिक<br>विद्यालय, कोकसारा                                             | 21260513002 | विज्ञान               | 262.00                  |
| 9                     | नबरंगपुर   | वीर चुनारिया हायर सेकेंडरी स्कूल<br>कटगांव, कोसागुमुडा                                            | 21280406505 | कला और<br>विज्ञान     | 432.00                  |
| 10                    | नुआपाड़ा   | जन शक्ति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,<br>बोडेन                                                       | 21250105402 | कला                   | 186.53                  |
| 11                    | रायगढ़     | यूजीयूपी उच्चतर माध्यमिक<br>स्कूल, हुनमनथपुर, चंद्रपुर                                            | 21270214902 | कला                   | 186.53                  |
| 12                    | रायगढ़     | सरकारी नोडल उच्चतर माध्यमिक<br>विद्यालय, मुनीगुडा                                                 | 21270821004 | विज्ञान               | 262.00                  |
| 13                    | सुंदरगढ़   | सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,<br>हेमगिरी                                                       | 21050604508 | विज्ञान और<br>वाणिज्य | 411.70                  |
| 14                    | जगतसिंहपुर | हाजी शेख समीरुद्दीन सरकारी उच्चतर<br>माध्यमिक विद्यालय, कृष्णानंदपुर,<br>तिरतोल                   | 21110816603 | कला                   | 186.53                  |
| 15                    | क्योंझर    | चौथिया बरुना हायर सेकेंडरी स्कूल,<br>चौथिया, झुमपुरा                                              | 21060804901 | कला                   | 186.53                  |
| 16                    | नुआपाड़ा   | सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,<br>दुआझार, खरीयार                                                | 21250204801 | कला                   | 186.53                  |
| कुल स्वीकृत बजट       |            |                                                                                                   |             |                       | 3681.53                 |





### कार्यकलाप ३.१०: इन-सर्विस शिक्षक प्रशिक्षण- उच्चतर माध्यमिक (सीएचएसई)- (आवासीय प्रशिक्षण)

शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में उच्च माध्यमिक स्तर पर शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए, उनके विषय ज्ञान और शैक्षणिक कौशल को बढ़ाने के लिए एक संरचित प्रशिक्षण पहल की गई थी। प्राथमिक उद्देश्य उभरते नवाचारों और शिक्षण तकनीकों की शिक्षकों की समझ को ताज़ा करना और अद्यतन करना था, जिससे कक्षा के प्रदर्शन में सुधार हुआ और छात्रों के समग्र विकास में योगदान दिया गया। इसे प्राप्त करने के लिए, ओडिशा के चार क्षेत्रों - भुवनेश्वर, बेरहामपुर, संबलपुर और बारीपदा में १,६०० शिक्षकों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम - विज्ञान, कला और वाणिज्य धाराओं से १४ विषयों पर आयोजित किया गया था।

इनमें भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, वनस्पति विज्ञान, जूलॉजी, वाणिज्य, इतिहास, राजनीति विज्ञान, शिक्षा, तर्क, अर्थशास्त्र, ओडिया, अंग्रेजी और संस्कृत थे।

प्रशिक्षण १८ से २२ नवंबर २०२४ तक विभिन्न संस्थान में आयोजित गणित में पांच दिवसीय कार्यक्रम के साथ शुरू हुआ, जिसमें राज्य भर के ५० शिक्षकों और सीएचएसई और इंस्टिट्यूट ऑफ मैथमेटिक्स के अधिकारियों ने भाग लिया। इसके बाद एनआईटी राउरकेला, आईएमए भुवनेश्वर, सेंचुरियन विश्वविद्यालय, शोआ विश्वविद्यालय, सिपेट बालासोर गवर्नमेंट साइंस कॉलेज छत्रपुर, एफएम कॉलेज बालासोर, संबलपुर विश्वविद्यालय, एमआईसीएम भुवनेश्वर, विकास बरगढ़, और के.के.एस महिला कॉलेज बालासोर जैसे ११ प्रमुख संस्थानों में विभिन्न विषयों के लिए प्रशिक्षण सत्र शुरू किए गए।

प्रशिक्षण ३२ चरणों में आयोजित किया गया था, प्रत्येक में ५० शिक्षक शामिल थे। पंजीकरण को CHSE वेबसाइट पर उपलब्ध गूगल फॉर्म के माध्यम से सुविधाजनक बनाया गया था, और प्रतिभागियों को स्थान, शामिल होने की तारीख और पदनाम जैसे मानदंडों के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया गया था। प्रशिक्षण आवासीय था, और सभी प्रतिभागियों को आवास, भोजन और यात्रा भत्ते प्रदान किए गए थे। यह कार्यक्रम लगभग तीन महीने की अवधि में जारी रहा, जो ५ से ९ फरवरी २०२५ तक सेंचुरियन विश्वविद्यालय, पैरालाखेमुंडी में जूलॉजी में अंतिम सत्र के साथ समाप्त हुआ। यह प्रशिक्षण ओडिशा भर के लक्षित १,६०० शिक्षकों तक सफलतापूर्वक पहुंचा।





### कार्यकलाप ३.११ & ३.१३: नव नियुक्त शिक्षकों को प्रेरण प्रशिक्षण (प्राथमिक) - (गैर-आवासीय प्रशिक्षण)

नव नियुक्त प्राथमिक शिक्षकों को आवश्यक शैक्षणिक दक्षताओं, नीति जागरूकता और मूलभूत अभिविन्यास से लैस करने के लिए, ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) ने स्कूल और गण शिक्षा विभाग, ओडिशा सरकार के तहत नव नियुक्त प्राथमिक शिक्षकों के लिए एक राज्य स्तरीय प्रेरण कार्यक्रम आयोजित किया। ५ अक्टूबर २०२४ को भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में १६,००९ नव नियुक्त प्राथमिक शिक्षकों की भागीदारी देखी गई। इस बड़े पैमाने पर अभिविन्यास ने राज्य के पेशेवर रूप से सक्षम, नैतिक रूप से आधारित और शैक्षणिक रूप से ध्वनि शिक्षण कार्यबल बनाने के लिए राज्य के चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पथर चिह्नित किया, जो गुणवत्ता प्राथमिक शिक्षा देने में सक्षम है।







इस पहल के हिस्से के रूप में, ओसेपा ने विशेष रूप से डिजाइन किए गए प्रेरण प्रशिक्षण को लागू किया— प्रेरणा मॉड्यूल, शिक्षक शिक्षा और एससीईआरटी, ओडिशा द्वारा विकसित किया गया। इस मॉड्यूल में सात प्रमुख विषयगत क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया: ओडिशा स्कूल शिक्षा प्रणाली को समझना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० के निहितार्थ, मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक (एफएलएन), सामाजिक-भावनात्मक और नैतिक शिक्षा (एसईएल), समावेशी शिक्षा और इक्विटी, मूल्यांकन सुधार, और डिजिटल साक्षरता और आईसीटी एकीकरण। इन क्षेत्रों को रणनीतिक रूप से नए शिक्षकों के लिए एक मजबूत पेशेवर नींव बनाने और शिक्षा में राज्य और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं दोनों के साथ अपने अभिविन्यास को संरेखित करने के लिए चुना गया था।

प्रशिक्षण ने एक इंटरैक्टिव और भागीदारी दृष्टिकोण अपनाया, जिसमें समूह गतिविधियों, परिदृश्य-आधारित सीखने और क्षेत्र के उदाहरणों को शामिल किया गया ताकि सगाई और प्रासंगिक प्रासंगिकता को बढ़ाया जा सके। सत्रों को एससीईआरटी, डाइट और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के अनुभवी संसाधन व्यक्तियों द्वारा सुविधाजनक बनाया गया, जिससे स्थानीय अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक प्रयोज्यता सुनिश्चित हुई। प्रेरण प्रक्रिया का समर्थन करने के लिए, टीई और एससीईआरटी ने एक व्यापक शिक्षक पुस्तिका कवर विकसित की शिक्षाशास्त्र, मूल्यांकन और समावेशी शिक्षा। जिला और ब्लॉक स्तर के हितधारकों को १६,००९ से अधिक प्रतियां मुद्रित और वितरित की गईं।

जमीनी स्तर पर प्रभावी प्रशिक्षण वितरण सुनिश्चित करने के लिए, जिला संसाधन समूह (डीआरजी) प्रशिक्षण दो चरणों में आयोजित किए गए थे, १७ से २१ दिसंबर २०२५ तक और १४ से १८ जनवरी २०२४ तक। इन प्रशिक्षणों ने विकेंद्रीकृत क्षमताओं का निर्माण करने और जिलों में सामग्री वितरण को मानकीकृत करने में मदद की। शिक्षकों को ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण दिया गया। इस सुसंरचित प्रेरण कार्यक्रम के माध्यम से, राज्य ने अपने नए प्राथमिक शिक्षकों को परिवर्तनकारी शिक्षक बनने के लिए तैयार करने, ओडिशा भर में बाल-केंद्रित, समावेशी और योग्यता-आधारित सीखने के वातावरण को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।







**कार्यकलाप ३.१४: ३ दिनों का प्रशिक्षण उच्च प्राथमिक शिक्षकों (कक्षा VI से VIII) नेतृत्व पर, २१ वीं सदी के कौशल, सील (सामाजिक भावनात्मक और नैतिक शिक्षा) और मानसिक कल्याण- (गैर-आवासीय प्रशिक्षण)**

शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ के दौरान, उच्च प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए ओडिशा भर में उच्च प्राथमिक शिक्षकों के लिए एक व्यापक तीन दिवसीय सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। छठी से आठवीं कक्षा के शिक्षकों की पेशेवर दक्षताओं को मजबूत करने के उद्देश्य से, कार्यक्रम चार प्रमुख डोमेन पर केंद्रित है: स्कूल पारिस्थितिकी तंत्र में नेतृत्व, २१ वीं सदी कौशल एकीकरण, सामाजिक-भावनात्मक और नैतिक शिक्षा (सील), और शिक्षकों और छात्रों दोनों की मानसिक भलाई।

प्रशिक्षण को शिक्षकों के क्षमता विकास के लिए इस प्रकार डिज़ाइन किया गया था कि वे प्रभावी निर्णय लेने, नेतृत्व की भूमिका निभाने, टीम निर्माण करने और स्कूल प्रणाली में सहभागी शासन को अपनाने में सक्षम बन सकें। २१वीं सदी के कौशल को कक्षा की प्रथाओं में एकीकृत करने पर भी जोर दिया गया, जिसमें महत्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता, सहयोग, संचार, और डिजिटल साक्षरता, भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए छात्रों को तैयार करने के लिए आवश्यक है। सील घटक को समावेशी, सहानुभूतिपूर्ण और भावनात्मक रूप से सुरक्षित कक्षा वातावरण को बढ़ावा देने के लिए पेश किया गया था, शिक्षकों को नैतिक दुविधाओं और भावनात्मक विनियमन के माध्यम से छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए लैस किया गया था। इसके अलावा, मानसिक कल्याण पर एक समर्पित ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें शिक्षकों को तनाव का प्रबंधन करने, सचेतन का अभ्यास करने और मनोवैज्ञानिक रूप से सुरक्षित सीखने के स्थान सुनिश्चित करने के लिए रणनीतियों के साथ प्रदान किया जाता है।

प्रशिक्षण मॉड्यूल की विषयवस्तु और शिक्षण पद्धति एससीईआरटी ओडिशा, डाइट और स्कूल परिवर्तन एवं बाल विकास में संलग्न सहयोगी संगठनों के सहयोग से विकसित की गई थी। मॉड्यूल सहभागी, चिंतनशील और गतिविधि-आधारित दृष्टिकोणों का उपयोग करके वितरित किए गए, जिससे अनुभवात्मक शिक्षण संभव हुआ। १२ महत्वपूर्ण विषयों वाला एक एकीकृत मॉड्यूल विकसित किया गया, जिसमें "शिक्षकों की विकासात्मक मानसिकता", "सील", "शैक्षणिक कैलेंडर और योजनाकार", "यूडीआईएसई+ २०२४-२५ और एसडीजी-४", "नास और ओडिशा राज्य शिक्षण रिपोर्ट", "हाउस सिस्टम", "स्कूल सुरक्षा नीति", "लिंग-आधारित पूर्वाग्रह", "शैक्षणिक नेतृत्व", "समावेशी शिक्षा", "डिजिटल कौशल और साइबर सुरक्षा", और "१० बैगलेस डेज़" जैसे विविध विषय शामिल थे।



यह प्रशिक्षण ब्लॉक संसाधन केंद्रों (बीआरसी) और क्लस्टर संसाधन केंद्रों (सीआरसी) के समर्थन से जिला परियोजना कार्यालयों (डीपीओ) द्वारा विकेंद्रीकृत तरीके से लागू किया गया था, जिससे प्रासंगिक और प्रभावी पहुंच सुनिश्चित हो सके। सभी ३० जिलों का प्रतिनिधित्व करने वाले १५० डीआरजी सदस्यों की भागीदारी के साथ भुवनेश्वर के इमेज में १० से १२ अगस्त २०२४ तक एक राज्य स्तरीय डीआरजी (जिला संसाधन समूह) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके बाद, ८३,१३३ उच्च प्राथमिक शिक्षकों को लक्षित करते हुए ३० सितंबर से जिला और ब्लॉक-स्तरीय प्रशिक्षण शुरू करने के लिए एक औपचारिक निर्देश (ओसेपा पत्र संख्या ८२६१ दिनांक २०२४.०८.२०२४) जारी किया गया था।





अब तक इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत ७८,२५७ शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। यह बड़े पैमाने पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम ओडिशा में उच्च प्राथमिक शिक्षकों के बीच अनुदेशात्मक नेतृत्व, भावनात्मक खुफिया और डिजिटल तैयारी को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

### उच्च प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण पर प्रगति का जिला सार

| क्रम सं. | जिला       | उच्च प्राथमिक शिक्षक होने के लिए 2024-25 के दौरान प्रशिक्षण लक्ष्य | शिक्षकों की संख्या प्रशिक्षण पूरा किया |
|----------|------------|--------------------------------------------------------------------|----------------------------------------|
| 1        | अंगुल      | 2426                                                               | 2189                                   |
| 2        | बालासोर    | 4924                                                               | 4732                                   |
| 3        | बरगड       | 2558                                                               | 2436                                   |
| 4        | भद्रक      | 3484                                                               | 3284                                   |
| 5        | बोलांगिर   | 3535                                                               | 3535                                   |
| 6        | बौध        | 1141                                                               | 1100                                   |
| 7        | कटक        | 3901                                                               | 3549                                   |
| 8        | देवगढ़     | 1165                                                               | 1161                                   |
| 9        | ढेनकनाल    | 2227                                                               | 2105                                   |
| 10       | गजपति      | 1563                                                               | 1563                                   |
| 11       | गंजम       | 6290                                                               | 6077                                   |
| 12       | जगतसिंहपुर | 1821                                                               | 1821                                   |
| 13       | जाजपुर     | 3787                                                               | 3622                                   |
| 14       | झारसुगुडा  | 1062                                                               | 712                                    |
| 15       | कालाहांडी  | 2992                                                               | 2992                                   |



|            |             |              |              |
|------------|-------------|--------------|--------------|
| 16         | कंधमाल      | 2284         | 2284         |
| 17         | केंद्रपाड़ा | 2585         | 2565         |
| 18         | क्योंझर     | 3636         | 3266         |
| 19         | खोरधा       | 2738         | 2652         |
| 20         | कोरापुट     | 2881         | 2881         |
| 21         | मल्कानगिरी  | 1574         | 1532         |
| 22         | मयूरभंज     | 5929         | 5269         |
| 23         | नवरंगपुर    | 2927         | 2598         |
| 24         | नयागढ़      | 2184         | 1768         |
| 25         | नुआपाड़ा    | 1723         | 1723         |
| 26         | पूरी        | 3074         | 2867         |
| 27         | रायगढ़      | 2129         | 2117         |
| 28         | संबलपुर     | 1819         | 1819         |
| 29         | सोनपुर      | 1373         | 1115         |
| 30         | सुंदरगढ़    | 3401         | 2923         |
| <b>कुल</b> |             | <b>83133</b> | <b>78257</b> |



### कार्यकलाप ३.१५ & ३.१७: मौजूदा शिक्षकों के लिए रिफ्रेशर प्रशिक्षण और नव नियुक्त शिक्षकों (माध्यमिक स्तर) के लिए प्रेरण प्रशिक्षण - (गैर-आवासीय प्रशिक्षण)

शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ के दौरान, ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) ने माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के निरंतर व्यावसायिक विकास को सुनिश्चित करने और शिक्षण-सीखने की प्रक्रियाओं की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए एक बहु-आयामी क्षमता-निर्माण पहल की। इस पहल में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के लिए एक संरचित पांच दिवसीय संकल्प-आधारित प्रशिक्षण और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० और अन्य समकालीन शैक्षणिक सुधारों के उद्देश्यों के साथ संरेखित माध्यमिक स्तर के शारीरिक शिक्षा शिक्षकों (पीईटी शिक्षक) के लिए एक विशेष प्रशिक्षण शामिल था।

संकल्प (ज्ञान उन्नति और सीखने की प्रगति के माध्यम से अकादमिक मानदंडों को मजबूत करना) मॉड्यूल के तहत पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, इन-सर्विस और नव नियुक्त शिक्षकों दोनों के लिए डिज़ाइन किया गया था। यह विकसित शैक्षिक चुनौतियों के लिए वैचारिक स्पष्टता, कक्षा सहभागिता और जवाबदेही को मजबूत करने पर केंद्रित था। प्रमुख विषयगत क्षेत्रों में ओडिशा शिक्षा प्रणाली, एनईपी २०२० और एनसीएफ-एसई सुधार, समावेशी कक्षा प्रबंधन, प्रारंभिक और योग्यता-आधारित आकलन, कैरियर परामर्श, जीवन कौशल शिक्षा, सील (सामाजिक-भावनात्मक और नैतिक शिक्षा), साइबर सुरक्षा और ड्रॉपआउट रोकथाम के लिए रणनीति शामिल हैं। कार्यक्रम को जिला स्तर पर प्रशिक्षित मास्टर प्रशिक्षकों, एससीईआरटी और डाइट संकाय, और सहयोगी संगठनों द्वारा सिमुलेशन, केस स्टडी और चर्चाओं जैसे सहभागी तरीकों का उपयोग करके विकेंद्रीकृत तरीके से वितरित किया गया था।

प्रशिक्षकों के नेतृत्व और शैक्षणिक दक्षताओं का निर्माण करने के लिए, १९ से २३ सितंबर २०२४ तक भुवनेश्वर के इमेज में एक राज्य स्तरीय डीआरजी (जिला संसाधन समूह) प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें ३० जिलों में १५० अनुभवी हेडमास्टर और सहायक शिक्षक भाग लिए। १९ मॉड्यूल संकल्प प्रशिक्षण पैकेज में आकांक्षी पाठ्यक्रम, अकादमिक नेतृत्व, सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों, यूडीआईएसई +, एसडीजी ४ और पीजीआई, सामुदायिक जुड़ाव और स्कूल सुरक्षा जैसे शैक्षिक संकेतकों को समझना शामिल है। इस पहल शिक्षार्थियों की विविध और विकसित आवश्यकताओं को संबोधित करते हुए शैक्षिक नीति को अभ्यास में बदलने के लिए ओडिशा के माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रशिक्षण नवंबर २०२४ में एक औपचारिक संचार (ओसेपा पत्र संख्या १०२५७ दिनांक २५.१०.२०२४) के बाद शुरू हुआ, जिसमें १७,००१ शिक्षकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य था। अब तक १४,०९७ शिक्षकों ने प्रशिक्षण पूरा कर लिया है।











### माध्यमिक शिक्षक प्रशिक्षण पर प्रगति का जिला सार

| क्रम संख्या | जिला        | जिला लक्ष्य | साथ प्रदान किए गए शिक्षकों की संख्या प्रशिक्षण |
|-------------|-------------|-------------|------------------------------------------------|
| 1           | अंगुल       | 525         | 481                                            |
| 2           | बालासोर     | 876         | 830                                            |
| 3           | बरगड        | 563         | 830                                            |
| 4           | भद्रक       | 523         | 499                                            |
| 5           | बोलांगिर    | 780         | 400                                            |
| 6           | बौध         | 186         | 114                                            |
| 7           | कटक         | 871         | 787                                            |
| 8           | देवगढ़      | 135         | 120                                            |
| 9           | ढैनकनाल     | 381         | 218                                            |
| 10          | गजपति       | 363         | 55                                             |
| 11          | गंजम        | 1122        | 1052                                           |
| 12          | जगतसिंहपुर  | 463         | 463                                            |
| 13          | जाजपुर      | 687         | 682                                            |
| 14          | झारसुगुडा   | 248         | 231                                            |
| 15          | कालाहांडी   | 918         | 710                                            |
| 16          | कंधमाल      | 407         | 391                                            |
| 17          | केंद्रपाड़ा | 531         | 450                                            |
| 18          | क्योंझर     | 741         | 720                                            |
| 19          | खोरधा       | 643         | 643                                            |
| 20          | कोरापुट     | 557         | 396                                            |
| 21          | मल्कानगिरी  | 300         | 284                                            |
| 22          | मयूरभंज     | 1116        | 523                                            |
| 23          | नवरंगपुर    | 509         | 376                                            |
| 24          | नयागढ़      | 548         | 385                                            |
| 25          | नुआपाड़ा    | 298         | 200                                            |
| 26          | पूरी        | 694         | 694                                            |
| 27          | रायगढ़      | 437         | 200                                            |
| 28          | संबलपुर     | 396         | 366                                            |
| 29          | सोनपुर      | 193         | 147                                            |
| 30          | सुंदरगढ़    | 990         | 850                                            |
| कुल         |             | 17001       | 14097                                          |

इसके समानांतर, स्कूलों में शारीरिक शिक्षा की गुणवत्ता और प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए, मई २०२६ के महीने से शुरू होने वाले कलिंगा स्टेडियम, भुवनेश्वर में २०३ शारीरिक शिक्षा शिक्षकों (पीईटी) के लिए एक राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। दो बैचों में आयोजित, प्रत्येक प्रतिभागी को शिक्षाशास्त्र, स्वास्थ्य और खेल विज्ञान पर केंद्रित दो दिन का गहन प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। प्रशिक्षण में बाल केंद्रित शारीरिक शिक्षा प्रथाओं, किशोर विकास और विकास को समझने, उपलब्ध खेल बुनियादी ढांचे का लाभ उठाने और आधुनिक जीवन शैली की चुनौतियों के बावजूद सक्रिय खेल को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। अतिरिक्त घटकों में मौलिक आंदोलन कौशल, योग एकीकरण, पोषण और हाइड्रेशन, ऊंचाई और वजन निगरानी, और खेल-एकीकृत जीवन कौशल शिक्षा शामिल थे। खेल और युवा सेवा विभाग और स्कूल और जन शिक्षा विभाग के प्रशिक्षकों ने विषय विशेषज्ञों के साथ व्यावहारिक प्रदर्शनों और इंटरैक्टिव कार्यशालाओं के माध्यम से सत्रों की सुविधा प्रदान की।





साथ में, ये पहल राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और वैश्विक शैक्षिक मानकों के साथ संरेखित भविष्य के लिए तैयार, भावनात्मक रूप से बुद्धिमान और शारीरिक रूप से जागरूक माध्यमिक शिक्षण कार्यबल के लिए ओडिशा की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

### कार्यकलाप ३.१८: सीएचएसई/ डीएसई द्वारा उत्कर्ष के लिए माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की क्षमता निर्माण- (गैर-आवासीय प्रशिक्षण)

शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ में कक्षा ९ के लिए उत्कर्ष कार्यक्रम के संरचित कार्यान्वयन के हिस्से के रूप में, ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) ने राज्य भर में प्रमुख शैक्षणिक कर्मियों के लिए एक दिवसीय व्यक्तिगत रूप से पुनश्चर्या प्रशिक्षण आयोजित किया। अगस्त, सितंबर और अक्टूबर २०२४ के दौरान आयोजित इस क्षमता-निर्माण प्रयास का उद्देश्य उत्कर्ष ढांचे के साथ संरेखण में प्रभावी शैक्षणिक वितरण और लगातार अनुदेशात्मक प्रथाओं को सुनिश्चित करना है।

उत्कर्ष कार्यक्रम में राज्य के माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा ९ के छात्रों को लक्षित किया गया है। यह एक संरचित, कक्षा-आधारित पाठ्यक्रम का पालन करता है जो १८० घंटे में फैला है और ५६ शैक्षणिक दिनों में समयबद्ध तरीके से वितरित किया जाता है। पाठ्यक्रम को तीन अलग-अलग खंडों में चरणबद्ध किया गया है: फाउंडेशन, समर्थित शिक्षा, और समेकन। प्रत्येक चरण को ध्यान से छात्रों की समझ को उत्तरोत्तर बनाने, मंचान शैक्षणिक सहायता प्रदान करने और अकादमिक सफलता के लिए सीखने के परिणामों को मजबूत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इस प्रशिक्षण के प्रारंभिक चरण के लिए कुल २५२ जिला संसाधन समूह (डीआरजी) सदस्यों की पहचान की गई। इनमें से २४८ एसआरजी (राज्य संसाधन समूह के सदस्यों) को प्रशिक्षण दिया गया, जो उत्कर्ष कार्यक्रम के लिए विशिष्ट शैक्षणिक दृष्टिकोण, अनुदेशात्मक रणनीतियों और कार्यान्वयन तंत्र पर केंद्रित था। एजेंडा में विभिन्न शैक्षणिक स्तरों पर अपनाई जाने वाली प्रश्न-उत्तर (क्यूए) प्रक्रियाओं पर एक विस्तृत अभिविन्यास भी शामिल था।

डीआरजी प्रशिक्षण के बाद, इसी समूह ने ओडिशा भर में ५,२६१ प्रमुख शिक्षकों और २१,०४४ विषय शिक्षकों के लिए





आगे प्रशिक्षण सत्र की सुविधा प्रदान की। विषय शिक्षकों ने चार प्रमुख विषयों - ओडिया, अंग्रेजी, गणित और विज्ञान का प्रतिनिधित्व किया और रणनीतिक रूप से अपने संबंधित स्कूलों में गुणवत्ता अकादमिक सगाई को चलाने के लिए प्रशिक्षित किया गया।





प्रशिक्षण का यह कैस्केडिंग मॉडल - एसआरजी से डीआरजी तक प्रधान शिक्षक और विषय शिक्षकों के लिए - सुनिश्चित किया गया लगातार संदेश, उम्मीदों की स्पष्ट समझ, और माध्यमिक विद्यालय प्रणाली में एक साझा अनुदेशात्मक दृष्टिकोण। प्रशिक्षण पहले ने न केवल स्कूल के नेताओं और शिक्षकों की क्षमता को मजबूत किया बल्कि इकिटी और अकादमिक उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित करते हुए उत्कर्ष कार्यक्रम के मानकीकृत कार्यान्वयन को भी सुनिश्चित किया।

| जिला        | प्रशिक्षित प्रधानाध्यापक | प्रशिक्षित अंग्रेजी शिक्षक | प्रशिक्षित ओडिया शिक्षक | प्रशिक्षित विज्ञान शिक्षक | प्रशिक्षित गणित शिक्षक | प्रशिक्षित एसआरजी |
|-------------|--------------------------|----------------------------|-------------------------|---------------------------|------------------------|-------------------|
| अंगुल       | 135                      | 135                        | 136                     | 137                       | 127                    | 8                 |
| बोलांगीर    | 195                      | 196                        | 194                     | 195                       | 196                    | 8                 |
| बालासोर     | 254                      | 245                        | 246                     | 247                       | 245                    | 16                |
| बारगढ़      | 139                      | 155                        | 150                     | 146                       | 152                    | 8                 |
| भद्रक       | 154                      | 176                        | 170                     | 171                       | 171                    | 8                 |
| बौध         | 43                       | 43                         | 43                      | 43                        | 43                     | 4                 |
| कटक         | 286                      | 293                        | 292                     | 283                       | 289                    | 15                |
| देवगड       | 36                       | 36                         | 38                      | 37                        | 38                     | 4                 |
| ढेंकनाल     | 147                      | 144                        | 144                     | 145                       | 146                    | 8                 |
| गजपति       | 137                      | 137                        | 137                     | 137                       | 137                    | 8                 |
| गंजम        | 358                      | 377                        | 375                     | 367                       | 365                    | 15                |
| जगतसिंहपुर  | 137                      | 151                        | 150                     | 149                       | 150                    | 8                 |
| जाजपुर      | 219                      | 216                        | 216                     | 214                       | 218                    | 8                 |
| झारसुगुडा   | 68                       | 68                         | 68                      | 68                        | 68                     | 4                 |
| कालाहांडी   | 195                      | 195                        | 195                     | 195                       | 195                    | 8                 |
| कंधमाल      | 137                      | 136                        | 133                     | 128                       | 131                    | 4                 |
| केंद्रपाड़ा | 194                      | 194                        | 194                     | 194                       | 194                    | 8                 |
| क्योंझर     | 235                      | 235                        | 235                     | 235                       | 235                    | 8                 |
| खोरधा       | 193                      | 193                        | 193                     | 193                       | 193                    | 8                 |
| कोरापुट     | 224                      | 224                        | 223                     | 223                       | 221                    | 8                 |
| मलकानगिरी   | 90                       | 86                         | 96                      | 91                        | 93                     | 4                 |
| मयूरभंज     | 344                      | 344                        | 344                     | 340                       | 344                    | 15                |
| नबरंगपुर    | 166                      | 165                        | 169                     | 166                       | 166                    | 8                 |
| नयागड       | 151                      | 151                        | 151                     | 151                       | 151                    | 8                 |
| नुआपाड़ा    | 74                       | 74                         | 74                      | 74                        | 74                     | 4                 |

|               |             |             |             |             |             |            |
|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|------------|
| पूरी          | 185         | 183         | 185         | 183         | 183         | 8          |
| रायगढ़        | 169         | 165         | 168         | 163         | 149         | 8          |
| संबलपुर       | 120         | 122         | 121         | 120         | 122         | 8          |
| सुबरनपुर      | 65          | 65          | 64          | 65          | 65          | 4          |
| सुंदरगढ़      | 244         | 244         | 244         | 244         | 244         | 15         |
| <b>महायोग</b> | <b>5094</b> | <b>5148</b> | <b>5148</b> | <b>5104</b> | <b>5105</b> | <b>248</b> |

### कार्यकलाप ३.१९ & ३.२१: ओसेपा द्वारा निष्ठा समतामूलक और समावेशी शिक्षा मॉड्यूल पर बीआरजी, डीआरजी और शिक्षकों का ३ दिवसीय प्रशिक्षण (गैर-आवासीय प्रशिक्षण)

ओडिशा भर में समावेशी शिक्षा प्रथाओं को मजबूत करने के लिए, ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) ने एक संरचित क्षमता-निर्माण पहल की, जिसका शीर्षक है न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा। मूल रूप से भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) और एनसीईआरटी द्वारा विकसित, मॉड्यूल को राज्य के शिक्षण समुदाय के लिए पहुंच और प्रासंगिक प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए ओडिशा में अनुवादित किया गया था।

इसे सुविधाजनक बनाने के लिए, राज्य स्तर पर एक मॉड्यूल विकास कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें विकलांगता के क्षेत्र में लगे संगठनों और संस्थानों के विभिन्न संसाधन व्यक्तियों को एक साथ लाया गया। इसके अतिरिक्त, अनुभवी स्कूल के शिक्षकों और आहार संकाय ने कक्षा के संदर्भ में मॉड्यूल की व्यावहारिक प्रासंगिकता सुनिश्चित करने में योगदान दिया। निष्ठा समतामूलक और समावेशी शिक्षा मॉड्यूल में निम्नलिखित सत्र / विषय शामिल किया गया था: -

- समावेशी कक्षा में विविधताएं
- समान और समावेशी शिक्षा को समझना
- विकलांग को समझना और शीडबलूडी की सीखने की जरूरत
- शीडबलूडी की विभिन्न श्रेणियों के सीखने के निहितार्थ
- पाठ्यक्रम अनुकूलन
- युडीएल और आईई के लिए विभेदित निर्देश
- स्कूल परीक्षा बोर्डों द्वारा अपनाए गए शिक्षण और मूल्यांकन के लिए शैक्षिक प्रावधान
- कक्षा शिक्षण और मूल्यांकन में आईसीटी और सहायक प्रौद्योगिकी का एकीकरण
- शिक्षण विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, आईई में भाषा की शिक्षाशास्त्र
- न्यायसंगत और आईई और पहुंच से संबंधित मुद्दों और मानक पर कानूनी और नीति रूपरेखा।



मॉड्यूल के सफल अनुवाद और संदर्भ के बाद, जिला संसाधन समूह (डीआरजी) के सदस्यों के लिए १६ से २० दिसंबर २०२४ तक पांच दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें ओडिशा के ३० जिलों में से प्रत्येक ने पांच सदस्यों को नामांकित किया था, कुल १५० प्रतिभागी। प्रशिक्षण का उद्देश्य डीआरजी को ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए आवश्यक ज्ञान और सुविधा कौशल से लैस करना है।





इसके बाद, ब्लॉक रिसोर्स ग्रुप (बीआरजी) के सदस्यों को जनवरी २०२५ में आयोजित पांच दिवसीय कार्यक्रम के माध्यम से जिला स्तर पर प्रशिक्षित किया गया। राज्य भर में प्रशिक्षण में कुल १,५८० बीआरजी सदस्यों (५ प्रति ब्लॉक) ने भाग लिया। इन बीआरजी सदस्यों को अब जमीनी स्तर पर समावेशी शिक्षा प्रथाओं पर नियमित स्कूल शिक्षकों के प्रशिक्षण का समर्थन करने और सुविधाजनक बनाने के लिए तैनात किया गया है। ०११२३ शिक्षकों की संख्या ने २०२४-२५ के दौरान प्रखंड स्तर पर प्रति स्कूल १ शिक्षक की दर से निष्ठा-न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा मॉड्यूल के माध्यम से ५ दिन का प्रशिक्षण प्रदान किया।



इस प्रशिक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि समान और समावेशी शिक्षा के सिद्धांत स्कूल प्रणाली में व्याप्त हों, शिक्षकों को सभी बच्चों, विशेष रूप से विकलांग लोगों और हाशिए के समूहों के लिए अधिक समावेशी, सहायक और सुलभ सीखने के वातावरण बनाने के लिए सशक्त बनाते हैं।

| क्रम संख्या | जिला       | राज्य स्तर पर प्रशिक्षित डीआरजी की संख्या | जिला स्तर पर प्रशिक्षित बी आर जी की संख्या | ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या |
|-------------|------------|-------------------------------------------|--------------------------------------------|---------------------------------------------|
| 1           | अंगुल      | 5                                         | 40                                         | 1546                                        |
| 2           | बालासोर    | 5                                         | 60                                         | 2877                                        |
| 3           | बारगढ़     | 5                                         | 60                                         | 1683                                        |
| 4           | भद्रक      | 5                                         | 35                                         | 1798                                        |
| 5           | बोलांगीर   | 5                                         | 70                                         | 0                                           |
| 6           | बौध        | 5                                         | 15                                         | 707                                         |
| 7           | कटक        | 5                                         | 75                                         | 2272                                        |
| 8           | देवगड      | 5                                         | 15                                         | 545                                         |
| 9           | ढेंकनाल    | 5                                         | 40                                         | 1466                                        |
| 10          | गजपति      | 5                                         | 35                                         | 928                                         |
| 11          | गंजम       | 5                                         | 110                                        | 3405                                        |
| 12          | जगतसिंहपुर | 5                                         | 40                                         | 1170                                        |
| 13          | जाजपुर     | 5                                         | 50                                         | 2218                                        |





|    |              |            |             |              |
|----|--------------|------------|-------------|--------------|
| 14 | झारसुगुडा    | 5          | 25          | 643          |
| 15 | कालाहांडी    | 5          | 65          | 2339         |
| 16 | कंधमाल       | 5          | 60          | 1750         |
| 17 | केंद्रापाड़ा | 5          | 45          | 1027         |
| 18 | क्योंझर      | 5          | 65          | 2868         |
| 19 | खोरधा        | 5          | 55          | 1390         |
| 20 | कोरापुट      | 5          | 70          | 2392         |
| 21 | मलकानगिरी    | 5          | 35          | 1322         |
| 22 | मयूरभंज      | 5          | 130         | 4289         |
| 23 | नबरंगपुर     | 5          | 50          | 1883         |
| 24 | नयागड        | 5          | 40          | 1172         |
| 25 | नुआपाड़ा     | 5          | 25          | 1004         |
| 26 | पूरी         | 5          | 55          | 2186         |
| 27 | रायगढ़       | 5          | 60          | 1862         |
| 28 | संबलपुर      | 5          | 45          | 1317         |
| 29 | सोनपुर       | 5          | 30          | 896          |
| 30 | सुंदरगढ़     | 5          | 85          | 2468         |
|    | <b>कुल</b>   | <b>150</b> | <b>1580</b> | <b>52223</b> |

**कार्यकलाप ३.२२: बीएसई द्वारा स्कूलों में आकांक्षी घटकों के कार्यान्वयन और मूल्यांकन पर मास्टर ट्रेनर बनाने के लिए १ दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम (गैर-आवासीय प्रशिक्षण)**

स्कूलों में आकांक्षात्मक घटकों के कार्यान्वयन और मूल्यांकन पर मास्टर प्रशिक्षकों को बनाने के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम के लिए बीएसई (ओ) को धन जारी किया गया है।

**कार्यकलाप ३.२३: बोर्ड परीक्षाओं (एचएससी, एसओएससी और मद्यामा परीक्षा, २०२४) के संचालन पर मास्टर ट्रेनर बनाने के लिए १-दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम - (गैर-आवासीय प्रशिक्षण)**

बोर्ड परीक्षाओं के संचालन के लिए मास्टर ट्रेनर बनाने के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम के लिए बीएसई (ओ) को धन जारी किया गया है।

**कार्यकलाप ३.२४: माध्यमिक विद्यालयों के डिजिटल मूल्यांकन के लिए मास्टर ट्रेनर बनाने के लिए १ दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम। (गैर-आवासीय प्रशिक्षण)**

माध्यमिक विद्यालयों में डिजिटल मूल्यांकन के लिए मास्टर ट्रेनर्स बनाने के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम के लिए बीएसई (ओ) को धन जारी किया गया है।



### कार्यकलाप ३.२५: सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य की क्षमता निर्माण (गैर आवासीय प्रशिक्षण)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० और स्टार्स पहल के लक्ष्यों के अनुरूप, उच्च माध्यमिक शिक्षा निदेशालय (डीएचएसई), ओडिशा ने सरकारी उन्नत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों (एचएसएस) के प्रभारी प्रधानाचार्यों के नेतृत्व और प्रबंधकीय कौशल को मजबूत करने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला शुरू की। इन पहलों का उद्देश्य स्कूल प्रमुखों को शैक्षणिक सुधारों का नेतृत्व करने, कुशल संस्थागत संचालन सुनिश्चित करने और उन्नत स्कूलों में समग्र छात्र विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक दक्षताओं से लैस करना था।

#### राज्य स्तर पर इस पहल के तहत दो क्षमता निर्माण कार्यशालाएं आयोजित की गईं:

- पहला क्षमता निर्माण कार्यक्रम १९९ और २० दिसंबर २०२४ को भुवनेश्वर के कृषि भवन में १९ सरकारी अपग्रेड किए गए उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रिंसिपल-इन-चार्ज (I / Cs) के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें ८९ नए अपग्रेड किए गए और ११० पहले अपग्रेड किए गए संस्थान शामिल थे। कार्यशाला में परीक्षा प्रणाली, वित्तीय नियमों, चल रहे सिविल और बुनियादी ढांचे के कार्यों और एसएएमएस, यूडीआईएसई + और अपार आईडी जैसे डिजिटल प्लेटफार्मों के प्रभावी उपयोग सहित प्रमुख परिचालन क्षेत्रों के साथ प्रतिभागियों को परिचित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।







## ଉତ୍କଳ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ସ୍କୁଲ ଅଧ୍ୟକ୍ଷଙ୍କ ଦକ୍ଷତା ବୃଦ୍ଧି କର୍ମଶାଳା

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୯/୧୨ (ବୁଧବାର): ୮୯ ଉତ୍କଳ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ସ୍କୁଲର ଭାରପ୍ରାପ୍ତ ଅଧ୍ୟକ୍ଷଙ୍କ ଦକ୍ଷତା ବୃଦ୍ଧି ଓ ସମୀକ୍ଷା ବୈଠକ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି । ବୈଠକରେ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ରଘୁରାମ ଆର୍ ଆୟର କହିଛନ୍ତି, ଉତ୍କଳ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ସ୍କୁଲର ସମସ୍ତ ଭାରପ୍ରାପ୍ତ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିଚାଳନା ତାଲିମ ପାଇବେ । ଏଥିରେ ପରୀକ୍ଷା ପରିଚାଳନା ପଦ୍ଧତି, ଶୈକ୍ଷିକ ସମୀକ୍ଷା, ଆର୍ଥିକ ପରିଚାଳନା, ଜ-ଆତମିସନ୍ ସଂପର୍କିତ ଜ୍ଞାନ, ଅତିଥି ଶିକ୍ଷକ ନିଯୁକ୍ତି ଆଦି ପରିଚାଳନାର ସୁଯୋଗ ପାଇବେ । ଅଧ୍ୟକ୍ଷତା କରି ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗର ଅତିରିକ୍ତ ଶାସନ ସଚିବ ଶୁଭକ୍ଷା ନନ୍ଦ କହିଛନ୍ତି, ପ୍ରଥମ କରି ଉତ୍କଳ ହୋଇଥିବା ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ସ୍କୁଲଗୁଡ଼ିକ ଏକ ନୂତନ ଶିକ୍ଷା



ପରିବେଶରେ ପ୍ରବେଶ କରୁଛନ୍ତି । ଏହି ୮୯ଟି ଉତ୍କଳ ସ୍କୁଲର ଉତ୍ତମ ପରିଚାଳନା ଭାରପ୍ରାପ୍ତ ଅଧ୍ୟକ୍ଷଙ୍କ ପାଇଁ ନିଷ୍ପତ୍ତି ଭାବେ ଏକ ଆହ୍ୱାନ । ଏହି କର୍ମଶାଳାରୁ ଅଧ୍ୟକ୍ଷମାନେ ନିଜ ଶିକ୍ଷାନୁଷ୍ଠାନର ସମସ୍ତ କାର୍ଯ୍ୟ ପରିଚାଳନା ନେଇ ଶିକ୍ଷା ପାଇବେ । ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ନିର୍ଦ୍ଦେଶକଙ୍କ ଅତିରିକ୍ତ

ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ଡ. ବିଶ୍ୱଜିତ ଘୋଷ, ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ମନୋରଞ୍ଜନ ମଲ୍ଲିକ, ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ପରିଷଦ ପରୀକ୍ଷା ନିୟନ୍ତ୍ରକ ପ୍ରଶାନ୍ତ କୁମାର ପରିଡ଼ା ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ । ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ନିର୍ଦ୍ଦେଶକଙ୍କର ସ୍ୱପ୍ନ ନିର୍ଦ୍ଦେଶିକା ସବିତ୍ରା ମାଳି ଧନ୍ୟବାଦ ଦେଇଥିଲେ ।





2. १९९ सरकारी अपग्रेडेड हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रधान / Cs के लिए समीक्षा-सह-क्षमता निर्माण कार्यक्रम ४ जुलाई २०२५ को भुवनेश्वर के कृषि भवन में आयोजित किया गया था। इस एक दिवसीय कार्यशाला में एनईपी २०२० सुधारों को लागू करने और संस्थागत विकास को बढ़ावा देने में स्कूल नेतृत्व के रणनीतिक महत्व पर जोर दिया गया। प्रमुख उद्देश्यों में स्कूल प्रमुखों की क्षमता को बढ़ाना, उनके संस्थानों का प्रभावी ढंग से नेतृत्व करना, विभिन्न योजनाओं और प्रशासनिक चुनौतियों से उन्हें परिचित करना, छात्रवृत्ति की उनकी समझ को गहरा करना, कैरियर मार्गदर्शन, आत्मरक्षा कार्यक्रम, अतिथि संकाय सगाई, प्रधानमंत्री श्री पहल, एसएएमएस पोर्टल संचालन और अकादमिक परिणाम विश्लेषण शामिल हैं। क्षमता निर्माण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, संस्थागत नेतृत्व और शैक्षणिक प्रबंधन को बढ़ाने के लिए कई विषयगत सत्र आयोजित किए गए थे। प्रमुख सत्रों में वार्षिक उच्चतर माध्यमिक परीक्षा (एचएसई) २०२५ का प्रदर्शन विश्लेषण शामिल था, जो लक्षित हस्तक्षेपों के लिए उच्च और निम्न प्रदर्शन करने वाले संस्थानों की पहचान करने के लिए विषय-वार और विभाजन-वार परिणामों पर ध्यान केंद्रित करता था। प्रिंसिपलों को पारदर्शी ई-प्रवेश और प्रशासनिक दक्षता के लिए छात्र शैक्षणिक प्रबंधन प्रणाली (एसएएमएस) पर उन्मुख किया गया था। कैरियर मार्गदर्शन और व्यावसायिक शिक्षा पर सत्र छात्र के लिए उपकरण के साथ नेताओं सुसज्जित







कौशल आधारित शिक्षा की कैरियर योजना और संवर्धन। बेहतर आईईसी रणनीतियों के माध्यम से छात्रवृत्ति तक पहुंच में सुधार के लिए ओडिशा राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल शुरू किया गया था। ग्यारहवीं कक्षा की लड़कियों के लिए स्व-रक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसडीटीपी) को एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल पहल के रूप में जोर दिया गया था। शिक्षण अंतराल को संबोधित करने के लिए अतिथि संकाय को शामिल करने पर मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया था, और सभी धाराओं में संरचित, समयबद्ध पाठ्यक्रम वितरण सुनिश्चित करने के लिए स्प्लिट-अप पाठ्यक्रम पहल साझा की गई थी।



## कार्यपरत ଭାରପ୍ରାପ୍ତ ଅଧ୍ୟକ୍ଷଙ୍କ ଦକ୍ଷତା ବିକାଶ କର୍ମଶାଳା

ଭୁବନେଶ୍ୱର (ରାଷ୍ଟ୍ର ନ୍ୟୁଜ): ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗ ଅଧିନ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ନିର୍ଦ୍ଦେଶାଳୟ ତରଫରୁ ରାଜ୍ୟରେ ଥିବା ସମସ୍ତ ୧୯୯ ଗଭୀର ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ ଭାରପ୍ରାପ୍ତ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ-ଅଧ୍ୟକ୍ଷାଙ୍କ କାର୍ଯ୍ୟ ସମୀକ୍ଷା ଓ ଦକ୍ଷତା ବିକାଶ କର୍ମଶାଳା ବୃଷି ଉତ୍ତରୀରେ ଆୟୋଜିତ ହୋଇପାରିଛି । ଏହି ଏକ ଦିବସୀୟ କର୍ମଶାଳାରେ ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ରାଜ୍ୟ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗର ଅତିରିକ୍ତ ଶାସନ ସଚିବ ଶ୍ରୀମତୀ ନନ୍ଦା ଯୋଗ ଦେଇଥିବା ବେଳେ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ନିର୍ଦ୍ଦେଶାଳୟର ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ଉତ୍ତରାମ୍ ଆର୍ ଆୟର, ଉତ୍କଳ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଶିକ୍ଷା କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ



ପ୍ରାଧିକାରଣ (ଓସେପା) ଯୁଗ୍ମ ନିର୍ଦ୍ଦେଶିକା ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ସାହୁ, ଆଞ୍ଚଳିକ ଶିକ୍ଷା ନିର୍ଦ୍ଦେଶାଳୟ, ଭୁବନେଶ୍ୱର ଯୁଗ୍ମ ନିର୍ଦ୍ଦେଶିକା ବିପ୍ରାମୟା ଶୁଭଦର୍ଶିନୀ, ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ନିର୍ଦ୍ଦେଶାଳୟର ନିର୍ଦ୍ଦେଶିକା ପ୍ରିୟା ମିଶ୍ର,

ଯୁଗ୍ମ ନିର୍ଦ୍ଦେଶିକା ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣା ମାଳି ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ। ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ଅତିରିକ୍ତ ଶାସନ ସଚିବ ଶ୍ରୀମତୀ ନନ୍ଦା କହିଛନ୍ତି, ବିକଶିତ ଭାରତ ଗଠନରେ ଯୁବକମାନଙ୍କର ଭୂମିକା ଉଚ୍ଚିଷ୍ଠ ଏବଂ ସେମାନଙ୍କୁ

ଶିକ୍ଷକାଧ୍ୟକ୍ଷ ମାନେ ହିଁ ଉଚ୍ଚିତ୍ ବିଶ୍ୱଦର୍ଶନ ଦେଇପାରିବେ । କର୍ମଶାଳାର ପ୍ରାରମ୍ଭରେ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ସ୍ପଷ୍ଟ କରିବା ପାଇଁ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ଉତ୍ତରାମ୍ ଆର୍ ଆୟର ସମସ୍ତ ଅତିଥି, କର୍ମଶାଳାରେ ଆଶ୍ଚର୍ୟ୍ୟ କରିଥିବା

ଭାରପ୍ରାପ୍ତ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ-ଅଧ୍ୟକ୍ଷାଙ୍କୁ କର୍ମଶାଳାକୁ ସ୍ୱାଗତ କରିବା ସହିତ ଏହାର ମୁଖ୍ୟ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ସମ୍ବନ୍ଧରେ ଆଲୋଚନା କରିଥିଲେ । ସେହିପରି ଓସେପା ଯୁଗ୍ମ ନିର୍ଦ୍ଦେଶିକା ଶ୍ରୀମତୀ ସାହୁ କହିଛନ୍ତି, ସମସ୍ତ କ୍ଷେତ୍ରରେ ଯୁଗ୍ମରୁପ କାର୍ଯ୍ୟ ଚଳାଇବା ପାଇଁ ଏହି କର୍ମଶାଳାର ଆୟୋଜନ । ନିଜର ସାମର୍ଥ୍ୟକୁ ସମସ୍ତା ସମାଧାନ ଦିଗରେ କେନ୍ଦ୍ରିତ କଲେ ସରକାରଙ୍କ ପକ୍ଷ ମିଳି ପାରିବ ବୋଲି ସେ କହିଛନ୍ତି । ଏଥିସହ ଯୁଗ୍ମ ନିର୍ଦ୍ଦେଶିକା ଶ୍ରୀମତୀ ଶୁଭଦର୍ଶିନୀ ଉପସ୍ଥିତ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ନିର୍ଦ୍ଦେଶାଳାରେ ଥିବା ସମସ୍ତ ଅଧ୍ୟାପକଙ୍କୁ ଯନ୍ତ୍ରଣା ଦେଇ ଶୁଣିବା ଏବଂ ତାହାର ଅନୁପାଳନ କରିବା ନେଇ ସୂଚନା ଦେଇଥିଲେ ।

इन क्षमता-निर्माण हस्तक्षेपों ने स्कूल नेतृत्व को मजबूत करने, अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और एनईपी २०२० की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए संस्थागत तत्परता के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन पहलों के माध्यम से, ओडिशा सरकार राज्य के उच्च माध्यमिक शिक्षा परिदृश्य में परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में प्रिंसिपलों को सशक्त बनाने में निवेश करना जारी रखती है।

### कार्यकलाप ३.२६: सरकारी एवं सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के नव नियुक्त पीजीटी का प्रेरण प्रशिक्षण (१३७५+४८०) (आवासीय प्रशिक्षण)

#### i. नव नियुक्त पीजीटी को प्रेरण प्रशिक्षण (९ से १२ जुलाई २०२४)

सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में सेवारत अंग्रेजी, भौतिकी, वाणिज्य, भारतीय संगीत और तेलुगु विषयों के १०० नव नियुक्त स्नातकोत्तर शिक्षकों (पीजीटी) के लिए एक प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। यह प्रशिक्षण नए शिक्षकों को आवश्यक पेशेवर दक्षताओं और संस्थागत अभिविन्यास से लैस करने के लिए ९ से १२ जुलाई २०२४ तक इमेज, सीरियपुर, भुवनेश्वर में आयोजित किया गया था। पहला सत्र — शिक्षक पर एक समस्या सॉल्वर और बदलते शैक्षिक परिदृश्य में एक रोल मॉडल के रूप में केंद्रित था, आधुनिक शिक्षा में शिक्षक की विकसित भूमिका के लिए स्वर सेट करना। इसके बाद कक्षा प्रबंधन और शिक्षण कौशल पर सत्र, स्यामस पोर्टल का अवलोकन और जिज्ञासा संचालित सीखने के लिए एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण था। प्रतिभागियों को उनके मुद्दों, चुनौतियों और भावनात्मक जरूरतों को समझकर किशोरों के साथ तालमेल बनाने के लिए संवेदनशील बनाया गया था। इसके अलावा, कार्यबल की तैयारी के लिए व्यावसायिक शिक्षा में अवसरों की खोज करने, अकादमिक समीक्षा करने और विश्व कौशल केंद्र की एक्सपोजर यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए सत्र आयोजित किए गए।



प्रशिक्षण में प्रशासनिक अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सरकारी सेवकों के आचरण नियम, सीसीए नियम और अवकाश नियम भी शामिल थे। शिक्षकों को छात्रवृत्ति तक पहुंचने के लिए योग्य छात्रों को सक्षम करने के लिए निर्देशित किया गया था और उच्च माध्यमिक शिक्षा के विशेष संदर्भ के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० में अंतर्दृष्टि दी गई थी। अन्य महत्वपूर्ण विषयों में समुदाय और हितधारक के माध्यम से शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया में सुधार करने की रणनीति शामिल थी नीट / जेईई





उम्मीदवारों को सशक्त बनाने के लिए भागीदारी, ऑनलाइन शैक्षणिक सहायता कार्यक्रम, और शिक्षण योजनाओं को बढ़ाने और प्रभावी शिक्षण का प्रदर्शन करने के लिए आईसीटी का उपयोग। इसके अतिरिक्त, एनईपी २०२० पर एक समूह चर्चा, आकांक्षी स्कूलों के लिए एक दृष्टि-निर्माण अभ्यास, और पाठ्यक्रम डिजाइनिंग, पाठ्यक्रम पुनर्गठन और परीक्षा प्रणालियों पर सत्र अकादमिक नवाचार और गुणवत्ता शिक्षा वितरण का समर्थन करने के लिए आयोजित किए गए थे।



## ii. नए भर्ती गैर-सरकारी सहायता प्राप्त पीजीटी को प्रेरण प्रशिक्षण

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय (डीएचएसई), ओडिशा द्वारा स्टार कार्यक्रम के तहत गैर-सरकारी सहायता प्राप्त (४८८ श्रेणी) उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में नव नियुक्त स्नातकोत्तर शिक्षकों (पीजीटी) के लिए पांच दिवसीय प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण ३ से ७ फरवरी २०२५ तक भुवनेश्वर के इमेज में आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य प्रमुख प्रशासनिक प्रक्रियाओं, शैक्षणिक रणनीतियों और शिक्षकों की उभरती भूमिका के साथ शिक्षकों को परिचित कराना था। हिंदी, जूलॉजी, एंथ्रोपोलॉजी, बॉटनी सहित १९ विषयों में कुल ७२ पीजीटी, शिक्षा, तर्क, गृह विज्ञान, संस्कृत, सांख्यिकी, इतिहास, गणित, समाजशास्त्र, भौतिकी, रसायन विज्ञान, इस कार्यक्रम में उर्दू, तेलुगू और वाणिज्य ने भाग लिया।







प्रशिक्षण में शिक्षकों को अकादमिक और प्रशासनिक दक्षता दोनों से लैस करने के लिए डिज़ाइन किए गए विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी। प्रारंभिक सत्रों में स्कूल और गण शिक्षा (एसएमई) विभाग और डीएचएसई का परिचय शामिल था, इसके बाद सरकारी सेवकों के आचरण नियम, सीसीए नियम और अवकाश नियम पर सत्र शामिल थे। प्रतिभागियों को एसएमएस पोर्टल के उपयोग और कार्यक्षमताओं पर उन्मुख किया गया और उच्च माध्यमिक विद्यालय (एचएसएस) के छात्रों के लिए उपलब्ध विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया। एचएसई द्वारा आयोजित जिज्ञासा-संचालित सीखने, किशोर मुद्दों और चुनौतियों और शैक्षणिक सहायता कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान देने के साथ एचएसएस स्तर पर सीखने के अध्यापन पर जोर दिया गया था। "शिक्षण एक जुनून के रूप में" और "शिक्षक एक आदर्श एवं समस्या समाधानकर्ता के रूप में" विषयों पर संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए, साथ ही कक्षा प्रबंधन और कक्षा के भीतर एवं बाहर नवीन, परिवर्तनकारी शिक्षण पद्धतियों पर मॉड्यूल भी आयोजित किए गए। शिक्षण कौशल की योजना बनाने और प्रदर्शन में आईसीटी के उपयोग पर विशेष ध्यान दिया गया। प्रशिक्षण में माध्यमिक शिक्षा के विशेष संदर्भ में एनईपी २०२० पर समूह चर्चा, आकांक्षी विद्यालयों के लिए दृष्टि-निर्माण अभ्यास और एचएसएस स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा के अवसरों के बारे में जागरूकता भी शामिल थी। प्रतिभागियों ने कला भूमि की एक निर्देशित प्रदर्शनी यात्रा में भी भाग लिया, और कार्यक्रम में समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए योग और प्रातःकालीन व्यायाम सत्र शामिल थे।







## ନବନିଯୁକ୍ତ ଅନୁଦାନପ୍ରାପ୍ତ ବେସରକାରୀ ସ୍ନାତକୋତ୍ତର ଶିକ୍ଷକ-ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀଙ୍କ ପାଞ୍ଚ ଦିନିଆ କର୍ମଶାଳା ଉଦଘାଟିତ



ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୩/୨ (ସେପ୍ଟେମ୍ବର): ଆଜି ସ୍ନାନାୟ ଓଡ଼ିଶା ବୈଷୟିକ ବିଶ୍ୱ ବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିସରସ୍ଥିତ ଇମ୍ପେକ୍ସ ସଭାସ୍ଥଳରେ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଉଚ୍ଚଶିକ୍ଷା ବିଭାଗ, ଉତ୍କଳ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ନିର୍ଦ୍ଦେଶାଳୟ, ଓଡ଼ିଶା ବିଦ୍ୟାଳୟ ଶିକ୍ଷା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ପ୍ରାଧିକରଣ (ସେପ୍ଟେମ୍ବର) ର ମିଳିତ ଆନୁରୋଧରେ ନବ ନିଯୁକ୍ତ ଅନୁଦାନପ୍ରାପ୍ତ ବେସରକାରୀ ସ୍ନାତକୋତ୍ତର ଶିକ୍ଷକ-ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀମାନଙ୍କ ପାଞ୍ଚ ଦିନିଆ କର୍ମଶାଳା ଉଦଘାଟିତ ହୋଇଯାଇଛି । ଏହି କର୍ମଶାଳା ଆସନ୍ତା ଫେବୃଆରୀ ୭ ତାରିଖ ଯାଏଁ ଚାଲିବ । କର୍ମଶାଳାର

ପ୍ରଥମ ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ନବନିଯୁକ୍ତ ଅନୁଦାନପ୍ରାପ୍ତ ବେସରକାରୀ ସ୍ନାତକୋତ୍ତର ପ୍ରାୟ ୧୦୦ ଜଣ ଶିକ୍ଷକ-ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ଏହି କର୍ମଶାଳାରେ ଭାଗନେଇଛନ୍ତି । ଉଦଘାଟନା ଅଧିବେଶନରେ ଉତ୍କଳ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ନିର୍ଦ୍ଦେଶାଳୟର ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ଶ୍ରୀ ରଘୁରାମ୍ ଆର୍ ଆୟାସ୍ ସମସ୍ତ ଅତିଥି ଏବଂ କର୍ମଶାଳାରେ ଯୋଗଦେଇଥିବା ସମସ୍ତ ଅଂଶଗ୍ରହଣକାରୀ ଏବଂ ନିର୍ଦ୍ଦେଶାଳୟର ସମସ୍ତ ପଦାଧିକାରୀ ଓ କର୍ମଚାରୀମାନଙ୍କୁ ସ୍ୱାଗତ କରିବା ସହ କର୍ମଶାଳାର ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ଏବଂ ବିଭିନ୍ନ ଅଧିବେଶନ ବିଷୟରେ ସମୀକ୍ଷା ସୂଚନା ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ ।

ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ଶ୍ରୀ ଆୟାସ୍ ତାତକାଳିନୀ ଶିକ୍ଷାକାରୀ ୨୦୨୦ ଅନ୍ତର୍ଗତ ଆବଶ୍ୟକୀୟ ପରିବର୍ତ୍ତନ ସମ୍ପର୍କରେ ଅବଗତ କରାଇବା ସହ ପରୀକ୍ଷା ସମ୍ପର୍କିତ ତିରସ୍କରଣ ଦେଇଥିଲେ । ଏଥିସହିତ ଉତ୍କଳ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ପରିଷଦ ଦ୍ୱାରା ପରୀକ୍ଷା ସମ୍ପର୍କିତ ଏକ ବିଶେଷ ଅଧିବେଶନ ପରିଚାଳନା କରିବା ପାଇଁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଥିଲେ । ଉତ୍କଳ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ନିର୍ଦ୍ଦେଶାଳୟ ଆନ୍ତର୍ଗତ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ, ସମ୍ବଲପୁର ଶ୍ରୀଯୁକ୍ତ ବିକାଶ କୁହୁ ପ୍ରଧାନ ଅଂଶଗ୍ରହଣକାରୀମାନଙ୍କୁ ଶିକ୍ଷାଦାନ କ୍ଷେତ୍ରରେ ସେମାନଙ୍କର ଆବଦ୍ଧ, ଉତ୍କଳର ଶିକ୍ଷା ପରିବର୍ତ୍ତନ ଶେଷରେ ଉତ୍କଳ ପ୍ରଦର୍ଶନ ପାଇଁ ପରୀକ୍ଷା ଦେଇଥିଲେ । ଏହି ପ୍ରକ୍ରିୟା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଉଚ୍ଚଶିକ୍ଷା ବିଭାଗର ଅତିରିକ୍ତ ଶାସନସଚିବ ତଥା ଉତ୍କଳ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ପରିଷଦର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ

ଶ୍ରୀମତୀ ଶୁଭଶ୍ରୀ ନନ୍ଦ ଶିକ୍ଷାର ମହତ୍ତ୍ୱ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ପ୍ରତିପାଦନ କରିବା ସହିତ ଅଂଶଗ୍ରହଣକାରୀମାନଙ୍କୁ ଶିକ୍ଷାର ସହିତ ତାଙ୍କର ଶୁଭ ବାନ୍ଧବ ସୁଦ୍ଧାକୁ ଶିକ୍ଷାଦାନ କରିବା ପାଇଁ ପ୍ରେରଣା ଦେଇଥିଲେ । ଫାଲ୍ ଫେରିପରି ଉତ୍କଳ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ନିର୍ଦ୍ଦେଶାଳୟର ଯୁକ୍ତ ନିର୍ଦ୍ଦେଶିକା ଶ୍ରୀମତୀ ଲୁଲି ମଙ୍ଗରାଜ ଧନ୍ୟବାଦ ଅର୍ପଣ କରିଥିବା ବେଳେ ଯୁକ୍ତ ନିର୍ଦ୍ଦେଶିକା ଶ୍ରୀମତୀ ସବିତ୍ରୀ ମାରି ଅଧିବେଶନର ପରିଚାଳନା ଦାୟିତ୍ୱ ବହନ କରିଥିଲେ ।





### iii. पीजीटी की क्षमता निर्माण

सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के स्नातकोत्तर शिक्षकों (पीजीटी) के लिए २० और २१ मई २०२५ को भुवनेश्वर के कृषि भवन में दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य ओडिशा सरकार के तहत उच्च माध्यमिक शिक्षा से उभरती अपेक्षाओं के अनुरूप पीजीटी की प्रशासनिक, शैक्षणिक और तकनीकी दक्षताओं को बढ़ाना है। वार्षिक उच्चतर माध्यमिक परीक्षा २०२५, ऑनलाइन शैक्षणिक सहायता कार्यक्रम, व्यावसायिक शिक्षा, छात्रवृत्ति योजनाएं और छात्र सहायता सेवाओं के लिए परीक्षा प्रणाली और मूल्यांकन प्रक्रियाओं पर प्रमुख सत्र आयोजित किए गए थे। इसके अलावा, प्रतिभागियों को लेखा, एचआरएमएस, आईएफएमएस और आईओटीएमएस जैसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक उपकरणों और प्रणालियों के साथ-साथ साम्स पोर्टल के माध्यम से ई-प्रवेश प्रक्रिया पर उन्मुख किया गया था।











# ‘ଶିକ୍ଷାର ବ୍ୟାବହାରିକ ଦିଗ ପ୍ରତି ଦୃଷ୍ଟି ଦେବା ଆବଶ୍ୟକ’

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୦।୫  
(ପ୍ରତିଷ୍ଠିତା ସାହୁ)

**ପିଜିଟି ଶିକ୍ଷକଙ୍କ ଦୁଇଦିନିଆ  
ଦକ୍ଷତା ବିକାଶ କର୍ମଶାଳା**

ସରକାରୀ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ନିଯୁକ୍ତି ପାଇଥିବା ସ୍ନାତକୋତ୍ତର (ପିଜିଟି) ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ-ଶିକ୍ଷକଙ୍କ ପାଇଁ ୨ଦିନିଆ ଦକ୍ଷତା ବିକାଶ କର୍ମଶାଳା ମଙ୍ଗଳବାର କୁଞ୍ଜବିହାର ଅତିତୋରିୟମରେ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଛି । ଏଥିରେ ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ଭାବେ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ପରିଷଦର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ମୃଣାଳକାନ୍ତି ଦାସ ଯୋଗଦେଇ କହିଛନ୍ତି ଯେ, ଶିକ୍ଷା ଓ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ପରମ୍ପରା ସହ ଜଡ଼ିତ । ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ-ଶିକ୍ଷକମାନେ ସମୟାନୁସାରେ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ନେବାର ଆବଶ୍ୟକତା ରହିଛି । ଶିକ୍ଷାକୁ କେବଳ ଜ୍ଞାନ ଆହରଣ ଭାବେ ନୁହେଁ ବରଂ ଏହାର ବ୍ୟାବହାରିକ ଦିଗ ପ୍ରତି ମଧ୍ୟ ଦୃଷ୍ଟି ଦେବାକୁ

ପଡ଼ିବ । ଏଥିସହ ଶିକ୍ଷାର ବିଭିନ୍ନ ବ୍ୟାବହାରମୂଳକ ଦିଗ ପ୍ରତି ଯତ୍ନଶୀଳ ହେବା ସହ ପ୍ରୋତ୍ସାହିତ କରିବା ଜରୁରୀ ବୋଲି ସେ ମତବ୍ୟକ୍ତ କରିଛନ୍ତି । ଏହି ଅବସରରେ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ନିର୍ଦ୍ଦେଶାଳୟର ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ରଘୁରାମ ଆର୍ ଆୟର ବିଦ୍ୟାଳୟଗୁଡ଼ିକର ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରଶାସନିକ କାର୍ଯ୍ୟ, ନାମଲେଖା ପ୍ରକ୍ରିୟା, ଛାତ୍ରାଛାତ୍ରୀଙ୍କୁ ଉତ୍ତମ ଶିକ୍ଷାଦାନ, ଆପାର୍ ଆଇଡି ଏବଂ ଯୁଗାଭିତ୍ତି ପୋର୍ଟାଲ ପରିଚାଳନା ଆଦି ସମ୍ପର୍କରେ ବିସ୍ତୃତ ସୂଚନା ଦେଇଥିଲେ । ସେହିପରି ସମ୍ବଲପୁର ଆଞ୍ଚଳିକ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ତଥା ଯୁଗ୍ମ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ବିଶ୍ୱନାଥ ତରାଇ

କହିଛନ୍ତି, ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ଶିକ୍ଷକମାନେ ସମୟ ଓ ଉତ୍ତରଦାୟିତ୍ୱ ରକ୍ଷା କରି କାର୍ଯ୍ୟ କରନ୍ତୁ । ଶିକ୍ଷକତା ଏକ ଚାକିରି ନୁହେଁ, ବରଂ ଏକ ବୃତ୍ତି । ସବୁବେଳେ ଆସନ୍ତାକାଲି ଲାଗି ରପଯୁକ୍ତ ଯୋଜନା ପ୍ରସ୍ତୁତ କରିବା ପାଇଁ ସେ ପରାମର୍ଶ ଦେଇଛନ୍ତି । ବ୍ରହ୍ମପୁର ଆଞ୍ଚଳିକ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ତଥା ଯୁଗ୍ମନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ବନ୍ଦନା ମହାପାତ୍ର ରେକର୍ଡିଂ କିମ୍ ଉପରେ ଗୁରୁତ୍ୱରୋପ କରିଥିଲେ । ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ନିର୍ଦ୍ଦେଶାଳୟର ଅତିରିକ୍ତ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ବିଶ୍ୱଜିତ ଘୋଷ ପିଜିଟି ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ-ଶିକ୍ଷକଙ୍କୁ ପାରଙ୍ଗମ ହେବା ଉପରେ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦେଇଥିଲେ । କର୍ମଶାଳାରେ ୧୭ଟି ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ସରକାରୀ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ବିଦ୍ୟାଳୟର ପ୍ରାୟ ୩୦୦ ପିଜିଟି ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ-ଶିକ୍ଷକ ଯୋଗଦେଇଛନ୍ତି ।



କର୍ମଶାଳାରେ ମହାସାଗର ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ପରିଷଦର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ମୃଣାଳକାନ୍ତି ଦାସ ଏବଂ ଅନ୍ୟ ଅତିଥି ।

कार्यशाला की मुख्य विशेषताओं में प्रश्न पत्र सुरक्षा उपायों, परीक्षाओं के दौरान फ्रिस्किंग के लिए अस्थायी मॉडल संरचनाओं की शुरूआत और अकादमिक प्रदर्शन निगरानी के लिए तंत्र पर चर्चा शामिल थी। राष्ट्रीय प्रदर्शन मानकों के साथ छात्र परिणामों को संरेखित करने के महत्व को रेखांकित किया गया था, साथ ही अकादमिक उपलब्धि और संवर्धन के लिए रणनीतियों के साथ। सत्रों में मेंटरशिप संरचनाओं के कार्यान्वयन, डिजिटल कक्षाओं के एकीकरण और शिक्षकों द्वारा ओडिशा-विशिष्ट डिजिटल सीखने की सामग्री के विकास को भी संबोधित किया गया। इसके अलावा, छात्रवृत्ति जागरूकता और आउटरीच, स्टाफिंग अपडेट और बेहतर स्कूल प्रदर्शन के लिए आकांक्षात्मक बेंचमार्किंग पर केंद्रित चर्चा हुई।

कुल मिलाकर, कार्यशाला ने पीजीटी के लिए एक व्यापक मंच के रूप में कार्य किया ताकि राज्य के व्यापक शैक्षिक उद्देश्यों में उनकी अनुदेशात्मक रणनीतियों, प्रशासनिक दक्षता और योगदान को बढ़ाया जा सके।

## कार्यकलाप ३.२७: लैंगिक समानता और पाठ्यक्रम एकीकरण पर सामाजिक विज्ञान शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण

लिंग-उत्तरदायी शिक्षण को मजबूत करने और समावेशी कक्षा प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए, ओसेपा ने शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ के दौरान लिंग इक्विटी और पाठ्यक्रम एकीकरण पर ध्यान केंद्रित करने वाले सामाजिक विज्ञान शिक्षकों के लिए एक लक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। इस पहल का उद्देश्य कक्षा प्रवचन और शिक्षण प्रथाओं के भीतर लिंग

संवेदनशीलता को एम्बेड करना था, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० के तहत इकिटी और समावेश के व्यापक लक्ष्यों के साथ संरेखित था। इस उद्देश्य के लिए विशेष रूप से एक प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किया गया था, जिसमें लिंग जागरूकता, सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम में लिंग दृष्टिकोण के एकीकरण और समान सीखने के वातावरण को बढ़ावा देने के लिए रणनीतियों पर जोर दिया गया था। टीई और एससीईआरटी, ओडिशा द्वारा एक वीटिंग प्रक्रिया के बाद मॉड्यूल को अंतिम रूप दिया गया था, जो शैक्षणिक सुदृढ़ता और प्रासंगिक प्रासंगिकता दोनों को सुनिश्चित करता है।

इसके बाद, जिला संसाधन समूह (डीआरजी) और ब्लॉक संसाधन समूह (बीआरजी) प्रशिक्षण आयोजित किए गए, जो स्कूल स्तर के सत्रों की सुविधा के लिए मास्टर प्रशिक्षकों की क्षमताओं का निर्माण करते हैं।

खंड स्तर पर शिक्षकों का प्रशिक्षण लिया गया। अब तक, इस पहल के तहत राज्य भर में कुल १६,२५६ सामाजिक विज्ञान शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है। इस कार्यक्रम को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है ताकि व्यापक कवरेज और गुणवत्तापूर्ण जुड़ाव सुनिश्चित किया जा सके, शिक्षकों को रूढ़ियों को चुनौती देने, महत्वपूर्ण सोच को प्रोत्साहित करने और छात्रों के बीच लिंग-समान मानसिकता को बढ़ावा देने के लिए लैस किया जा सके।





(২২)

ସମାଜ  
The Samaja

ବାବୁଜୀ, କବୀର (ମିସ୍ତ୍ରୀ)  
 ଉଦାତ୍ତ ଓ ବ୍ୟାଘ୍ର ଶିଖ ଗ୍ରହଣ  
 ନିବିଡ଼ ଗୋଷ୍ଠୀ ଶିଖ ବିରାଜି  
 ପାଉଛନ୍ତି ଦୁର୍ବଳତା ଶିଖର  
 ପ୍ରଶଂସା ଶିବିର ବେଢ଼ି ଅଢ଼ୁଆ  
 ଶୋଭାପାଳେ ପାଉଛନ୍ତି ଅଢ଼ୁଆ  
 ଶିଖର ଶିବିର ଗୁଣଗୁଣ  
 ନୋବାଲ ବିଦ୍ୟପାଠରେ  
 ବୋଧହୁଏ। ଏ ଦିନ ଧରି  
 ଅଢ଼ୁଆ ଶିବିରରେ ବାଜୁଛି  
 ଶିଖର ଶିବିର ଧାଉଁଛି ଓ  
 ବେଶୁଆର ବୁଝେ, ବାଣୀକ  
 ଶିଖର ଗୁଣଗୁଣ ଶିଖର  
 ଶିଖର ଶିବିର ଶିଖର



|                              |                               |                            |
|------------------------------|-------------------------------|----------------------------|
| ବନ୍ଦଣି ଓ ଅନୁସାଧୁପଦ           | ଅନ୍ଧାବନ୍ଦା ବନ୍ଦାବନ୍ଦା         | ବନ୍ଦାବନ୍ଦାବନ୍ଦା ବନ୍ଦାବନ୍ଦା |
| ଭୂମି, ଶିଶୁପଦ ଅନୁସାଧୁପଦ       | ଶିଶୁପଦ ୪୨୦୫ ବନ୍ଦ              | ଅନ୍ଦାବନ୍ଦା ୧୫୫୫ ବନ୍ଦ       |
| ପ୍ରା. ଶିଶୁପଦ ବନ୍ଦ ବନ୍ଦାବନ୍ଦା | ପ୍ରା.ଶିଶୁପଦ ୫ ବନ୍ଦ ବନ୍ଦାବନ୍ଦା | ବନ୍ଦାବନ୍ଦା ୧୫୫୫ ବନ୍ଦ       |
| ପ୍ରା. ବନ୍ଦାବନ୍ଦା ବନ୍ଦାବନ୍ଦା  | ଶିଶୁପଦ ୫୫୫୫                   | ବନ୍ଦାବନ୍ଦା ୧୫୫୫            |

କର୍ମକ୍ଷେତ୍ରରେ କାର୍ଯ୍ୟରୁ ଅବସର ନେଇ ଏବଂ ଶିକ୍ଷାପ୍ରାପ୍ତି କରିବାକୁ

ଅନୁରା, ୫।୧୨ (ପ୍ରବାସ କୁମାର ଦାଶିତ)

ଓଡ଼ିଆ ଭୁବ ଏକାକୀର ପ୍ରାସଙ୍ଗିକ ଅବସ୍ଥିତି (ଉପସଙ୍ଗ) ଓ ସମସ୍ତ ଶିକ୍ଷା ଅନୁରଣ ନିବନ୍ଧ ଗୋଷ୍ଠୀ ଶିକ୍ଷା ବିଭାଗ ପକ୍ଷରୁ ଲିଖିତର ସମ୍ବେଦନଶୀଳତା ଓ ପାଠ୍ୟପୁସ୍ତକର ସଂଯୋଗାତ୍ମକତା ଦୃଷ୍ଟିରୁ ଶିକ୍ଷକ ପ୍ରତିଶିକ୍ଷଣ ଶିବିର ବର୍ଷିକ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଉଛି । ଗୋଷ୍ଠୀ ଶିକ୍ଷାବିଭାଗ ପକ୍ଷରୁ ଆୟୋଜିତ ଶିବିର ଶିକ୍ଷକମାନେ ପଢ଼ାବଳ ବିଦ୍ୟାପାଠ୍ୟରୁ

ଆସନ୍ତୁ ଏହି ପ୍ରସଙ୍ଗରେ । ଆମ ଦିନ ଧରି

ଅନୁଷ୍ଠାନଗୁଡ଼ିକର ସମାବେଶ ସିନା ସିନିଆର  
ଆରମ୍ଭ ଓ ଚଳଣିକୁ ନିଜେ ଦୃଷ୍ଟି  
ସମାବେଶ ସିନା ଗଠନର ପ୍ରାରମ୍ଭ  
କରୁଥିବା ବୃତ୍ତିର ସମାବେଶ ଚଳଣି  
ଅନୁଷ୍ଠାନଗୁଡ଼ିକର ଶୁଦ୍ଧି, ପରିଚାଳନା  
ବ୍ୟବସ୍ଥା ଓ ବିଭିନ୍ନ ସିନା ଗଠନର ସହଜ  
ପ୍ରକାର, ଗଠନର ଓ ସମାବେଶ ମଧ୍ୟରେ  
ସହାୟତା, ଶୁଦ୍ଧି ସିନା ଅନୁଷ୍ଠାନଗୁଡ଼ିକର  
ପ୍ରାଥମିକ ଗଠନ ଓ ସମାବେଶ  
ପ୍ରାଥମିକ ଗଠନ ଗଠନ, ଗଠନ ଗଠନ

ଉପରେ ହିସା ଓ ଭେଦଭାବନିବ  
ନୀତିମୂଳ ପ୍ରଭାବ, ଶିକ୍ଷାଧିକାର  
ସିନିଟିକିର ସମାନ ଶେଷରେ ସମ୍ପାଦନ  
ବେଳାକୁ ଅନୁସାରି, ପାଠ୍ୟକ୍ରମ ପ୍ରସ୍ତୁତି  
ଦୃଢ଼ତାରେ ଓ ବ୍ୟବସାୟ ଶିକ୍ଷାକୁ ଉପ  
ଉପରେ ଆଶାବଳୀ ଦେଖାଯାଏ।  
ଶିକ୍ଷକଙ୍କ ୪୨୭୫ ଜଣ ପ୍ରାଥମିକ ଓ  
ଉଚ୍ଚ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଶିକ୍ଷକଙ୍କୁ ଶିକ୍ଷକ ସମିତିର  
ଦୃଷ୍ଟିରେ ରଖିବା ଆବେଦନ ମାଗି,  
ସୁଦୃଢ଼ ପଦକ୍ଷେପ ଗ୍ରହଣ କରିବାକୁ  
ନୀତିମୂଳ ପ୍ରଭାବ ଓ ଭେଦଭାବନିବ

| क्रम संख्या | जिला       | शिक्षक प्रशिक्षण |
|-------------|------------|------------------|
| 1           | अंगुल      | 552              |
| 2           | बालासोर    | 771              |
| 3           | बारगढ़     | 569              |
| 4           | भद्रक      | 487              |
| 5           | बोलागिर    | 769              |
| 6           | बौध        | 264              |
| 7           | कटक        | 623              |
| 8           | देवगढ़     | 188              |
| 9           | ढेनकनाल    | 505              |
| 10          | गजपति      | 191              |
| 11          | गंजम       | 1150             |
| 12          | जगतसिंहपुर | 381              |
| 13          | जाजपुर     | 660              |
| 14          | झारसुगुडा  | 226              |



|    |             |              |
|----|-------------|--------------|
| 15 | कालाहांडी   | 616          |
| 16 | कंधमाल      | 596          |
| 17 | केंद्रपाड़ा | 564          |
| 18 | कैटुझर      | 815          |
| 19 | खोरधा       | 479          |
| 20 | कोरापुट     | 782          |
| 21 | मल्कानगिरी  | 394          |
| 22 | मयूरभंज     | 1198         |
| 23 | नबरंगपुर    | 559          |
| 24 | नयागढ़      | 370          |
| 25 | नुआपाड़ा    | 325          |
| 26 | पूरी        | 259          |
| 27 | रायगढ़      | 530          |
| 28 | संबलपुर     | 458          |
| 29 | सुबरनपुर    | 315          |
| 30 | सुंदरगारे   | 660          |
|    | <b>कुल</b>  | <b>16256</b> |

### कार्यकलाप ३.२८ & ३.२९: डीआरजी और केजीबीवी कर्मचारियों के लिए क्षमता निर्माण

लड़कियों के लिए एक सुरक्षित और सहायक सीखने के माहौल को बढ़ावा देने और आवासीय स्कूल सुविधाओं के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए, ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) ने शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ के दौरान लिंग संवेदनशीलता और बाल अधिकारों पर आत्मरक्षा और केजीबीवी कर्मचारियों पर जिला संसाधन समूह (डीआरजी) के सदस्यों को लक्षित करने वाली एक व्यापक क्षमता-निर्माण पहल को लागू किया।

**दो केंद्रित प्रशिक्षण हस्तक्षेपों की सुविधा के लिए विस्तृत दिशानिर्देश विकसित किए गए थे:**

#### 1. स्व-रक्षा पर डीआरजी का जिला-स्तरीय क्षमता निर्माण

राज्य के ३० जिलों में दिसंबर २०२५ में DRG सदस्यों को आत्मरक्षा में मास्टर ट्रेनर के रूप में तैयार करने के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। ये डीआरजी अब छात्राओं के लिए स्कूल स्तर का आत्मरक्षा प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए



सुसज्जित हैं, जिससे सरकारी स्कूलों में किशोर लड़कियों के बीच व्यक्तिगत सुरक्षा, आत्मविश्वास और जागरूकता को बढ़ावा मिलता है।



**ଲକ୍ଷ୍ମୀବାଇ ଆନ୍ତରକ୍ଷା ଓ ବର୍ଣ୍ଣାଳୀ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ଶିବିର ଉଦ୍‌ଘାଟିତ**

ପଦ୍ମପୁର, ୧୮।୧୨ (ଇମିଏ): ସ୍ଥାନୀୟ ସରକାରୀ ବାଲିକା ଉଚ୍ଚ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଶ୍ରୀମତୀ ଲକ୍ଷ୍ମୀବାଇ ଆନ୍ତରକ୍ଷା ଓ ବର୍ଣ୍ଣାଳୀ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ଶିବିର ଉଦ୍‌ଘାଟିତ ହୋଇଯାଇଛି। ବିଦ୍ୟାଳୟର କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ ପ୍ରଧାନ ଶିକ୍ଷକ ଗୋପାଳଜୀ ପ୍ରସାଦ ପାଣିଗ୍ରାହୀଙ୍କ ସଭାପତିତ୍ବରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ଉଦ୍‌ଘାଟନୀ ସଭାରେ ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ଭାବରେ ଅବସରପ୍ରାପ୍ତ ଉପଖଣ୍ଡ ସୂଚନା ଓ ଲୋକସଂପର୍କ ଅଧିକାରୀ ପୂର୍ଣ୍ଣବ୍ରତ୍ତ ପାଣିଗ୍ରାହୀ, ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ସମାଜସେବୀ ନିରୋଜ ଦୋରା, ଅବସରପ୍ରାପ୍ତ ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ଜିତେନ୍ଦ୍ରା ଦାସ, ଏସିଇଓ ଶିବପ୍ରସାଦ ଯୋଶୀ, ବିଶିଷ୍ଟ ଶିକ୍ଷକ ଶତପଥୀ ଓ ରାମ ସିଂ ଭୋଇ, ରାଜବୋତାସମ୍ବନ୍ଧ ଉଚ୍ଚ ବିଦ୍ୟାଳୟର କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ ପ୍ରଧାନ ଶିକ୍ଷକ ଅଭିନାଷ ସାହୁ, ଲେକ୍ସର କୋଅର୍ଡିନେଟର ସ୍ୱର୍ଣ୍ଣପ୍ରଭା ପଣ୍ଡା, ବର୍ଣ୍ଣାଳୀ ଟ୍ରେନିଂ ଇଣ୍ଟିମ ସଂଯୋଜକା ପ୍ରଜ୍ଞାପରିମିତା, ରାଜ୍ୟସ୍ତରୀୟ ବର୍ଣ୍ଣାଳୀ ସାଧନା କର୍ମୀ ଦୁର୍ଗାପ୍ରସାଦ ସହଜା, ଶିକ୍ଷକ ପ୍ରଶିକ୍ଷକ ବେଣୁଧର ବରିହା ଯୋଗଦାନ କରିଥିଲେ। ଉଭୟ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ଶିବିରର ଶିବିରାର୍ଥୀଙ୍କୁ ପ୍ରମାଣପତ୍ର ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଥିଲା। ଉକ୍ତ ତ୍ରିବିଧୀୟ ତାଲିମ ଶିବିରରେ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଝିଅ ମାନଙ୍କୁ ଆନ୍ତରକ୍ଷା ତାଲିମ ଦେବା ଓ ଲିଙ୍ଗଗତ ବିଷମତା ଦୂର କରିବା ପାଇଁ ତାଲିମ ଦିଆଯାଇଥିଲା। ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ଉଦୀନା ପଧାନ ସଭା ପରିଚାଳନା କରିଥିବା ବେଳେ ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ଜ୍ୟୋତ୍ସ୍ନାଗାଣୀ ସାହୁ ଧନ୍ୟବାଦ ଦେଇଥିଲେ। ବିଦ୍ୟାଳୟର ପୁରାତାଣୀ ନାୟକ, ସଂଯୁକ୍ତା ଭୋଇ, ମନାଷା ଭୋଇ, ଦୁର୍ଦାବତୀ ସାହୁ, ଖୁବୁ ବରିହା, ଜ୍ୟୋତିରେଖା ମହାନନ୍ଦ, ଅମନ ପଣ୍ଡା, ପ୍ରଭାତୀ ପଟ୍ଟନାୟକ, ମମତା ମିଶ୍ର, ଲାଲିନାରାଣୀ ମହାନ୍ତି, ସୁଷମା ଦାଶ, ଦୁଷ୍ମନ୍ତ ଛତର, କମଳା ପ୍ରମୁଖ ସହଯୋଗ କରିଥିଲେ।

## 2. लैंगिक संवेदनशीलता और बाल अधिकारों पर केजीबीवी कर्मचारियों की राज्य-स्तरीय क्षमता निर्माण

राज्य स्तर पर केजीबीवी छात्रावासों के प्रबंधन वाले प्रमुख कर्मियों की क्षमताओं के निर्माण के लिए एक संरचित दो चरण का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था:

- पहले चरण का आयोजन ३ से ८ अक्टूबर २०२४ तक किया गया था, जिसमें १५० प्रतिभागियों के साथ वार्डन और प्रकार III और IV केजीबीवी हॉस्टल के अधीक्षक शामिल थे।





- चरण II, २० से २५ जनवरी, २०२५ तक आयोजित किया गया था, जिसमें ओएवी के प्रिंसिपल और एचएमएस, टाइप III और IV केजीबीवी हॉस्टल के शिक्षक-प्रभारी, और १५० प्रतिभागियों के साथ टाइप IV केजीबीवी हॉस्टल के अधीक्षक शामिल थे।



प्रशिक्षण सत्रों में केजीबीवी में रहने वाले छात्रों, विशेष रूप से लड़कियों के कल्याण और विकास के लिए महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया:

- किशोर न्याय (जेजे) अधिनियम, POCSO अधिनियम और बाल अधिकार जैसे कानूनी ढांचे।
- वॉश (जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य) बुनियादी ढांचे और प्रथाओं को मजबूत करना।
- केजीबीवी परिचालन दिशानिर्देशों और विकास समितियों को समझना और कार्यान्वित करना।
- प्रभावी वित्तीय और छात्रावास प्रबंधन प्रक्रियाएं।
- सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया पर ध्यान देने के साथ स्कूल और छात्रावास की सुरक्षा सुनिश्चित करना।
- लक्षित समर्थन और परामर्श के माध्यम से केजीबीवी में लड़कियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से, बारनाली पहल का परिचय।

इन क्षमता-निर्माण प्रयासों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केजीबीवी हॉस्टल में स्कूल-स्तर और आवासीय सुविधा कर्मियों को लिंग-आधारित चिंताओं को संबोधित करने, बच्चों के अधिकारों को बनाए रखने और सभी छात्राओं के लिए सुरक्षित, समावेशी और सशक्त वातावरण बनाए रखने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित किया गया है।

### कार्यकलाप ३.३०: हेड मास्टर का प्रशिक्षण (माध्यमिक-सरकार + सरकारी सहायता प्राप्त)

माध्यमिक विद्यालय स्तर पर शैक्षणिक नेतृत्व और संस्थागत प्रशासन को बढ़ावा देने के उद्देश्यों के अनुरूप, ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) ने अक्टूबर २०२४ में 'संभाव' नामक एक विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किया। इस मॉड्यूल की संकल्पना एक राज्य-स्तरीय कार्यशाला के माध्यम से की गई और माध्यमिक शिक्षा निदेशालय (DSE), ओडिशा द्वारा इसकी गहन जाँच की गई। इसके बाद, ५ से ७ दिसंबर २०२४ तक आयोजित एक दूसरी राज्य-स्तरीय कार्यशाला में, विषय विशेषज्ञों और





**वरिष्ठ शैक्षणिक हितधारकों की सक्रिय भागीदारी के साथ, इसे अंतिम रूप दिया गया।**

**संभब मॉड्यूल** को माध्यमिक स्कूल हेडमास्टर्स की नेतृत्व क्षमता बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो उन्हें स्कूलों में परिवर्तनकारी परिवर्तन को चलाने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण शैक्षणिक, प्रशासनिक और संस्थागत दक्षताओं से लैस करता है। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय और राज्य शिक्षा प्राथमिकताओं, विशेष रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० में व्यक्त की गई थी, और इसका उद्देश्य अपने संस्थानों में उत्कृष्टता, समावेशिता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए स्कूल के नेताओं को तैयार करना था।



महाराजा संचार और प्रबंधन संस्थान (एमआईसीएम), भुवनेश्वर में ७ से १३ मार्च, २०२५ तक समभाब मॉड्यूल के तहत पांच दिवसीय जिला संसाधन समूह (डीआरजी) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। प्रतिभागियों में विभिन्न जिलों से नामांकित हेडमास्टर शामिल थे, जिन्हें स्कूल स्तर पर सीखने की उम्मीद है और अपने स्थानीय संदर्भों के भीतर अकादमिक नेताओं के रूप में कार्य करते हैं।

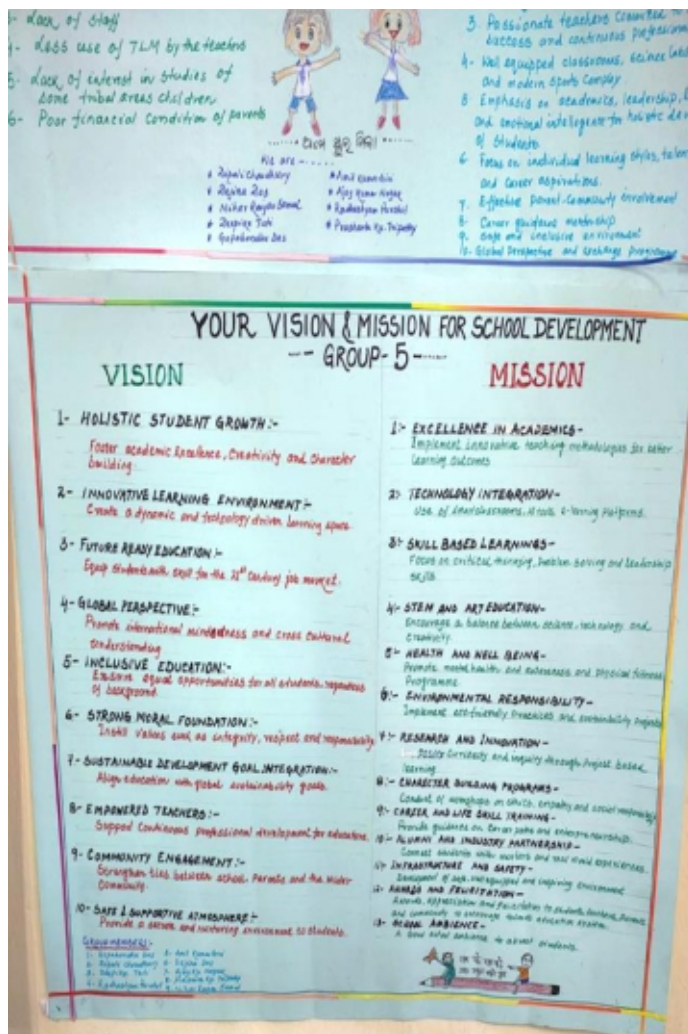






## संभव प्रशिक्षण में विषयगत क्षेत्रों का एक व्यापक सेट शामिल था:

- ब्लूम के वर्गीकरण और शैक्षणिक नेतृत्व, उच्च-क्रम सोच कौशल (HOTS) और योग्यता-आधारित शिक्षा पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।
- स्कूल सुरक्षा और बाल संरक्षण, सुरक्षा मानदंडों के अनुपालन और छात्रों के शारीरिक और भावनात्मक कल्याण की सुरक्षा पर जोर देना।
- शैक्षिक डेटा प्रणाली और शासन, जिसमें यूडीआईएसई +, एपीएएआर, पीजीआई और डेटा-संचालित निर्णय लेने के लिए एसडीजी ढांचे पर प्रशिक्षण शामिल है।
- सामाजिक-भावनात्मक और नैतिक शिक्षा (एसईएल), जिसका उद्देश्य स्कूल के वातावरण में भावनात्मक बुद्धि और नैतिक मूल्यों को एम्बेड करना है।
- एनईपी २०२० सुधार, संरचनात्मक और शैक्षणिक बदलावों और स्कूल नेतृत्व की विकसित भूमिका का विवरण।
- व्यावसायिक शिक्षा और कैरियर की तत्परता, माध्यमिक स्कूल पाठ्यक्रम के भीतर रोजगार कौशल और कैरियर के रास्ते को एकीकृत



करने के लिए। प्रशिक्षण भागीदारी और अनुभवात्मक शिक्षण के माध्यम से दिया गया था, जिसमें समूह चर्चा, केस-आधारित शिक्षा, सिमुलेशन और जिलों से सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना शामिल था। एससीईआरटी, ओसेपा और अग्रणी साझेदार संस्थानों के वरिष्ठ अकादमिक पेशेवरों ने सत्रों की सुविधा प्रदान की, जिससे सगाई और प्रासंगिकता के उच्च स्तर सुनिश्चित हुए। वित्त वर्ष २०२५-२६ में इन डीआरजी के माध्यम से जिला स्तर पर एचएमएस का प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

इस पहल ने स्कूल के नेताओं के भविष्य के लिए तैयार कैडर के निर्माण में एक महत्वपूर्ण कदम को चिह्नित किया है, जिससे उन्हें शिक्षण नीति को अभ्यास में बदलने और शिक्षण, सीखने और स्कूल प्रशासन में सुधार करने के लिए सशक्त बनाया गया है। संभव ने न केवल हेडमास्टर्स की क्षमताओं को बढ़ाया है, बल्कि उन्हें ओडिशा की विकसित स्कूली शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण परिवर्तन एजेंटों के रूप में भी तैनात किया है।

## कार्यकलाप ३.३१ & ३.३२: स्मार्ट क्लास का प्रावधान

- गतिविधि के निष्पादन के लिए उच्चतर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय को निधियां दी गई हैं। DHSE द्वारा कार्यान्वयन एजेंसी (OCAC) के माध्यम से अधिप्राप्ति प्रक्रिया शुरू की गई है।



### सरकार और सरकार सहायता प्राप्त स्कूलों में स्मार्ट कक्षाओं का जिलावार सार

| क्रम संख्या | जिला        | स्मार्ट क्लास के साथ अनुमोदित स्कूलों की संख्या | बजट (लाख रुपए में) |
|-------------|-------------|-------------------------------------------------|--------------------|
| 1           | अंगुल       | 6                                               | 18.00              |
| 2           | बालासोर     | 5                                               | 15.00              |
| 3           | बरगड        | 5                                               | 15.00              |
| 4           | भद्रक       | 9                                               | 27.00              |
| 5           | बोलांगीर    | 11                                              | 33.00              |
| 6           | बौध         | 2                                               | 6.00               |
| 7           | कटक         | 9                                               | 27.00              |
| 8           | देवगड       | 6                                               | 18.00              |
| 9           | ढेंकनाल     | 3                                               | 9.00               |
| 10          | गजपति       | 6                                               | 18.00              |
| 11          | गंजम        | 17                                              | 51.00              |
| 12          | जगतसिंहपुर  | 4                                               | 12.00              |
| 13          | जाजपुर      | 10                                              | 30.00              |
| 14          | झारसुगुडा   | 3                                               | 9.00               |
| 15          | कालाहांडी   | 10                                              | 30.00              |
| 16          | कंधमाल      | 5                                               | 15.00              |
| 17          | केंद्रपाड़ा | 5                                               | 15.00              |
| 18          | क्योंझर     | 9                                               | 27.00              |
| 19          | खोरधा       | 6                                               | 18.00              |
| 20          | कोरापुट     | 6                                               | 18.00              |
| 21          | मलकानगिरी   | 8                                               | 24.00              |
| 22          | मयूरभंज     | 9                                               | 27.00              |
| 23          | नबरंगपुर    | 11                                              | 33.00              |
| 24          | नयागड       | 3                                               | 9.00               |
| 25          | नुआपाड़ा    | 8                                               | 24.00              |
| 26          | पूरी        | 5                                               | 15.00              |
| 27          | रायगढ़      | 8                                               | 24.00              |
| 28          | सबलपुर      | 7                                               | 21.00              |
| 29          | सोनपुर      | 2                                               | 6.00               |
| 30          | सुंदरगढ़    | 12                                              | 36.00              |
| <b>कुल</b>  |             | <b>210</b>                                      | <b>630.00</b>      |

**कार्यकलाप 3.35: राष्ट्रीय पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क के अनुसार कक्षा IX और X की पाठ्यपुस्तकों का लेखन**

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क के अनुसार कक्षा 9 और 10 की विषय पाठ्यपुस्तकों के संपादन के लिए बीएसई (ओ) को धन जारी किया गया है।





## एसआईजी ४: मजबूत सेवा वितरण

### कार्यकलाप ४.१: डाइट पर आवासीय प्रशिक्षण सुविधाओं को मजबूत करना (नए छात्रावास का निर्माण)

इसके लिए फंड ओडिशा के टीई और एससीईआरटी को जारी किया गया है। डाइट, खोरधा में शिक्षक प्रतिभागियों के लिए १०० बिस्तरों वाले नए छात्रावास का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

### कार्यकलाप ४.४ & ४.७: कार्यक्रम प्रबंधन (पुनरावर्ती)

राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई (राज्य-पीएमयू), ओडिशा, सितारों के तहत २०२३- २४ में स्थापित किया गया था-स्टार्स योजना के तहत विभिन्न हस्तक्षेपों के लिए सहायता प्रदान करना। वर्तमान में, आठ सलाहकार प्रमुख विषयगत क्षेत्रों में योजना, समन्वय और कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिए लगे हुए हैं।

स्टार्स योजना के तहत गतिविधियों के सुचारू और समय पर निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए हितधारकों के बीच कार्यान्वयन, प्रगति पर नज़र रखने, अंतर विश्लेषण और अनुभव साझा करने के लिए नियमित कार्यशालाएं, सेमिनार और समीक्षा बैठकें।

कार्यालय रखरखाव, उपयोगिताओं, रिपोर्ट तैयार करने और प्रलेखन सहित आवर्ती परिचालन और प्रशासनिक व्यय, सितारों के नीचे कार्यक्रम प्रबंधन प्रमुख से मुलाकात की जा रही है।

### कार्यकलाप ४.१० & ४.१६: विद्या समिक्षा केंद्र (वीएसके) - (आवर्ती)

#### वीएसके का उद्देश्य

**विद्या समिक्षा केंद्र (वीएसके)** एक केंद्रीकृत निगरानी, नियंत्रण और कमांड सेंटर है। इसका उद्देश्य स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है। यह शिक्षा प्रणाली के विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन करने के लिए डेटा एनालिटिक्स और वास्तविक समय की निगरानी का लाभ उठाता है, जिसमें शामिल हैं:

- पाठ्यक्रम कार्यान्वयन
- शिक्षण के तरीके
- छात्र सीखने के परिणाम
- शिक्षकों और छात्रों की उपस्थिति
- स्कूल का बुनियादी ढांचा

कई स्रोतों से डेटा एकत्र और विश्लेषण करके, वीएसके शिक्षा विभागों और स्कूल प्रशासकों को कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि और प्रतिक्रिया प्रदान करता है। ये अंतर्दृष्टि में मदद करती हैं:

- शिक्षण और सीखने में अंतराल की पहचान करना
- शैक्षिक कार्यक्रमों की प्रभावशीलता को बढ़ाना
- छात्र सगाई और प्रदर्शन में सुधार
- बेहतर संसाधन आवंटन और बुनियादी ढांचे के विकास को सुनिश्चित करना



- वीएसके का अंतिम लक्ष्य राज्य में शिक्षा के समग्र मानक को बढ़ाने के लिए डेटा-संचालित निर्णय लेने को सक्षम करना है।

### VSK की कार्यक्षमता

विद्या समिक्षा केंद्र (वीएसके) सितंबर २०२१ से चालू है, जो एक समर्पित टीम और एकीकृत तकनीकी समाधानों के माध्यम से हितधारकों को केंद्रीकृत आभासी सहायता प्रदान करता है।



टीम संरचना:

- ९ सहयोगियों की एक टीम द्वारा संचालित
- के माध्यम से संचालन का समर्थन करता है: (i) **वर्चुअल फील्ड सपोर्ट (विफस)**, (ii) **इंटरएक्टिव वॉयस** स्वचालित कॉल रूटिंग और प्रतिक्रिया के लिए प्रतिक्रिया प्रणाली (आईवीआरएस)

### उपयोग किए गए तकनीकी उपकरण:

VSK संचालन को प्रबंधित और सुव्यवस्थित करने के लिए दो प्राथमिक तकनीकी समाधानों का उपयोग करता है:

- अमेयो** - इनबाउंड और आउटबाउंड कॉलिंग, कॉल ट्रांसफर, कॉन्फ्रेंसिंग और विस्तृत कॉल ट्रेकिंग और रिपोर्टिंग के लिए उपयोग की जाने वाली एक वेब-आधारित कॉल प्रबंधन प्रणाली।
- आर्चीज़ समाधान - अमेयो** के साथ एकीकृत एक सीआरएम मंच, एक एकीकृत डैशबोर्ड के माध्यम से हितधारक विवरण, ऑनबोर्डिंग, सामग्री प्रबंधन, अनुवर्ती और कार्य ट्रेकिंग के प्रबंधन के लिए उपयोग किया जाता है।

| गतिविधियाँ पूर्ण हुईं                                                |
|----------------------------------------------------------------------|
| कॉलिंग सेट की गई                                                     |
| वीएसके की स्थापना                                                    |
| वीएसके स्थापना के लिए अलग / पर्याप्त स्थान                           |
| डेटा संग्रहण के लिए अलग सर्वर                                        |
| वीएसके के लिए परिचालित हार्डवेयर / कंप्यूटर / नेटवर्किंग का प्रावधान |
| स्टार्टर पैक (एनसीआईआरटी द्वारा प्रदान किया गया)                     |
| वीडियो वॉल स्थापित की गई                                             |

### तकनीकी उपकरण का कार्य

#### अमेयो आवेदन अवलोकन:

**अमेयो** एप्लिकेशन एक वेब-आधारित कॉलिंग प्लेटफ़ॉर्म है जिसका व्यापक रूप से एसोसिएट्स द्वारा **इनबाउंड** और **आउटबाउंड** दोनों कॉल को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने के लिए उपयोग किया जाता है। यह संगठन के भीतर सुव्यवस्थित संचार और कॉल प्रबंधन का समर्थन करने के लिए कई आवश्यक सुविधाओं को एकीकृत करता है।



## मुख्य विशेषताएं:

- **कॉल प्रबंधन:**
  - इनबाउंड और आउटबाउंड कॉल का समर्थन करता है।
  - एकाधिक उपयोगकर्ताओं के साथ कॉल ट्रांसफर और कॉन्फ्रेंसिंग की अनुमति देता है।
  - गैर-कार्यालय घंटों के दौरान उपयुक्त विभाग (जैसे, इनबाउंड कॉल के लिए SSDL) को कॉल के ऑटो अग्रेषण को सक्षम करता है।
- **डेटाबेस पहुँच:**
  - सभी कॉल रिकॉर्ड्स तक पूर्ण पहुँच प्रदान करता है।
  - कनेक्ट नहीं किए गए कॉल्स के कारण ट्रेक और संग्रहीत करता है।
  - कैप्चर करता है और उपयोगकर्ता की स्थितिका प्रबंधन करता है, जैसे:
- वापस कॉल करें
- निर्धारित कॉलबैक
- कोई दिलचस्पी नहीं है
- अनुवर्ती आवश्यक, आदि .
- **उत्पादकता उपकरण:**
  - कॉल रूटिंग और अग्रेषण नियम यह सुनिश्चित करने के लिए कि कॉल्स सही टीमों को निर्देशित किए गए हैं।
  - चल रही कॉल गतिविधियों में वास्तविक समय दृश्यता।
  - गुणवत्ता निगरानी और विश्लेषिकी के लिए कॉल इतिहास की लॉगिंग और पुनर्प्राप्ति।

## आर्चीज़ आवेदन अवलोकन :

**आर्चीज़** एप्लिकेशन एक वेब-आधारित सीआरएम (ग्राहक संबंध प्रबंधन) प्रणाली है जो अमेयो कॉल मैनेजर एप्लिकेशन के साथ मूल रूप से एकीकृत है। यह भागीदारों के लिए एक केंद्रीकृत मंच के रूप में कार्य करता है ताकि हितधारक इंटरैक्शन का प्रबंधन किया जा सके और अद्यतन रिकॉर्ड को कुशलता से बनाए रखा जा सके।

## मुख्य विशेषताएं:

- **अमेयो के साथ एकीकरण:**
  - सीधे संचार और डेटा सिंक्रनाइज़ेशन के लिए अमेयो कॉल प्रबंधन प्रणाली के साथ जुड़ा हुआ है।
- **हितधारक प्रबंधन:**
  - एसोसिएट्स को सभी हितधारकों के विवरण को अपडेट और प्रबंधित करने की अनुमति देता है।
  - यह सुनिश्चित करता है कि भविष्य के संदर्भ के लिए सभी संचार और सगाई इतिहास दर्ज किया गया है।
- **व्यापक डैशबोर्ड:**
  - प्रमुख परिचालन क्षेत्रों के प्रबंधन के लिए एक केंद्रीकृत दृश्य प्रदान करता है:
- **ऑनबोर्डिंग** - हितधारकों की ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया को ट्रैक और प्रबंधित करें।
- **सामग्री** - प्रासंगिक सामग्री और जानकारी तक पहुंच और वितरित करें।





- **अनुवर्ती** - हितधारकों के साथ अनुवर्ती गतिविधियों की निगरानी और अनुसूची।
- **कार्य** - हितधारक सगाई से संबंधित कार्यों पर प्रगति बनाएं, असाइन करें और ट्रैक करें।

### वीएसके उपलब्धियां

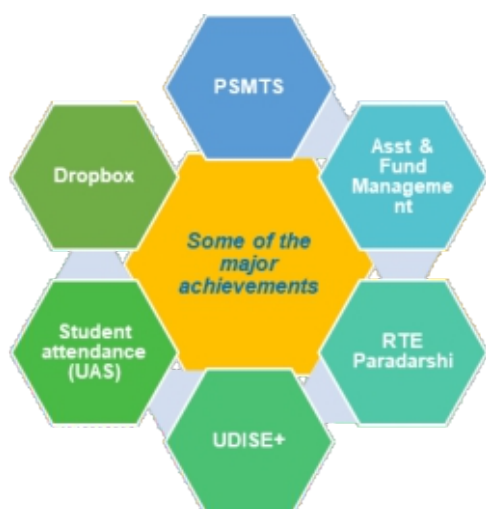
अपनी स्थापना के बाद से, **विद्या समिक्षा केंद्र (वीएसके)** ने लगातार अपने परिचालन दायरे का विस्तार किया है और कॉलिंग और तकनीकी असाइनमेंट दोनों में लगातार प्रदर्शन किया है।

### संचयी उपलब्धियां (वित्त वर्ष २०२४-२५ तक):

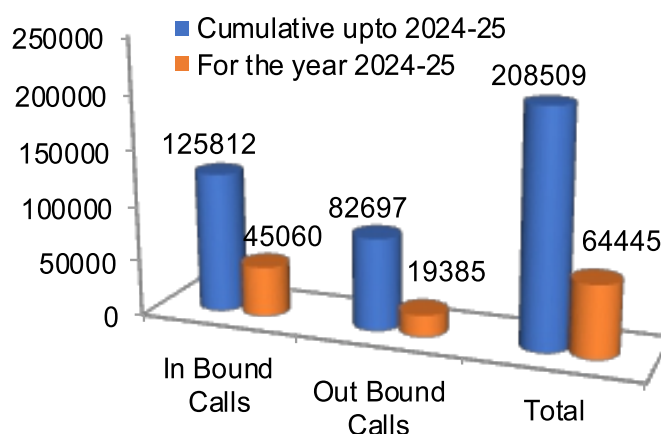
- २९० से अधिक कॉलिंग असाइनमेंट पूर्ण किए गए
- १४२ से अधिक तकनीकी असाइनमेंट वितरित किए गए

### वित्त वर्ष २०२४-२५ में प्रदर्शन:

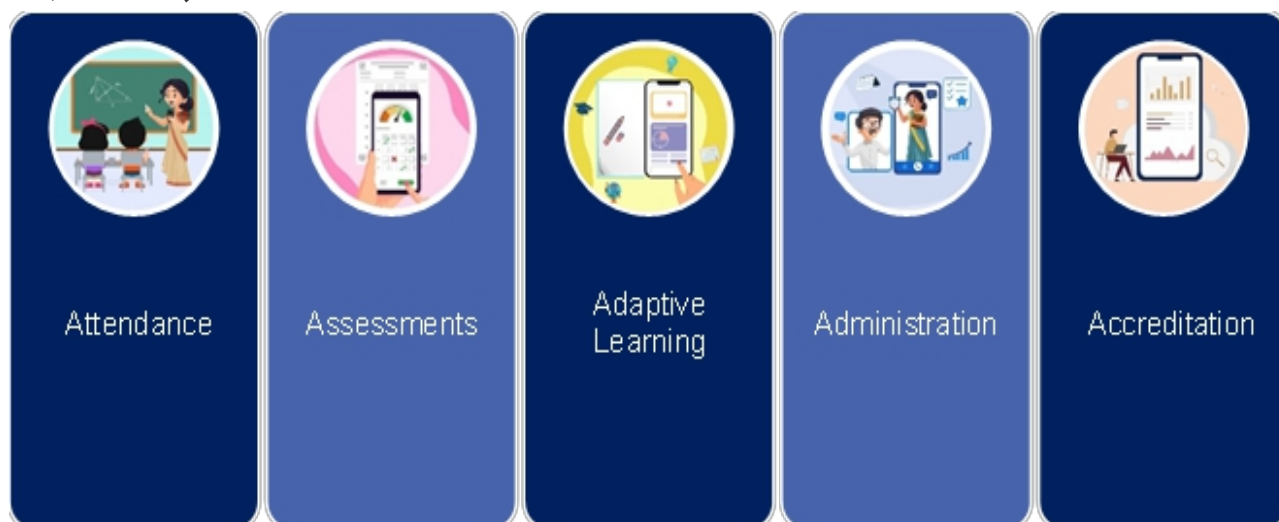
- १४४ कॉल असाइनमेंट सफलतापूर्वक निष्पादित किए गए
- ७६+ तकनीकी असाइनमेंट पूर्ण



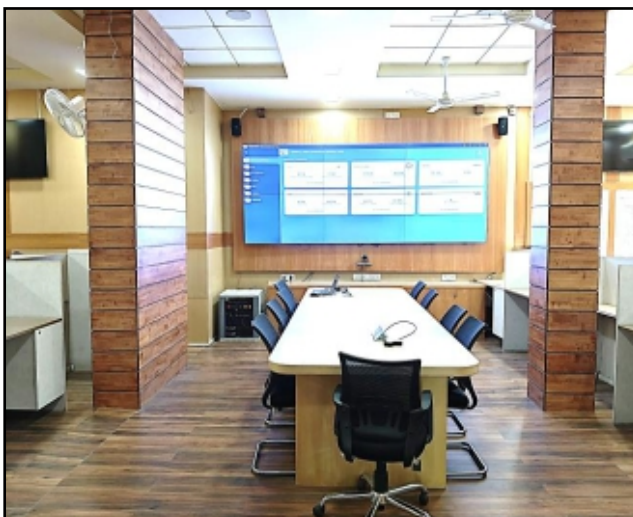
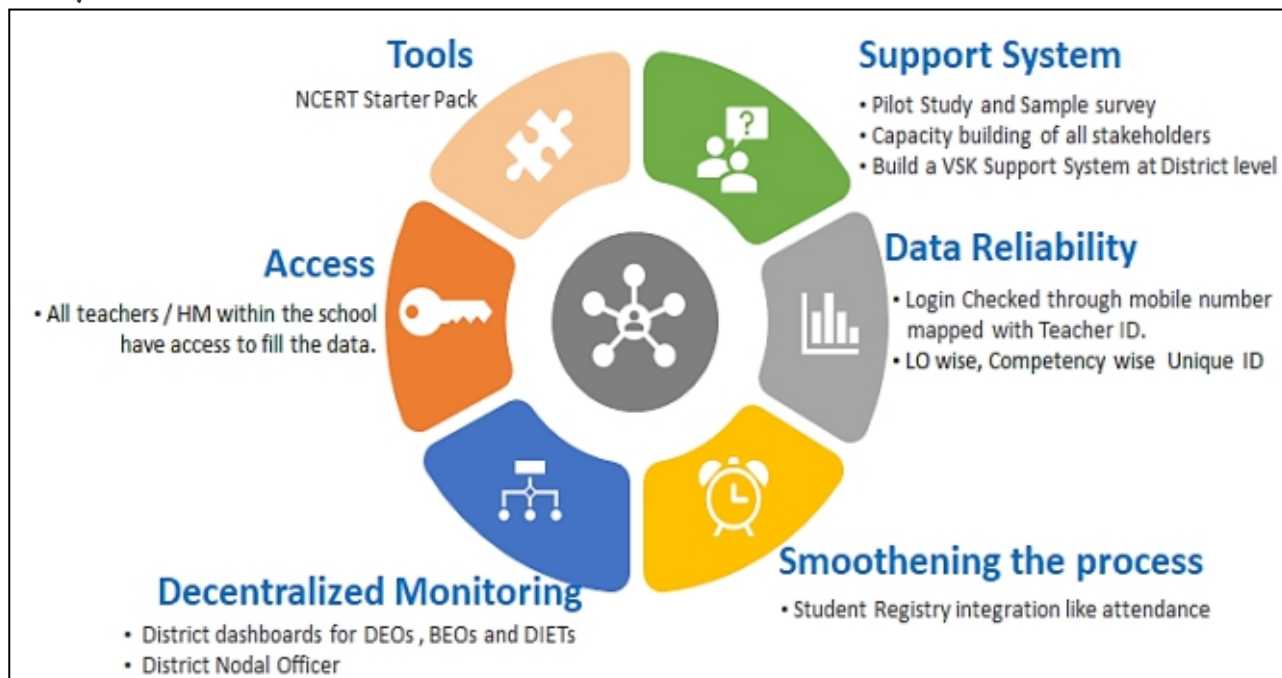
### VSK CALL STATUS - 2024-25



### वीएसके के उद्देश्य



## डेटा एकत्र करने की रणनीति





### कार्यकलाप ४.१७: गैर-राज्य अभिकर्ता का मूल्यांकन

जवाबदेही, साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण को बढ़ावा देना, और एसआईजी IV के तहत उल्लिखित उद्देश्यों के अनुसार: एसआईजी मैनुअल में सेवा वितरण को मजबूत करते हुए ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) ने गैर-राज्य अभिकर्ता का मूल्यांकन शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य विभिन्न गैर-सरकारी संस्थाओं के योगदान और प्रभावशीलता का आकलन करना है, जिन्होंने ओसेपा और स्कूल और जन शिक्षा विभाग (एस एंड एमई), ओडिशा सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, और स्कूल शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।

इसे सुविधाजनक बनाने के लिए, प्रस्ताव के लिए एक विस्तृत अनुरोध (आरएफपी) विकसित किया गया था, और शैक्षिक कार्यक्रमों के मूल्यांकन और मूल्यांकन में स्थापित विशेषज्ञता के साथ प्रतिष्ठित सरकारी संस्थानों को ब्याज की अभिव्यक्ति (ईओआई) जारी की गई थी। वित्तीय बोली प्रक्रिया के बाद, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), भुवनेश्वर को तीसरे पक्ष के मूल्यांकनकर्ता के रूप में चुना गया, जो एल १ बोलीदाता के रूप में था।

आईआईटी भुवनेश्वर क्षमता निर्माण, सीखने के परिणाम, सामुदायिक जुड़ाव, डिजिटल शिक्षा और छात्र सहायता सेवाओं जैसे प्रमुख विषयगत क्षेत्रों को कवर करते हुए एक व्यापक मूल्यांकन करेगा। इसके लिए ८ अप्रैल, २०२५ को ओडिशा में स्कूली शिक्षा से जुड़े सभी गैर-राज्य अभिकर्ता और आईआईटी, भुवनेश्वर के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ओसेपा सम्मेलन हॉल, भुवनेश्वर में एक प्रारंभिक चर्चा बैठक की गई।



मूल्यांकन वित्तीय वर्ष २०२५-२६ के दौरान किया जाएगा, और इसकी अंतर्दृष्टि से राज्य के भविष्य की साझेदारी रणनीतियों को गैर-राज्य अभिकर्ता के साथ महत्वपूर्ण रूप से सूचित करने, कार्यक्रम प्रभावशीलता को बढ़ाने और ओडिशा के व्यापक शिक्षा नीति लक्ष्यों के साथ मजबूत संरेखण सुनिश्चित करने की उम्मीद है।



### कार्यकलाप ४.१९: शैक्षिक प्रशासकों का प्रशिक्षण

स्कूल शिक्षा में नेतृत्व और शासन को मजबूत करने के लिए ओडिशा की प्रतिबद्धता के अनुरूप, ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) ने शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ के दौरान शैक्षिक प्रशासकों के लिए संरचित अभिविन्यास और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला शुरू की। इन पहलों का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२०, समग्र शिक्षा और राज्य के स्कूल परिवर्तन रोडमैप के तहत सुधारों को चलाने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और उपकरणों के साथ विभिन्न स्तरों पर प्रशासकों को सशक्त बनाना है। प्रशासनिक क्षमताओं का निर्माण करके और प्रमुख नीतियों और कार्यान्वयन रणनीतियों की साझा समझ को बढ़ावा देकर, कार्यक्रमों ने राज्य भर में सेवा वितरण, शैक्षणिक निगरानी और संस्थागत प्रभावशीलता को बढ़ाने की मांग की।

९ और १० अप्रैल, २०२४ को जिला शिक्षा अधिकारियों-सह-जिला परियोजना समन्वयकों (डीईओ-सह-डीपीसी) के लिए दो दिवसीय राज्य स्तरीय अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिला स्तर पर शैक्षिक कार्यक्रमों के निष्पादन की देखरेख करने के लिए जिम्मेदार ये अधिकारी नीतिगत ढांचे, योजना और निगरानी तंत्र के विभिन्न पहलुओं पर उन्मुख थे। इन सत्रों में यूडीआईएसई+ के आंकड़ों का उपयोग करते हुए रणनीतिक योजना, निपुण भारत के माध्यम से मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता के एकीकरण, स्कूल सुरक्षा, ड्रॉपआउट रोकथाम रणनीतियों, कार्यक्रम कार्यान्वयन और निधि उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया। स्कूल क्वालिटी असेसमेंट (SQA) टूल का उपयोग करने और अकादमिक पर्यवेक्षण के माध्यम से स्कूलों का समर्थन करने पर भी जोर दिया गया था। प्रशिक्षण पूर्ण चर्चा, इंटरैक्टिव प्रस्तुतियों और अनुभव साझा मंचों के माध्यम से दिया गया था, जो ओसेपा, एससीईआरटी और विशेषज्ञ संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों और संसाधन व्यक्तियों द्वारा सुविधाजनक था।





इसके अलावा, ३१ मई और १ जून २०२४ को दो चरणों में डीपीसी और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों (बीओएस) सहित १२७ शैक्षिक प्रशासकों के लिए एक राज्य स्तरीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य संस्थागत नेतृत्व की अपनी समझ को गहरा करना, अकादमिक शासन में अपनी भूमिका को मजबूत करना और प्रभावी परियोजना निष्पादन और वित्तीय प्रबंधन के लिए क्षमताओं का निर्माण करना था। प्रशिक्षण में एनईपी २०२० के कार्यान्वयन, निगरानी में आईसीटी के एकीकरण, समावेशी शिक्षा प्रथाओं और स्कूल सेटिंग्स में मानसिक कल्याण पर सत्र शामिल थे। मामले के अध्ययन, परिदृश्य विश्लेषण और समूह चर्चाओं से जुड़े एक सहभागी दृष्टिकोण ने प्रतिभागियों को व्यवहार में नीति को प्रासंगिक बनाने और उनकी स्थानीय चुनौतियों और समाधानों पर प्रतिबिंबित करने में सक्षम बनाया।

इन प्रयासों की सराहना करते हुए, ६३ नव नियुक्त बीईओ और हेडमास्टर्स के लिए एक व्यापक राज्य स्तरीय प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम २५ अप्रैल से ९ मई २०२४ तक मधुसूदन दास क्षेत्रीय वित्तीय प्रबंधन अकादमी (एमडीआरएफएम), भुवनेश्वर में आयोजित किया गया था। इस पहल को मूलभूत प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया था

शैक्षिक नीतियों, शासन प्रणालियों, वित्तीय प्रक्रियाओं और शैक्षणिक जिम्मेदारियों पर नए भर्ती क्षेत्र स्तर के अधिकारियों के लिए अभिविन्यास।





प्रशिक्षण में एफएलएन, एसईएल और समावेशी शिक्षा सहित डेटा आधारित योजना, स्कूल-स्तरीय निर्णय लेने, डिजिटल शासन और छात्र समर्थन हस्तक्षेपों के महत्व पर जोर दिया गया। सत्र एक मिश्रित शैक्षणिक मॉडल का उपयोग करके वितरित किए गए थे जिसमें विशेषज्ञ वार्ता, पैनल चर्चा, भूमिका निभाता है, और व्यावहारिक मामले के अध्ययन शामिल थे, स्कूल और ब्लॉक स्तरों पर प्रभावी नेतृत्व के लिए तत्परता सुनिश्चित करना।







साथ में, ये कार्यक्रम राज्य के रणनीतिक फोकस को उत्तरदायी, अच्छी तरह से सूचित और प्रेरित शैक्षिक प्रशासकों के कैडर को विकसित करने पर दर्शाते हैं जो नीति सुधारों को लागू करने और ओडिशा में गुणवत्ता सीखने के परिणामों को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन पहलों ने बेहतर शैक्षिक नेतृत्व, जवाबदेही, नवाचार और स्कूल प्रशासन में समावेशिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आधार तैयार किया है।

### कार्यकलाप ४.२९: अन्य राज्यों/राष्ट्रीय संस्थानों को आईईसी और बीआरपी का एक्सपोजर दौरा

२०२४-२५ के दौरान समावेशी शिक्षा के अंतर्गत क्षमता निर्माण पहल के एक भाग के रूप में, ओडिशा की तीन टीमों ने, जिनमें प्रत्येक टीम में १४ सदस्य शामिल हैं, जिनमें जिला समावेशी शिक्षा समन्वयक और ब्लॉक संसाधन व्यक्ति शामिल हैं, विकलांगता और समावेशी प्रथाओं के क्षेत्र में काम करने वाले अन्य राज्यों और राष्ट्रीय संस्थानों के अनुभव दौरों में भाग लिया।

टीमों ने समावेशी शिक्षा कार्यक्रमों को लागू करने में राज्य-विशिष्ट सर्वोत्तम प्रथाओं पर अंतर्दृष्टि को समझने और इकट्ठा करने के लिए ३ चरणों में कर्नाटक, उत्तराखंड और महाराष्ट्र का दौरा किया। इन यात्राओं ने विशेष जरूरतों वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) को समर्थन देने, सहायक प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करने और सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करने के लिए प्रभावी रणनीतियों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की।

एक्सपोजर दौरों के दौरान, टीमों ने राष्ट्रीय महत्व के कुछ प्रमुख संस्थानों का दौरा किया, जिनमें शामिल हैं:

- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग (एआईआईएसएच), मैसूर - उन्नत भाषण और सुनवाई के हस्तक्षेप के लिए व्यावहारिक जोखिम प्राप्त करने के लिए।
- राष्ट्रीय दृश्य विकलांग सशक्तिकरण संस्थान (एनआईपीवीडी), देहरादून नेत्रहीन शिक्षार्थियों के लिए अभिनव शैक्षिक एड्स, सुलभ सीखने की सामग्री, और व्यावसायिक प्रशिक्षण मॉडल के बारे में जानने के लिए।
- अली यावर जंग नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग डिसेबिलिटी (एजिनिशड), मुंबई - सुनवाई हानि वाले शिक्षार्थियों के लिए विशेष पुनर्वास और शैक्षिक दृष्टिकोण को समझने के लिए।

सितंबर और अक्टूबर २०२४ के दौरान आयोजित, इन यात्राओं ने ओडिशा टीमों के पेशेवर ज्ञान और कौशल को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। राज्य स्तरीय समावेशी शिक्षा रणनीतियों में मदद करने के लिए सीखने से महत्वपूर्ण सीख मिलने की उम्मीद है, जिससे ओडिशा भर में समावेशी शिक्षा के लिए सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार होगा।





### कार्यकलाप ४.३०: राज्य स्तर पर आईई और विकेंद्रीकृत योजना पर सलाहकार बैठक / कार्यशाला

स्टार्स योजना के तहत, राज्य भर में ३४३ दृष्टिहीन छात्रों को २०२३-२४ में ब्रेल लैपटॉप प्राप्त हुए। २०२४-२५ में, इन छात्रों और उनके माता-पिता को लैपटॉप के उपयोग और रखरखाव पर तीन दिन का जिला-स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया था।





### कार्यकलाप ४.३१: ब्लॉक स्तर पर कार्यरत सी.डब्ल्यू.एस.एन. के लिए ब्लॉक संसाधन केंद्र पर आवर्ती व्यय

ब्लॉक स्तर पर सीडब्ल्यूएसएन के लिए संसाधन केंद्र के लिए मासिक आवर्ती व्यय में कार्यालय स्टेशनरी, सैनिटरी आपूर्ति, प्रिंटर कारतूस, बिजली के बिल, इंटरनेट, डीटीएच शुल्क आदि सहित आवश्यक परिचालन लागत शामिल हैं।

### कार्यकलाप ४.३२: टाइप III केजीबीवी को मजबूत करना

ओडिशा में लड़कियों की शिक्षा के बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता को बढ़ाने के प्रयासों के तहत, स्टार्स योजना के तहत परियोजना अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) ने राज्य भर में टाइप- III कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) के रखरखाव और मरम्मत को मंजूरी दी। ₹४४७५.०० लाख के कुल बजट के साथ बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने और नवीनीकरण के लिए २२ जिलों में फैले कुल १७९ केजीबीवी को मंजूरी दी गई है। इन हस्तक्षेपों का उद्देश्य हाशिए के समुदायों की लड़कियों के समग्र विकास का समर्थन करने के लिए सुरक्षित, समावेशी और शिक्षार्थी के अनुकूल वातावरण प्रदान करना है।

#### उद्देश्यों

- समय पर रखरखाव और मरम्मत के माध्यम से टाइप- III केजीबीवी भवनों की संरचनात्मक सुरक्षा और कार्यात्मक पर्याप्तता सुनिश्चित करना।
- केजीबीवी में नामांकित लड़कियों के लिए आवासीय और शैक्षणिक बुनियादी ढांचे में सुधार करना, जिससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच बढ़ सके।
- लड़कियों की शिक्षा में इकटि, सुरक्षा और गरिमा के लक्ष्यों के साथ संरेखित अनुकूल सीखने के वातावरण बनाने के लिए।
- क्षेत्र आकलन और हितधारक परामर्श के माध्यम से पहचाने गए बुनियादी ढांचे के अंतराल को संबोधित करके मौजूदा सुविधाओं को मजबूत करना।

#### कार्यान्वयन प्रगति

स्टार कार्यक्रम के तहत परियोजना अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) द्वारा प्रस्ताव की मंजूरी के बाद, टाइप- III कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) के सुदृढ़ीकरण और रखरखाव के लिए विस्तृत दिशानिर्देश तैयार किए गए और जिलों के बीच प्रसारित किए गए।

इन आवंटनों के तहत जिला और ब्लॉक स्तरों पर सूक्ष्म योजना का आयोजन किया गया ताकि व्यक्तिगत केजीबीवी की ढांचागत जरूरतों का मूल्यांकन किया जा सके और उन्हें प्राथमिकता दी जा सके। निष्कर्षों के आधार पर, विभिन्न प्रकार के रखरखाव हस्तक्षेपों के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार किए गए थे। इनमें ग्रेडिंग, खुली जगहों का निर्माण, विट्रीफाइड टाइल फ्लोरिंग, छत और शौचालय की मरम्मत, प्लास्टरिंग, रीवायरिंग और इलेक्ट्रिकल अपग्रेड और क्षतिग्रस्त दरवाजों और खिड़कियों के प्रतिस्थापन शामिल हैं। प्रत्येक मरम्मत योजना को संबंधित केजीबीवी की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया गया था, जिसमें किशोर लड़कियों के लिए सुरक्षित, कार्यात्मक और समावेशी आवासीय वातावरण बनाने का लक्ष्य था। इन सबमिशन के आधार पर, जिला-विशिष्ट सीमा निर्धारण कुशल और आवश्यकता-आधारित योजना और निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए किया गया था। कुल स्वीकृत बजट ₹४४७५.०० लाख था, जिसमें राज्य भर में १७९ केजीबीवी शामिल थे।

कार्यान्वयन चरण वर्तमान में चल रहा है, जिसमें जिलों में विभिन्न चरणों में सिविल कार्य प्रगति कर रहे हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि कार्य गुणवत्ता मानकों, समयसीमा और लागत मानदंडों का पालन करें। संरचनात्मक मरम्मत के अलावा, कई



केजीबीवी भी शौचालय नवीनीकरण, कक्षा और छात्रावास नवीनीकरण, विद्युतीकरण सुधार, पेंटिंग और पानी की आपूर्ति में सुधार, आवश्यकता के आधार पर चल रहे हैं।

यह बुनियादी ढांचा केंद्रित पहल हाशिए और वंचित समुदायों की लड़कियों के लिए शिक्षा की निरंतरता का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह शिक्षा में समानता, समावेश और गुणवत्ता के लिए राज्य के दृष्टिकोण के साथ गठबंधन है, जैसा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० में व्यक्त किया गया है। इन संस्थानों की कार्यक्षमता और सुरक्षा में सुधार करके, परियोजना के परिणामस्वरूप उच्च नामांकन और प्रतिधारण, बेहतर आवासीय और सीखने के अनुभव और अंततः लड़कियों के बीच सीखने के परिणामों में सुधार होने की उम्मीद है। यह ओडिशा में शिक्षा के माध्यम से लड़कियों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए एक प्रमुख समर्थक के रूप में काम करेगा।

### केजीबीवी को मजबूत करने के अनुमोदन का जिला-वार सार

| क्रम संख्या | जिला       | केजीबीवी की संख्या | बजट (लाख रुपए में) |
|-------------|------------|--------------------|--------------------|
| 1           | अंगुल      | 2                  | 50.00              |
| 2           | बलांगीर    | 13                 | 325.00             |
| 3           | बालासोर    | 3                  | 75.00              |
| 4           | बारगढ़     | 4                  | 100.00             |
| 5           | भद्रक      | 1                  | 25.00              |
| 6           | बौध        | 3                  | 75.00              |
| 7           | देवगढ़     | 2                  | 50.00              |
| 8           | ढेनकनाल    | 1                  | 25.00              |
| 9           | गजपति      | 7                  | 175.00             |
| 10          | गंजम       | 17                 | 425.00             |
| 11          | जाजपुर     | 2                  | 50.00              |
| 12          | कालाहांडी  | 13                 | 325.00             |
| 13          | कंधमाल     | 11                 | 275.00             |
| 14          | क्योंझर    | 10                 | 250.00             |
| 15          | कोरापुट    | 14                 | 350.00             |
| 16          | मलकानगिरी  | 7                  | 175.00             |
| 17          | मयूरभंज    | 26                 | 650.00             |
| 18          | नबरंगपुर   | 11                 | 275.00             |
| 19          | नुआपाड़ा   | 5                  | 125.00             |
| 20          | रायगढ़     | 11                 | 275.00             |
| 21          | सोनपुर     | 6                  | 150.00             |
| 22          | सुंदरगढ़   | 10                 | 250.00             |
|             | <b>कुल</b> | <b>179</b>         | <b>4475.00</b>     |





### कार्यकलाप ४.३४: बुनियादी ढांचे का सुदृढीकरण

२०२४-२५ में स्टार्स के तहत पीएबी ने ६ स्कूलों के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और उन्नयन को मंजूरी दी। काम के दायरे में सीमा की दीवारों का निर्माण, खेल के मैदानों का विकास, भवन रखरखाव, बाला हस्तक्षेप, जल निकासी सुविधाएं शामिल हैं। बहुउद्देशीय रिक्त स्थान, फर्नीचर का प्रावधान, अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण (एसीआर), लड़कों, लड़कियों और सीडब्ल्यूएसएन छात्रों के लिए अतिरिक्त शौचालय, स्मार्ट कक्षाओं की स्थापना, विद्युतीकरण, डाइनिंग हॉल आदि प्रस्तावों को अंतराल के अनुसार प्रस्तुत किया गया था और आवश्यकताओं को प्रत्येक स्कूल के लिए पहचाना जाता है। पीएबी की मंजूरी के अनुसार जिला स्तर पर सीमा निर्धारण किया गया और क्रियान्वयन शुरू किया गया

| क्रम संख्या | जिले का नाम | जिले का नाम                                               | यूडीआईएसई कोड | स्वीकृत बजट (लाख रुपये में) |
|-------------|-------------|-----------------------------------------------------------|---------------|-----------------------------|
| 1           | अंगुल       | बालासिंघा नोडल हाई स्कूल                                  | 21150102901   | 95.00                       |
| 2           | अंगुल       | सरकारी हाई स्कूल, मणिनाथपुर हाई स्कूल, बागेडिया, छेंदीपदा | 21150400101   | 99.00                       |
| 3           | बोलांगीर    | तुस्तापाली सरकारी एनयूपी स्कूल, साईतला                    | 21241210101   | 55.50                       |
| 4           | कालाहांडी   | केसिंगा पीएस                                              | 21261601101   | 74.00                       |
| 5           | खोरधा       | सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय, भलियाबाड़ी                 | 21171500901   | 58.00                       |
| 6           | संबलपुर     | सरकारी उर्दू पीएस, भुटापाड़ा, धनकौड़ा                     | 21031400402   | 50.00                       |
| कुल         |             |                                                           |               | 431.50                      |

### कार्यकलाप ४.३६: केजीबीवी हॉस्टलों के लिए आईसीटी सुविधा का प्रावधान

सीखने के माहौल में सुधार करने और टाइप III कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) हॉस्टल में रहने वाली लड़कियों के लिए डिजिटल अंतर को कम करने के लिए, २०२४-२५ के दौरान आईसीटी सुविधाएं प्रदान की गईं। इसका उद्देश्य छात्रों को आधुनिक शिक्षण उपकरणों तक पहुंच प्रदान करना, अपने डिजिटल कौशल का निर्माण करना और प्रौद्योगिकी-आधारित शिक्षा के माध्यम से अपनी पढ़ाई का समर्थन करना था।

प्रत्येक छात्रावास में ३ डेस्कटॉप कंप्यूटर और यूपीएस, एक प्रिंटर और आवश्यक फर्नीचर प्रदान किए गए थे। इसके अलावा, ई-लर्निंग, ऑनलाइन अनुसंधान और आभासी गतिविधियों वाले छात्रों की मदद करने के लिए इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित की गई थी। खरीद और स्थापना ओडिशा कंप्यूटर एप्लीकेशन सेंटर (OCAC), ई एंड आईटी विभाग, ओडिशा सरकार के तकनीकी निदेशालय के माध्यम से की गई थी।



छात्रों ने प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में बढ़ाया आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया है, जो उनके अकादमिक प्रदर्शन और भविष्य की रोजगार क्षमता में सकारात्मक योगदान देने की उम्मीद है।

यह पहल विशेष रूप से समान और समावेशी शिक्षा प्रदान करने के दृष्टिकोण के साथ संरेखित है, जिससे राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० के व्यापक लक्ष्यों में योगदान मिलता है।







वर्ष २०२४-२५ में स्टार्स के तहत अनुपूरक पीएबी के दौरान, कटक में रेवेनशॉ गर्ल्स हाई स्कूल को एक विरासत स्कूल के रूप में विकसित करने के लिए ८६९०.५२ लाख रुपये के बजट को मंजूरी दी। इनमें हॉस्टल बिल्डिंग, साइट डेवलपमेंट, स्टाफ क्वार्टर रेनोवेशन, साइकिल शेड आदि शामिल हैं। यह कार्य ओडिशा ब्रिज एंड कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओबीसीसी), ओडिशा द्वारा लागू किया जाएगा।





## एसआईजी ५: व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण

### कार्यकलाप ५.१: हैकथॉन

"ओडियाप्रेन्योर - ए स्मार्ट ओडिशा हैकथॉन ३.०" ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा निर्देशालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक अभिनव राज्य स्तरीय पहल है, जिसमें उत्कल विश्वविद्यालय, ओडिशा कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (ओयूएटी) और ओडिशा प्रौद्योगिकी और अनुसंधान विश्वविद्यालय (ओयूटीआर) से तकनीकी सहायता है। यह कार्यक्रम फरवरी से मई २०२५ तक स्कूल से राज्य तक विभिन्न स्तरों पर आयोजित किया जाना है।

उच्च माध्यमिक छात्रों के लिए एक राज्य स्तरीय हैकथॉन, ओडियाप्रेन्योर। इसमें उच्च माध्यमिक छात्रों को अक्षय ऊर्जा स्रोतों और प्रौद्योगिकी के अन्य विषयों से संबंधित अभिनव विचारों और समाधानों के साथ आने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन की गई घटनाएं और गतिविधियां शामिल हैं। यह छात्रों को उनके विचारों के लिए प्रोटोटाइप या व्यावसायिक मॉडल विकसित करने पर टीमवर्क के लिए एक मंच भी प्रदान करेगा। इस कार्यक्रम का लक्ष्य छात्रों में उद्यमशीलता की विशेषताओं को आत्मसात करना है, जिससे उन्हें चुनौतियों का समाधान करने के लिए महत्वपूर्ण सोच के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। ओडियाप्रेन्योर में भागीदारी विज्ञान, कला, वाणिज्य और अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में ११ वीं कक्षा के उच्च माध्यमिक छात्रों के लिए खुली है।

### ओडियाप्रेन्योर ३.० के उद्देश्य

- **नवाचार संवर्धन:** छात्रों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं के लिए उपन्यास विचारों और व्यावहारिक समाधानों का प्रस्ताव करने के लिए प्रोत्साहित करें, विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में।
- **कौशल संवर्धन:** तकनीकी, विश्लेषणात्मक और डिज़ाइन-सोच कौशल का अभ्यास और सुधार करने के लिए एक सहयोगी मंच प्रदान करें।
- **उद्यमी मानसिकता:** प्रतिभागियों को व्यवहार्यता, स्केलेबिलिटी और उनके विचारों के प्रभाव के बारे में सोचने में मदद करके एक उद्यमी दृष्टिकोण को बढ़ावा देना।





- **वास्तविक दुनिया आवेदन:** समुदाय और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए तेजी से प्रोटोटाइप और विकास को बढ़ावा देना।

#### विज़न:

- **क्रिएटिव माइंड्स और टीमवर्क:** एक मंच की सुविधा जहां छात्र टीमों में काम करना सीखते हैं, गंभीर रूप से सोचते हैं, और अपनी रचनात्मकता को उजागर करते हैं।
- **प्रौद्योगिकी भवन:** छात्रों को प्रौद्योगिकी-आधारित नवाचार के लिए व्यावहारिक जोखिम प्राप्त करने में सक्षम बनाएं, भविष्य की तत्परता को बढ़ावा दें।
- **उद्यमिता संस्कृति:** स्कूल स्तर पर एक उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करें जो छात्रों को आदर्श, नवाचार और नेतृत्व करने के लिए प्रेरित करता है। **ओडियाप्रेन्योर ३.० के उद्देश्य**

'ओडियाप्रेन्योर' ३.० के आयोजन के लिए, डीएचएसई के सम्मेलन हॉल में निर्देशक, उच्च माध्यमिक शिक्षा, ओडिशा की अध्यक्षता में ३१.०१.२०२५ को सुबह ११.३० बजे स्मार्ट ओडिशा हैकाथॉन २०२४-२५ पर एक बैठक आयोजित की गई। 'ओडियाप्रेन्योर' ३.० में उच्चतर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, ओडिशा (DHSE (O) नोडल एजेंसी है।



#### हैकाथॉन-३.० के लिए थीम:

- कृषि
- खाद्य प्रसंस्करण
- डेयरी फार्मिंग
- ग्रामीण विकास
- पशुपालन
- मत्स्य पालन
- स्वास्थ्य देखभाल
- अक्षय / सतत ऊर्जा।
- पहुंच, ई-कॉमर्स और साइबर सुरक्षा
- स्वयं सहायता समूह
- स्मार्ट शिक्षा
- आपदा प्रबंधन
- स्वदेशी खिलौने और खेल
- अपशिष्ट प्रबंधन

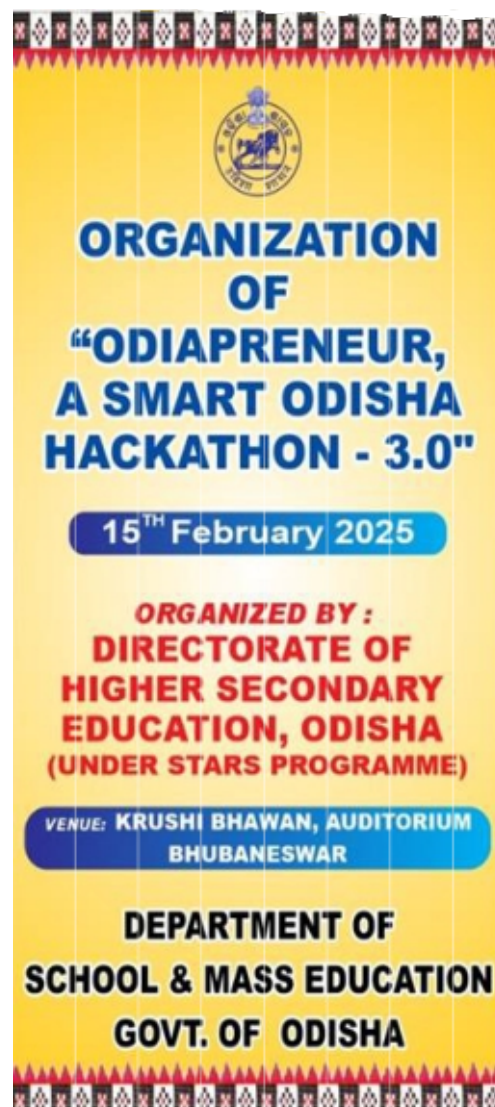






### चर्चा और कार्रवाई बिंदु

- ओडिशा के उच्चतर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय द्वारा १५ फरवरी, २०२५ के दौरान ओडिशा के कृषि भवन, भुवनेश्वर में स्टार कार्यक्रम के तहत ओडियाप्रेन्योर,ए स्मार्ट ओडिशा हैकथॉन -३.० के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
- उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर; ओडिशा कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (ओयूएटी), भुवनेश्वर और ओडिशा प्रौद्योगिकी और अनुसंधान विश्वविद्यालय (ओयूटीआर), भुवनेश्वर, स्कूल स्तर पर राज्य टीम, जिला टीम और संरक्षक शिक्षकों और परियोजनाओं के विकास के लिए छात्रों को तकनीकी सहायता प्रदान करेंगे।
- उपरोक्त संस्थान जिला स्तर के अधिकारी (डीईओ या जिला स्तर पर उच्च माध्यमिक शिक्षा के एडीईओ प्रभारी), हैकथॉन में ज्ञान रखने वाले दो नोडल नेताओं (पीजीटी) और एचएसएस के दो छात्र जो जिला स्तर पर राजदूत के रूप में कार्य करेंगे, अन्य छात्रों को स्कूल स्तर पर हैकथॉन के लिए परियोजना विकसित करने के लिए बढ़ावा देंगे।
- विचारों के पंजीकरण के पूरा होने के बाद, संबंधित एचएसएस के प्रधानाचार्य विचारों की संक्षिप्त सूची बनाने के लिए अपने स्तर पर एक तकनीकी टीम का गठन करेंगे। तकनीकी टीम विचारों की जाँच करेगी। छात्र/टीम अपने विचार टीम के समक्ष प्रस्तुत कर





सकते हैं। जाँच के बाद, प्रत्येक एचएसएस से १ से ५ विचारों को पोर्टल के माध्यम से जिला-स्तरीय भागीदारी के लिए अनुमोदित किया जा सकता है। विचारों की संक्षिप्त सूची ३१.०३.२०२५ तक पूरी कर ली जाएगी।

- ओआईसी, पीएमयू एसएएमएस, एसएएमएस टीम और ओसीएसी के परामर्श से, ओडियाप्रेन्योर ३.०, एक स्मार्ट ओडिशा हैकथॉन-२०२४-२५ में भाग लेने के लिए विचारों के पंजीकरण हेतु एक वेब पोर्टल विकसित करेंगे। वेब पोर्टल का विकास पूरा हो जाएगा और विचारों का पंजीकरण फरवरी के अंतिम सप्ताह से शुरू होगा।
- स्कूलों द्वारा अनुमोदित सभी विचारों को प्राप्त करने के बाद, जिला टीम ने तकनीकी भागीदारों के समर्थन से जिला स्तर के हैकथॉन में भाग लेने के लिए २० से ४० विचारों को शॉर्टलिस्ट किया। पूर्व-जांच चयन समिति आवश्यकतानुसार वर्चुअल मोड में मिल सकती है।
- जिला स्तरीय हैकथॉन में विचारों की प्रस्तुति के लिए चयनित छात्र / टीम को प्रोटोटाइप के विकास के लिए ५००० रुपये का श्रेय दिया जाएगा।
- निर्णय के अनुसार पुरस्कार राशि जिला स्तर और राज्य स्तर पर तदनुसार होगी:

### जिला स्तर

1<sup>st</sup>: Rs 15000  
2<sup>nd</sup>: Rs 10000  
3<sup>rd</sup>: Rs 5000

### राज्य स्तर

1<sup>st</sup>: Rs 50000  
2<sup>nd</sup>: Rs 30000  
3<sup>rd</sup>: Rs 10000

डीएचएसई एक तकनीकी टीम का गठन करेगा, जिसमें प्रत्येक जिले के लिए उपरोक्त संस्थानों के संकाय सदस्य शामिल होंगे, जो व्हाट्सएप वार्तालाप और आभासी बैठकों के माध्यम से छात्रों के समर्थन और मार्गदर्शन के लिए होंगे।

- प्रत्येक जिला सामूहिक निर्णय जिला स्तर के अनुसार १ से ५ या ६ परियोजनाओं को नामित करेगा, उपरोक्त संस्थानों के तकनीकी व्यक्तियों सहित जूरी सदस्य।
- जिला स्तरीय हैकथॉन का आयोजन ३० अप्रैल, २०२५ तक किया जाएगा और राज्य स्तरीय हैकथॉन का आयोजन १ मई, २०२५ के सप्ताह में किया जाएगा।





## ସ୍ଥାର୍ତ୍ତ ଓଡ଼ିଶା ହାକାଥନ୍ ୩.୦ ପାଇଁ ଦିଗ୍ଦର୍ଶନ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୫/୭ (ଭୁବଲୋ): ଓଡ଼ିଆ ପ୍ରେତ୍ତ୍ୱତ୍ତ୍ୱ: ଏ ସ୍ଥାର୍ତ୍ତ ଓଡ଼ିଶା ହାକାଥନ୍ ୩.୦ ପାଇଁ ଏକ ଦିଗ୍ଦର୍ଶନ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଛି । ଚଳିତବର୍ଷ ହାକାଥନ୍ରେ ବୃଷ୍ଟି, ଶାନ୍ତ ପ୍ରତିଷ୍ଠାକରଣ, ଚାନ୍ଦରା, ସ୍ଥାପନ ବିକାଶ, ପ୍ରାଣୀ ସମ୍ପଦ, ମାଧ୍ୟମ ପାଳନ, ବାୟୁ, ଅକ୍ଷୟ ଶକ୍ତି, ଉ-କର୍ମ, ସାଫତା ସମସ୍ୟା, ମହିଳା ବୃଦ୍ଧ ସହଯୋଗ ଗୋଷ୍ଠୀ, ସ୍ଥାର୍ତ୍ତ ଶିକ୍ଷା, ବିପର୍ଯ୍ୟୟ ପରିଚାଳନା, ବର୍ତ୍ତମାନ ପରିଚାଳନା ନେଇ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ପ୍ରବନ୍ଧ ପ୍ରଦର୍ଶନ କରିବେ । ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ନିର୍ଦ୍ଦେଶାଳୟ ପକ୍ଷରୁ ଆୟୋଜିତ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଡିପ୍ଟାବ୍ଲୁ ପ୍ରତିନିଧି, ଶିକ୍ଷା ଅଧିକାରୀ, ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ, ଉଚ୍ଚତମ ଦିଗ୍ଦର୍ଶନାଳୟ, ଓଡ଼ିଆ, ଓଡ଼ିଆର ଆଦି ଅନୁଷ୍ଠାନରୁ ବିଶେଷଜ୍ଞ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ । ଏହି ଅବସରରେ ଓଡ଼ିଆ ପ୍ରେତ୍ତ୍ୱତ୍ତ୍ୱ ବ୍ୟବସ୍ଥା



ଏକ ଦିଗ୍ଦର୍ଶନ ପ୍ରଦର୍ଶିତ ହୋଇଥିଲା ।

ବୃଷ୍ଟି ଉପରେ ଆୟୋଜିତ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ପରିଷଦ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଶ୍ରଦ୍ଧା ନନ୍ଦ କହିଲେ, ପିଲାଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ପ୍ରଚାର ରହିଛି । ଏହାକୁ ପରିସ୍ପଷ୍ଟ କରିବାର ମାଧ୍ୟମ ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ହେବ । ଜଗନ୍ନାଥ ଶିକ୍ଷା

ନୀତି ୨୦୨୦ରେ ଧରାମୁଚକ ଶିକ୍ଷା ଓ ପକ୍ଷତାକୁ ପ୍ରୋତ୍ସାହନ ଦିଆଯାଇଛି । ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଦ୍ୱାରା ପିଲାଙ୍କ ପକ୍ଷତା ବିକାଶ ହେବା ସହ ଜ୍ଞାନର ପରିସାରା ବୃଦ୍ଧି ହେବ । ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ରଘୁରାମ ଆର୍ କହିଲେ, ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅରମ୍ଭ କରିବାର

ଅନା ରାଜ୍ୟ ଦେଶରେ ଦିଗ୍ଦର୍ଶନ । ଏହା କେବଳ ବିଜ୍ଞାନ ମୋଡା ଦୁହେଁ, ବ୍ୟବ ପ୍ରବନ୍ଧାଳୟରୁ ପ୍ରକାଶ କରିବାର ଏକ ପ୍ରାବର୍ତ୍ତନ । କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଓଡ଼ିଆ ସ୍ଥାନୀୟପତ୍ର ଶିକ୍ଷା ପରାମର୍ଶଦାତା କମିଟି ପ୍ରକାଶକ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ । ଅତିରିକ୍ତ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ବିଶ୍ୱଜିତ୍, ଗୋଷ୍ଠୀ ଧନ୍ୟବାଦ ଦେଇଥିଲେ ।

### ଓଡିଆପ୍ରେନ୍ୟୋର ୨୦୨୩ କେ बारे में

ଓଡିଆପ୍ରେନ୍ୟୋର - एक स्मार्ट ओडिशा हैकथॉन २०२३, स्टार्स कार्यक्रम के तहत ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) की एक प्रमुख पहल थी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य भर के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त उच्च माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के बीच नवाचार, महत्वपूर्ण सोच और उद्यमशीलता कौशल को बढ़ावा देना है।

इस हैकाथन ने विज्ञान, कला, वाणिज्य और व्यावसायिक विषयों में कक्षा ११ और १२ से रचनात्मक दिमाग को एक साथ लाया ताकि अभिनव विचारों का प्रस्ताव किया जा सके और प्रोटोटाइप और व्यावसायिक मॉडल विकसित किए जा सकें। इन विषयों में नवीकरणीय ऊर्जा, साइबर सुरक्षा, अभिगम्यता, स्मार्ट कृषि सहित समकालीन चुनौतियों का एक विस्तृत स्पेक्ट्रम शामिल है। डिजिटल आपूर्ति श्रृंखला, जलवायु परिवर्तन, स्मार्ट हेल्थकेयर, स्व-सहायता समूह, और पर्यावरण स्थिरता। कार्यक्रम की संरचना में मंथन सत्र, कार्यशालाएं, विशेषज्ञ वार्ता और सलाह शामिल थी - छात्रों को टीमों में काम करते समय बॉक्स से बाहर सोचने के लिए प्रोत्साहित करना।





कार्यान्वयन प्रक्रिया २३ दिसंबर २०२२ को आईआईआईटी भुवनेश्वर में एक किक-ऑफ बैठक के साथ शुरू हुई, जहां निष्पादन पद्धति, मूल्यांकन मानदंड और नमूना समस्या के माध्यम से जिला और राज्य स्तरीय टीमों के साथ साझा किया गया। १,२०० से अधिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों ने भाग लिया, जिसमें लगभग १,९०० परियोजना नामांकन प्राप्त हुए। पंजीकृत टीमों ने आधिकारिक ओडियाप्रीनूर वेबसाइट के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रत्येक परियोजना टीम को बी.टेक और पीएच.डी. से जुड़े सलाहकारों, आईआईआईटी के संकाय सदस्यों और उच्च माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सौंपा गया था, जबकि राज्य स्तर के सलाहकारों में विभिन्न क्षेत्रों के उद्योग विशेषज्ञ शामिल थे।

जनवरी २०२३ में जिला स्तरीय हैकथॉन कार्यक्रम आयोजित किए गए थे, जहां छात्र टीमों ने आईआईआईटी संकाय और माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के प्रतिनिधियों के मूल्यांकन पैनलों से पहले अपने विचार रखे। गूगल और माइक्रोसॉफ्ट के वक्ताओं सहित उद्योग के नेताओं से प्रेरक वार्ता से सत्र समृद्ध हुए। मूल्यांकन नवाचार, व्यवहार्यता, उत्पादन-तत्परता, स्केलेबिलिटी,



नवीनता जैसे मानदंडों पर केंद्रित है, स्पष्टता, और विचार की सुसंगतता। परियोजनाओं को विकसित करने वाले सभी छात्रों को रु। प्रत्येक जिले की शीर्ष तीन टीमों को रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रत्येक जिले की शीर्ष तीन टीमों को उनके प्रोटोटाइप विकास का समर्थन करने के लिए ५,००० रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। १५,००० (प्रथम पुरस्कार), १ रु. १०,००० (२ दूसरा पुरस्कार), और रु। ५,००० (३वां पुरस्कार) प्रत्येक जिले की सर्वश्रेष्ठ टीमों ने राज्य स्तरीय हैकथॉन में भाग लिया, जहां ८ से १० सबसे आशाजनक परियोजनाओं का चयन किया गया। राज्य स्तर पर पुरस्कार राशि रु। प्रथम पुरस्कार के लिए ५०,००० रुपये। दूसरे के लिए ३०,०००, और रु। तीसरे के लिए १०,०००।

ओडियाप्रेन्योर २०२३ का प्रभाव महत्वपूर्ण था। इस पहल ने १,२८८ उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के लगभग ४,४८३ छात्रों को अपने अभिनव विचारों को भाग लेने और प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया। आईआईआईटी भुवनेश्वर और उद्योग विशेषज्ञों द्वारा तैयार ३,२३३ विचारों और ८०२ शॉर्टलिस्ट परियोजनाओं का एक समृद्ध भंडार, अब भविष्य के छात्रों और शिक्षकों के लिए एक संदर्भ बैंक के रूप में कार्य करता है। नकद पुरस्कार और पुरस्कारों के प्रावधान ने छात्रों को प्रेरित करने और एक उद्यमी मानसिकता को पोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे उन्हें आत्मविश्वास और रचनात्मकता के साथ वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

ओडियाप्रेन्योर २०२३ ने सफलतापूर्वक नवाचार और प्रौद्योगिकी-आधारित समाधानों का पता लगाने के लिए युवा दिमागों के लिए एक समावेशी और गतिशील मंच बनाया। उद्यमशीलता की विशेषताओं को प्रेरित करके और सहयोगी समस्या-समाधान को बढ़ावा देकर, इस पहल ने २१ वीं सदी के कौशल के निर्माण और ओडिशा में भविष्य के लिए तैयार छात्र समुदाय को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



## ओडियाप्रेन्योर २.०, २०२४ का अवलोकन

ओडिएप्रीनूर २.० – ओडिशा भर में उच्च माध्यमिक छात्रों के बीच नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए चल रही पहल के हिस्से के रूप में एक स्मार्ट ओडिशा हैकथॉन २०२४ का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम का नेतृत्व उच्चतर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय (डीएचएसई) ने ओडिशा प्रौद्योगिकी और अनुसंधान विश्वविद्यालय (ओयूटीआर), भुवनेश्वर के सहयोग से किया और एसआरएआरएस परियोजना के तहत ओडिशा सरकार के स्कूल और जन शिक्षा विभाग द्वारा समर्थित किया गया। हैकाथन ने छात्रों के लिए नवाचार, महत्वपूर्ण सोच और तकनीकी अनुप्रयोग के माध्यम से वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

हैकथॉन को कई इंटरैक्टिव गतिविधियों जैसे कि मंथन सत्र, कार्यशालाएं, आमंत्रित व्याख्यान और विशेषज्ञ प्रस्तुतियों को शामिल करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। इन कार्यक्रमों ने छात्रों को एक गतिशील वातावरण प्रदान किया ताकि वे नए समाधानों को आदर्श, सीख सकें और पेश कर सकें। ओडिशा प्रौद्योगिकी और अनुसंधान विश्वविद्यालय, ओडिशा



प्रौद्योगिकी और अनुसंधान अधिनियम, २०२१ के माध्यम से स्थापित, इस कार्यक्रम के राज्य स्तरीय समारोह की मेजबानी की, प्रौद्योगिकी के नेतृत्व वाली शिक्षा और छात्र-नेतृत्व नवाचार को मजबूत करने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

इस कार्यक्रम के बाद कई चरणों में स्कूल स्तर और जिला स्तर की प्रतियोगिताओं के साथ शुरुआत हुई। इन स्तरों से, ओडिशा के सभी ३० जिलों के १२६ छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया गया था

राज्य स्तरीय हैकाथॉन, ५६ समर्पित शिक्षकों द्वारा समर्थित है, जिन्होंने इस प्रक्रिया के माध्यम से उन्हें सलाह दी और निर्देशित किया। राज्य स्तर पर कुल ८४ नवीन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जो छात्रों की रचनात्मकता और समस्या को सुलझाने की क्षमताओं को दर्शाती हैं। इस कार्यक्रम को व्यापक



रूप से एक प्रगतिशील पहल के रूप में मान्यता दी गई थी जिसका उद्देश्य तकनीकी समाधानों के माध्यम से सामाजिक आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए युवा दिमागों की प्रतिभाओं का उपयोग करना था।

राज्य स्तरीय फाइनल प्रतियोगिता में ओडिशा शिक्षा विद्यालय, झारगढ़ी, नुआपाड़ा के अकांक्ष प्रियदासिनी मल्लिक, मन्याता खामारी और मौसुमी पाणिग्रही ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ५०,००० दूसरा इनाम एक लाख रुपए का है। पंचायत गवर्नमेंट



हायर सेकेंडरी स्कूल केदुआपाड़ा, बरकोटे, देवगढ़ से सीमा महकुल, शिखा पात्रा, और नवीन महकुल को ३०,००० से सम्मानित किया गया। तीसरा इनाम एक लाख रुपए का है। १०,००० श्री चंद्रशेखर हायर सेकेंडरी स्कूल, बंटाला, अंगुल से तपस्विनी साहू के पास गए। इसके अलावा, पांच अन्य प्रतिस्पर्धी टीमों को रुपये से सम्मानित किया गया। ५,००० प्रत्येक उनके उल्लेखनीय योगदान की मान्यता में।

ओडियाप्रेन्योर २.० ने अपने पूर्ववर्ती की सफलता पर निर्माण जारी रखा, छात्रों को उद्यमशीलता की सोच का पता लगाने, सामाजिक रूप से प्रभावशाली समाधान विकसित करने और नवाचार की दुनिया के संपर्क में आने के लिए एक संरचित मंच प्रदान किया। इस पहल ने छात्रों के बीच रचनात्मकता, टीमवर्क और ज्ञान के अनुप्रयोग की संस्कृति को मजबूत किया और २१ वीं सदी की दक्षताओं को बढ़ावा देने में राज्य के निरंतर निवेश का प्रदर्शन किया।





### छात्र प्रतिभागियों द्वारा अनुभव साझा करना:

वर्ष **2024** के दौरान हैकथॉन के छात्र प्रतिभागी ओम श्री रणवीर सिंह।

उन्होंने ओडिशा सरकार और डीएचएसई को छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करने के साथ-साथ प्राकृतिक आपदाओं जैसी पहचान की गई समस्याओं के कारण होने वाली चुनौतियों का समाधान प्रदान करने के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। यह ओडिशा में एक अनूठा कार्यक्रम है जो छात्र डेवलपर्स, जो भविष्य के स्टार्टअप / उद्यमी हैं, को एक बेहतर समाज के लिए समाधान बनाने के लिए एक साथ लाता है। उन्होंने इस हैकथॉन से कई चीजें सीखी हैं।

विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के विभिन्न चुनौतियों और प्रभावों के समाधान खोजने के प्रयास में, ओम श्री ने एक इच्छुक प्रणाली के बारे में सोचा कि वह भारी हवा की गति से घर को बचाने के लिए एक बाधा के रूप में काम करेगी। हैकथॉन में व्यक्तिगत स्वास्थ्य और सामुदायिक कल्याण पर जोर देने के साथ प्राकृतिक आपदाओं से रोकने, जवाब देने और ठीक करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। हैकथॉन के दौरान विकसित समाधान राज्य की आपदा प्रबंधन तैयारियों में और योगदान देंगे। जबकि प्राकृतिक आपदाएं अपरिहार्य हैं, उनका प्रभाव प्रौद्योगिकी के माध्यम से कम हो सकता है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्पाद ने दूसरा पुरस्कार जीता।

## कार्यकलाप ५.२: कैरियर मार्गदर्शन पर शिक्षकों की क्षमता निर्माण और जागरूकता

कैरियर मार्गदर्शन छात्रों को उनके अकादमिक और पेशेवर वायदा के बारे में सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। स्कूल स्तर पर कैरियर जागरूकता और परामर्श के बढ़ते महत्व को स्वीकार करते हुए, ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण, स्कूल और जन शिक्षा विभाग ने राज्य भर में स्कूल शिक्षकों की क्षमता बनाने के लिए एक केंद्रित पहल की। इस पहल का उद्देश्य कैरियर मार्गदर्शन को स्कूल शिक्षा प्रणाली के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में एकीकृत करना है, जो शिक्षकों को कैरियर सलाहकारों के रूप में सेवा करने के लिए लैस करता है।

### उद्देश्य

प्रशिक्षण पहल का प्राथमिक उद्देश्य माध्यमिक ग्रेड के शिक्षकों को अपने कैरियर की योजना यात्रा में छात्रों को प्रभावी ढंग से मार्गदर्शन करने के लिए आवश्यक ज्ञान, उपकरण और कौशल से लैस करना था। इस पहल ने शिक्षकों को उनके व्यक्तिगत हितों, योग्यता और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के आधार पर छात्र निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करने के लिए सशक्त बनाने की मांग की। यह कल्पना की गई थी कि अच्छी तरह से सूचित मार्गदर्शन के माध्यम से, छात्रों को उनकी आकांक्षाओं और वास्तविकताओं के साथ गठबंधन करने के लिए उपयुक्त कैरियर विकल्प बनाने के लिए बेहतर स्थिति होगी।

### विशिष्ट लक्ष्य

- छात्रों के भविष्य और शैक्षणिक प्रेरणाओं को आकार देने में कैरियर मार्गदर्शन के महत्व पर जोर देना।
- शिक्षकों के निर्माण के लिए 'सोर्सिंग' में दक्षताओं, क्यूरेटिंग, और छात्रों के साथ सटीक और अद्यतन कैरियर से संबंधित जानकारी साझा।
- व्यावहारिक और व्यक्तिगत कैरियर रोडमैप डिजाइन करने में छात्रों की सहायता करने के लिए शिक्षकों की क्षमता विकसित करना।
- कक्षाओं में कैरियर चर्चाओं के लिए एक इंटरैक्टिव, गतिविधि-आधारित शैक्षणिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना।
- **प्रशिक्षण प्रारूप और कार्यान्वयन रणनीति**

प्रशिक्षण कार्यक्रम को एक दिवसीय गहन क्षमता निर्माण कार्यशाला के रूप में संरचित किया गया था और भुवनेश्वर में २० और २१ जनवरी २०२५ को लगातार दो चरणों में आयोजित किया गया था। इसे सैद्धांतिक इनपुट, हाथों पर गतिविधियों, केस-आधारित चर्चाओं और इंटरैक्टिव मॉड्यूल के मिश्रण के माध्यम से प्रभावी ज्ञान हस्तांतरण सुनिश्चित करने के लिए विकसित किया गया था।

### राज्य स्तरीय प्रशिक्षण (चरण I)

- कार्यक्रम के पहले चरण में जिला संसाधन समूह (डीआरजी) के सदस्यों के प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें प्रत्येक ब्लॉक से एक हेडमास्टर (एचएम) शामिल था, जिसे नामित नोडल स्कूलों से चुना गया था, और उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों में नेतृत्व क्षमता थी। इन प्रतिभागियों को बाद के जिला स्तर के रोलआउट के लिए मास्टर प्रशिक्षकों के रूप में सेवा करने के लिए सावधानी से चुना गया था।
- राज्य स्तर पर प्रशिक्षित कुल प्रतिभागी: १२० (दो अलग-अलग बैचों में प्रति दिन ६० प्रतिभागी)।





- प्रशिक्षण दृष्टिकोण: क्षमता निर्माण सत्र कैरियर परामर्श विशेषज्ञों और संसाधन व्यक्तियों द्वारा सुविधा प्रदान की, समूह कार्य, सिमुलेशन, और कैरियर योजना ढांचे को शामिल।
- आहार की भागीदारी: शैक्षणिक सहायता के लिए संस्थागत ढांचे के साथ संरेखण में, प्रत्येक जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (DIET) के एक शिक्षक शिक्षक शिक्षक भी उन्मुख थे। उनकी भूमिका जिला और ब्लॉक स्तरों पर कार्यक्रम को आगे बढ़ाने और कैरियर मार्गदर्शन सत्र देने में स्कूलों को निरंतर सलाह सहायता प्रदान करना है।



### संसाधन और प्रशिक्षण एड्स प्रदान किए गए

- कार्यान्वयन और कक्षा अनुवाद का समर्थन करने के लिए, संसाधनों की एक श्रृंखला उपलब्ध कराई गई थी:
- प्रत्येक प्रतिभागी को कैरियर शिक्षा, गतिविधि सुविधा और परामर्श रणनीतियों पर केंद्रित एक व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण गाइड प्रदान किया गया था।
- इस कार्यक्रम ने पहले के हस्तक्षेपों के तहत स्कूलों में वितरित कैरियर मार्गदर्शन किट का प्रभावी उपयोग किया। इनमें विजुअल चार्ट, कैरियर पुस्तिकाएं और पाथवे प्लानर्स शामिल हैं।
- इन किटों के दस सेट समूह-आधारित प्रदर्शनों और अभ्यास सत्रों के लिए प्रशिक्षण स्थल पर भी उपलब्ध थे, जिससे प्रतिभागियों को हाथों से सुविधा का अनुभव करने की अनुमति मिली।

### जिला स्तरीय प्रशिक्षण (चरण-II)

स्थिरता और स्केल-अप रणनीति के हिस्से के रूप में, प्रशिक्षित डीआरजी को मास्टर ट्रेनर के रूप में नामित किया गया है जो माध्यमिक स्तर पर शिक्षकों के लिए जिला-स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नेतृत्व करेंगे। ये जिला प्रशिक्षण निर्धारित हैं और यह सुनिश्चित करेंगे कि शिक्षकों का एक व्यापक पूल, विशेष रूप से कक्षा IX से XII के साथ लगे हुए हैं, प्रभावी कैरियर मार्गदर्शन देने में प्रशिक्षित हैं।

यह संरचित और चरणबद्ध कार्यान्वयन मॉडल न केवल राज्य भर में शिक्षक-सलाहकारों के एक मजबूत कैडर का निर्माण सुनिश्चित करता है, बल्कि छात्र-केंद्रित कैरियर योजना की संस्कृति को भी बढ़ावा देता है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० के दृष्टिकोण के साथ निकटता से संरेखित है, जो स्कूल पाठ्यक्रम में कैरियर मार्गदर्शन और जीवन कौशल शिक्षा के एकीकरण की वकालत करता है।

### कार्यकलाप ५.३ & ५.७: छात्रों के लिए कैरियर परामर्श

#### आम बृति वेबसाइट

समग्र छात्र विकास सुनिश्चित करने और स्कूल-टू-वर्क संक्रमण को सुविधाजनक बनाने के लिए, ओडिशा सरकार के स्कूल और जन शिक्षा विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत ओडिशा राज्य शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण ने ओडिशा कैरियर मार्गदर्शन वेबसाइट लॉन्च की नाम 'आम बृति' पर ५वां सितंबर २०२४ के साथ में वेब यूआरएल: <https://www.odishacareerguidance.com/>. पोर्टल का उद्घाटन ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा किया गया था और संरचित, सुलभ और स्थानीय रूप से प्रासंगिक कैरियर की जानकारी के साथ छात्रों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है। वेबसाइट का उद्देश्य छात्रों, माता-पिता और शिक्षकों के लिए एक-स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में काम करना है ताकि विभिन्न कैरियर मार्गों का पता लगाया जा सके, अकादमिक वायदा की योजना बनाई जा सके, और प्रवेश परीक्षा, छात्रवृत्ति और संस्थागत जानकारी के लिए आवश्यक मार्गदर्शन तक पहुंच सके।

पोर्टल का प्राथमिक उद्देश्य माध्यमिक और उच्च माध्यमिक छात्रों को सटीक, अद्यतन और ओडिशा-विशिष्ट कैरियर मार्गदर्शन प्रदान करना है। मंच को सोच-समझकर डिज़ाइन किया गया है ताकि छात्रों को व्यावसायिक ट्रेडों, कला और मानविकी, विज्ञान, वाणिज्य, साथ ही साथ नागरिक सेवाओं, खेल और रक्षा जैसे तटस्थ क्षेत्रों सहित विभिन्न डोमेन में कैरियर विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला को समझने में मदद मिल सके। छात्रों का मार्गदर्शन करने में शिक्षकों और परिवारों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए, मंच ऐसे उपकरण और संसाधन भी प्रदान करता है जो शिक्षकों और माता-पिता को अपने हितों, योग्यता और सामाजिक-आर्थिक संदर्भ के आधार पर सूचित निर्णय लेने में छात्रों का समर्थन करने में सक्षम बनाता है। वेबसाइट की एक अनूठी विशेषता इसकी बहुभाषी पहुंच है, जिसमें सामग्री की पेशकश की जाती है ओडिया और अंग्रेजी दोनों, जिससे इसकी उपयोगिता बढ़ जाती है, विशेष रूप से राज्य के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में।

Odisha School Education Programme Authority  
Government of Odisha

STARS  
Strengthening Training and Research for Schools

75  
Azadi Ka  
Amrit Mahotsav

Shri Mahesh Chandra Mahli  
Hon'ble Chief Minister of Odisha

Shri Bilal Kumar Boudi  
Hon'ble Minister of Education

Home Resources Careers Institutions Entrance Exams Scholarships Events Feedback Disclaimers English Odia

## OUR CAREERS

Reading Options

Know Yourself

Know Your Career

My Career My Identity

5593+ Students Visited

100+ Careers

1988+ In collaboration with UNICEF

70+ Entrance Exams

60+ Scholarships

Hello! I'm Ama Bot

CA Final Result 2024 live updates: CA Final 2024 result has been declared by the ICAI on 11th July 2024. For further details





वेबसाइट वर्तमान में १०० कैरियर विकल्पों पर विस्तृत जानकारी होस्ट करती है, जिसमें नौकरी की भूमिका, योग्यता आवश्यकताओं, कैरियर की प्रगति और भविष्य की संभावनाओं जैसे प्रमुख पहलुओं को शामिल किया गया है। इन करियर को आगे बढ़ाने में छात्रों का समर्थन करने के लिए, इस मंच में ओडिशा और पूरे भारत के कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, आईटीआई और व्यावसायिक केंद्रों सहित ३०० से अधिक शैक्षिक संस्थानों की क्यूरेट निर्देशिका शामिल है। इसके अतिरिक्त, वेबसाइट ४८ छात्रवृत्ति योजनाओं पर व्यापक विवरण प्रदान करती है, जिसमें सरकार द्वारा वित्त पोषित, योग्यता-आधारित और आवश्यकता-आधारित वित्तीय सहायता के अवसर शामिल हैं। जानकारी में पात्रता मानदंड, आवेदन की समयसीमा और आवेदन पोर्टल के आधिकारिक लिंक शामिल हैं।

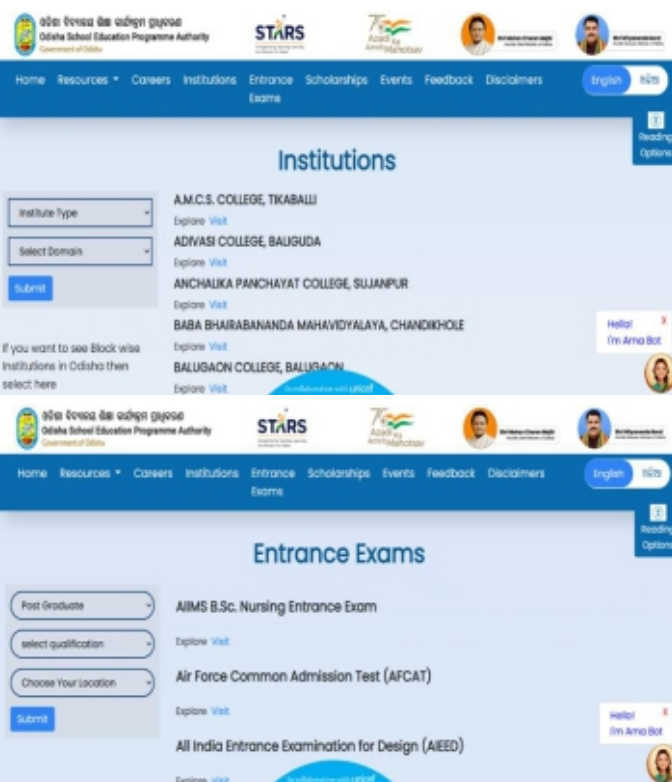
छात्रों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में नेविगेट करने में मदद करने के लिए, मंच ६२ प्रवेश परीक्षाओं में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जिसमें चिकित्सा, इंजीनियरिंग, कानून, प्रबंधन, डिजाइन, और नागरिक सेवाएं। प्रत्येक परीक्षा सूची में पात्रता विवरण, पाठ्यक्रम, तैयारी संसाधन और महत्वपूर्ण आवेदन तिथियां शामिल हैं, जो सटीकता बनाए रखने के लिए नियमित रूप से अपडेट की जाती हैं। एक और महत्वपूर्ण घटक ओडिशा है-

विशेष सामग्री, जिसमें जिला-स्तरीय संस्थानों का मानचित्रण, राज्य प्रायोजित छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी, और ओडिशा के सफल व्यक्तियों के प्रेरणादायक केस स्टडी शामिल हैं, जिन्होंने विविध करियर क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इन वास्तविक जीवन की कहानियों का उद्देश्य छात्रों को प्रेरित करना और प्रेरित करना है, विशेष रूप से कम पृष्ठभूमि से।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि सीखने का अनुभव इंटरैक्टिव और छात्र-अनुकूल है, वेबसाइट एक समर्पित संसाधन भंडार की मेजबानी करती है जिसमें डाउनलोड करने योग्य कैरियर पुस्तिकाएं, वर्कशीट, लघु कैरियर फिल्में और विशेषज्ञ-नेतृत्व वाले वेबिनार शामिल हैं। इन संसाधनों को आत्म-प्रतिबिंब, कैरियर अन्वेषण और कक्षा-आधारित चर्चाओं को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। शिक्षकों और स्कूल सलाहकारों को कैरियर मार्गदर्शन सत्रों के दौरान इन संसाधनों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जबकि माता-पिता अपने बच्चे के शैक्षणिक और व्यावसायिक हितों को बेहतर ढंग से समझने के लिए उनका उपयोग कर सकते हैं।

यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० के दृष्टिकोण के साथ निकटता से संरेखित है, विशेष रूप से समग्र छात्र विकास, जीवन कौशल शिक्षा के एकीकरण और स्कूल स्तर से कैरियर की तत्परता को बढ़ावा देने पर इसका ध्यान केंद्रित है। संरचित कैरियर मार्गदर्शन संसाधनों तक समान पहुंच प्रदान करके, यह मंच ग्रामीण, आदिवासी और आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों द्वारा अक्सर सामना किए जाने वाले सूचना अंतर को पाटने में मदद करता है।

इस मंच को कैरियर अन्वेषण और योजना के लिए एक व्यापक और इंटरैक्टिव डिजिटल हब के रूप में विकसित करने की कल्पना की गई है। नियोजित संवर्द्धन में व्यक्तिगत कैरियर सिफारिशों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग, छात्र चर्चा मंचों की शुरुआत, वास्तविक समय केरि रिज़ॉल्यूशन सुविधाएँ, और शैक्षिक और रोजगार परिदृश्य में बदलाव को प्रतिबिंबित करने के लिए नियमित सामग्री अपडेट शामिल हैं। निरंतर नवाचार, सामुदायिक भागीदारी और समय पर उन्नयन के साथ, ओडिशा कैरियर मार्गदर्शन वेबसाइट राज्य भर में युवाओं के भविष्य के लिए तैयार और सशक्त पीढ़ी को पोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है।



## कैरियर वेबिनार

इसके अतिरिक्त, शैक्षणिक सत्र २०२४-२५ में विशेष रूप से कक्षा IX और X के छात्रों के लिए नौ ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किए गए थे, जिसका उद्देश्य प्रारंभिक कैरियर जागरूकता और तैयारी को बढ़ावा देना था।

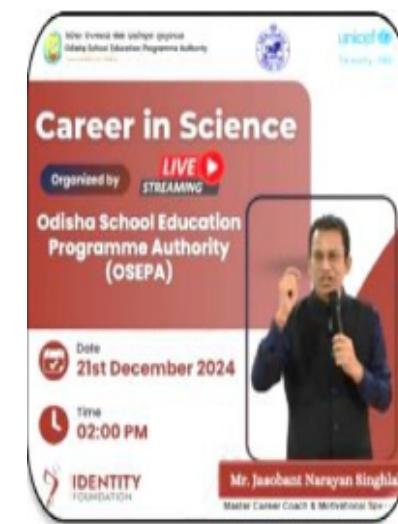
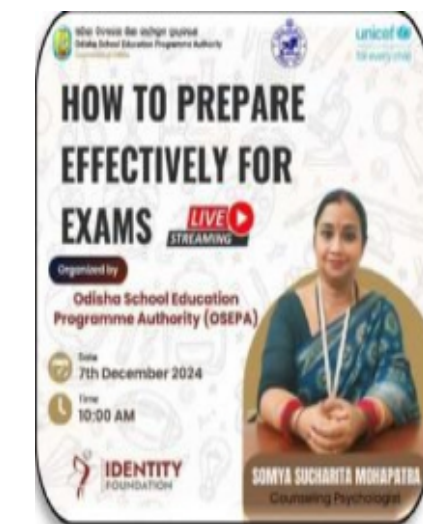
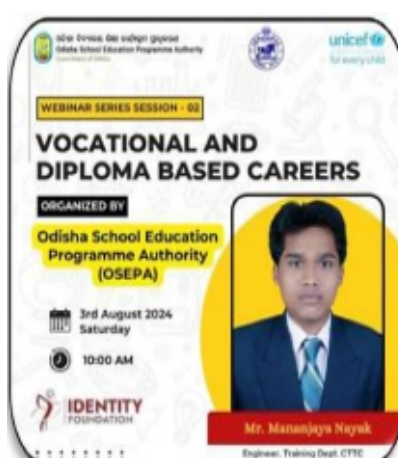
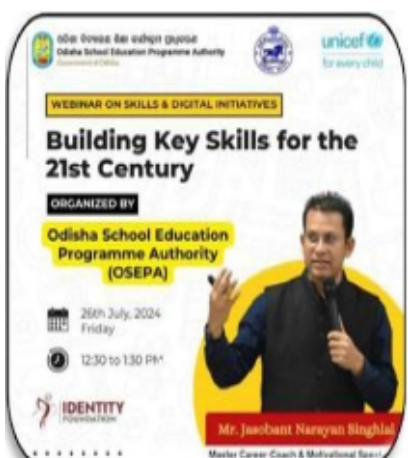
The screenshot displays the OSEPA website interface. The top navigation bar includes links for Home, Resources, Careers, Institutions, Entrance Exams, Scholarships, Events, Feedback, and Disclaimers. The 'Event Photos' section features a grid of images showing various educational activities, including group photos of students and teachers, classroom settings, and a presentation slide titled 'Hello! I'm Ama Bot'. The 'Scholarship' section includes a dropdown menu set to 'Central' and a 'Submit' button. Below this, three scholarship schemes are listed: 'Pre-Matric Scholarships' for children of those in cleaning or health hazard occupations, 'AICTE - Saksham Scholarship Scheme' for specially-abled students, and a 'Centrally-Sponsored Scheme' for Scheduled Caste students. Each scheme has an 'explore' link and a 'Visit' button. The website also features logos for the Government of Odisha, STARS, Azadi Ka Amrit Mahotsav, and portraits of the Chief Minister and Minister of Education.

ऑनलाइन वेबिनार सत्र निम्नलिखित विषयों पर आयोजित किए गए थे:

1. कैरियर योजना: मेरे भविष्य के लिए मार्ग, २०.०७.२०२४ को आयोजित किया गया और २,१८,२४७ प्रतिभागियों ने भाग लिया।
2. २१<sup>st</sup> सदी के लिए प्रमुख कौशल का निर्माण, २६.०७.२०२४ को आयोजित किया गया।
3. व्यावसायिक और डिप्लोमा आधारित करियर, ०३.०८.२०२४ को आयोजित किया गया और १,७४,६१८ प्रतिभागियों ने भाग लिया।
4. वाणिज्य में करियर, १७.०८.२०२४ को आयोजित किया गया और १,५६,६३३ प्रतिभागियों ने भाग लिया।
5. संचार कौशल, २१.०९.२०२४ को आयोजित किया गया और १,५०,४५८ प्रतिभागियों ने भाग लिया।



6. तटस्थ कैरियर, १९.१०.२०२४ को आयोजित किया गया और ८५,३५० प्रतिभागियों ने भाग लिया।
7. कला और मानविकी में करियर, १६.११.२०२४ को आयोजित किया गया और २२,६४७ प्रतिभागियों ने भाग लिया।
8. परीक्षा के लिए प्रभावी ढंग से कैसे तैयार करें, ०७.१२.२०२४ को आयोजित किया गया और ५०,४५८ प्रतिभागियों ने भाग लिया।
9. विज्ञान में कैरियर, २१.१२.२०२४ को आयोजित किया गया और ८५,४५८ प्रतिभागियों ने भाग लिया।





इन सत्रों में कैरियर विशेषज्ञों और पेशेवरों से अंतर्दृष्टि शामिल थी जिन्होंने कैरियर विकल्पों पर मूल्यवान मार्गदर्शन प्रदान किया, उचित विषय चयन का महत्व, और भविष्य के शैक्षणिक और पेशेवर अवसरों को नेविगेट करने के लिए आवश्यक कौशल का विकास। वेबिनार छात्रों के लिए विशेषज्ञों के साथ जुड़ने, उनके संदेह को स्पष्ट करने और उनकी शिक्षा यात्रा में प्रारंभिक चरण में विविध कैरियर मार्गों के संपर्क में आने के लिए एक इंटरैक्टिव मंच के रूप में कार्य करता है।

### कार्यकलाप ५.१० & ५.१७: ५ स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा का दोहरा मोड

राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) की सिफारिशों के अनुरूप और स्कूल के छात्रों के रोजगार कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से, ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) ने चार सरकारी विभागों और संबद्ध संस्थानों के सहयोग से व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम के दोहरे मोड के पायलट को लागू किया है। यह आगे दिखने वाली पहल माध्यमिक स्कूल पाठ्यक्रम के भीतर व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत करने के लिए डिज़ाइन की गई है, जिससे छात्रों को उद्योग-प्रासंगिक दक्षताओं और उनके अकादमिक अध्ययनों के साथ-साथ वास्तविक दुनिया के जोखिम को प्राप्त करने में सक्षम बनाया गया है।

कार्यक्रम सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल दोनों से लैस भविष्य के लिए तैयार कार्यबल तैयार करने के लिए ओडिशा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूल के छात्रों को अपने स्कूल के अनुभव के भीतर संरचित व्यावसायिक शिक्षा को एम्बेड करके एक गतिशील और तेजी से विकसित नौकरी बाजार के लिए तैयार करना है। मिशन एक मजबूत दोहरी शिक्षा मॉडल को लागू करना है जो उच्च रोजगार क्षमता वाले क्षेत्रों में कौशल-आधारित प्रशिक्षण के साथ अकादमिक शिक्षा को जोड़ता है।

### उद्देश्यों

- विशिष्ट व्यावसायिक क्षेत्रों में हाथों पर अनुभव प्रदान करें।
- सैद्धांतिक शिक्षा और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाटना।
- छात्रों को बाजार-प्रासंगिक कौशल से लैस करें।
- रोजगार और कैरियर की तैयारी में वृद्धि।
- स्कूल-उद्योग साझेदारी को मजबूत करना







## फ्रेमवर्क लागू करना

कार्यान्वयन ढांचा एक चरणबद्ध रोलआउट मॉडल का अनुसरण करता है। २०२४-२५ में, चयनित स्कूलों में कक्षा IX के छात्रों के लिए कार्यक्रम शुरू किया गया था, जिसमें चार नौकरी भूमिकाओं में व्यावसायिक प्रशिक्षण की पेशकश की गई थी। अगले शैक्षणिक वर्ष, २०२५-२६ में, कार्यक्रम को कक्षा X तक विस्तारित किया जाएगा।

भाग लेने वाले संस्थानों का चयन सरकारी विभागों (जैसे, पर्यटन मंत्रालय) से संबद्धता, उन्नत प्रयोगशालाओं की उपलब्धता, स्थापित प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे और प्रमाणन और ऊर्ध्वाधर गतिशीलता मार्ग प्रदान करने की क्षमता जैसे मानदंडों पर आधारित है। इसी तरह, स्कूलों को इन संस्थानों (५ किमी के दायरे में), उच्च छात्र नामांकन, पर्याप्त कक्षा बुनियादी ढांचे और पहले से मौजूद समग्र शिक्षा-समर्थित व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों की अनुपस्थिति के आधार पर चुना जाता है।

## सहयोग करने वाली संस्थाएं

| सी. नं. | संस्था का नाम                              | जिला  | स्कूल का नाम                            | विभाग          | नौकरी की भूमिका          |
|---------|--------------------------------------------|-------|-----------------------------------------|----------------|--------------------------|
| 1       | होटल प्रबंधन संस्थान, भुवनेश्वर            | खोरधा | सरकारी बालक उच्च विद्यालय, यूनिट IX     | पर्यटन         | खाद्य पेय सेवा प्रशिक्षु |
| 2       | बागवानी निर्देशालय                         | खोरधा | सरकारी उच्च विद्यालय, सीआरपी, बारामुंडा | कृषि           | खट्टे फल उत्पादक         |
| 3       | नंदनकानन बॉटनिकल गार्डन                    | खोरधा | नंदनकानन उच्च विद्यालय                  | कृषि           | पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता |
| 4       | जूनियर रेड क्रॉस, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी | खोरधा | सरकारी उच्च विद्यालय, यूनिट-IV          | स्वास्थ्य सेवा | गृह स्वास्थ्य सहायक      |

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम पीएसएससीआईवीई, भोपाल द्वारा एनएसक्यूएफ स्तर २ और ३ के साथ संरेखण में विकसित किया गया है। यह व्यावसायिक मॉड्यूल के साथ अकादमिक विषयों को एकीकृत करता है, विशेष रूप से सामाजिक विज्ञान जैसे क्षेत्रों में, और इसमें संचार, आईसीटी, उद्यमशीलता की मानसिकता और आत्म-प्रबंधन जैसे रोजगार कौशल पर एक मजबूत जोर शामिल है। व्यावसायिक शिक्षा के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों घटकों के लिए विशिष्ट समय स्लॉट आवंटित करने के लिए स्कूल समय सारिणी को फिर से डिजाइन किया गया है। साझेदारी संस्थान पाठ्यक्रम के साथ संरेखित व्यावहारिक प्रशिक्षण और वास्तविक समय के प्रदर्शन को वितरित करने के लिए संसाधन व्यक्तियों, उद्योग विशेषज्ञों और शिक्षाविदों को प्रदान करके सहयोग करते हैं।

## पाठ्यक्रम वितरण और अनुसूची

| इकाई                           | सिद्धांत घंटे | व्यावहारिक घंटे | कुल घंटे   |
|--------------------------------|---------------|-----------------|------------|
| रोजगार और व्यावसायिक कौशल      | 72            | 96              | 168        |
| परियोजना का काम                | 8             | 14              | 22         |
| आकलन:                          | 4             | 6               | 10         |
| <b>कुल प्रति शैक्षणिक वर्ष</b> | <b>84</b>     | <b>116</b>      | <b>200</b> |

डिलीवरी प्रारूप को इन-स्कूल सीखने और संस्थागत सगाई के बीच इष्टतम संतुलन सुनिश्चित करने के लिए संरचित किया गया है। प्रत्येक सप्ताह, संसाधन व्यक्ति एक महीने में तीन सप्ताह से अधिक दो दिनों के लिए व्याख्यान देते हैं। इसके अतिरिक्त, छात्र प्रति माह दो संस्थान-आधारित प्रशिक्षण सत्रों (प्रत्येक छह घंटे) में भाग लेते हैं, जो आठ महीने की अवधि में जारी रहता है। पूरक गतिविधियों को कार्यक्रम में बनाया गया है, जिसमें दो उद्योग के दौरे, आठ अतिथि व्याख्यान और सोलह संस्थान के दौरे शामिल हैं, जो सभी वास्तविक दुनिया के काम के वातावरण और कैरियर के अवसरों की छात्र समझ को व्यापक बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

छात्र सीखने का मूल्यांकन करने के लिए एक मजबूत मूल्यांकन और प्रमाणन तंत्र रखा गया है, जिसमें शामिल हैं:

- मूल्यांकन उपकरणों में इकाई परीक्षण, असाइनमेंट, परियोजना कार्य और कौशल प्रदर्शन शामिल हैं।
- कक्षा ९ के लिए, मूल्यांकन स्कूलों और साथी संस्थानों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए जाते हैं।
- दसवीं कक्षा में, सैद्धांतिक घटक का मूल्यांकन माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (बीएसई), ओडिशा द्वारा किया जाता है, जबकि व्यावहारिक आकलन प्रासंगिक क्षेत्र कौशल परिषदों (एसएससी) द्वारा किया जाता है।
- कार्यक्रम को पूरा करने वाले छात्रों को एसएससी द्वारा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा, जो व्यावसायिक स्ट्रीम और प्राप्त दक्षताओं को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, छात्रों को प्रशिक्षण संस्थान से एक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्राप्त होगा, उनके अकादमिक प्रोफाइल को बढ़ाएगा और उनकी रोजगार संभावनाओं को बढ़ाएगा।

व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम का दोहरा मोड एक अग्रणी पहल है जो न केवल शिक्षा प्रणाली में प्रचलित कौशल अंतराल को संबोधित करती है बल्कि कौशल भारत मिशन और एनईपी २०२० के दृष्टिकोण के साथ दृढ़ता से प्रतिध्वनित होती





The collage consists of 25 individual photographs arranged in a grid-like fashion. The images depict a variety of activities:

- Top Row:** A group of students in a hall; a seminar with a presentation screen; a field visit to a lush green area; a close-up of a green fruit on a vine; a group of students in a field; and a hand holding a ripe red tomato.
- Second Row:** Students around a large wooden table; a group of students in a hall; a group of students in a field; a group of students in a hall; a group of students in a field; and a group of students in a hall.
- Third Row:** A group of students in a hall; a group of students in a hall; a group of students in a field; a group of students in a hall; a group of students in a field; and a group of students in a hall.
- Fourth Row:** A group of students in a hall; a group of students in a hall; a group of students in a field; a group of students in a hall; a group of students in a field; and a group of students in a hall.
- Fifth Row:** A group of students in a hall; a group of students in a hall; a group of students in a field; a group of students in a hall; a group of students in a field; and a group of students in a hall.
- Sixth Row:** A group of students in a hall; a group of students in a hall; a group of students in a field; a group of students in a hall; a group of students in a field; and a group of students in a hall.
- Seventh Row:** A group of students in a hall; a group of students in a hall; a group of students in a field; a group of students in a hall; a group of students in a field; and a group of students in a hall.
- Eighth Row:** A group of students in a hall; a group of students in a hall; a group of students in a field; a group of students in a hall; a group of students in a field; and a group of students in a hall.
- Ninth Row:** A group of students in a hall; a group of students in a hall; a group of students in a field; a group of students in a hall; a group of students in a field; and a group of students in a hall.
- Tenth Row:** A group of students in a hall; a group of students in a hall; a group of students in a field; a group of students in a hall; a group of students in a field; and a group of students in a hall.



### कार्यकलाप ५.१८ & ५.२२: स्कूलों के लिए किट का प्रावधान

५०० प्राथमिक, ५०० उच्च प्राथमिक, ५०० माध्यमिक, ५०० उच्चतर माध्यमिक और ३५५ केजीवीबीवी में किटों की खरीद और पायलट कार्यान्वयन के लिए प्रस्ताव के लिए एक व्यापक अनुरोध (आरएफपी) तैयार किया गया है, जिसमें मात्रा और वितरण समय सहित सीखने वाली किटों के विनिर्देशों का विवरण दिया गया है। यह खरीद आईआईटी, गांधी नगर के समर्थन में की जा रही है।

### कार्यकलाप ५.२७: ढेंकनाल, अंगुल, संबलपुर, देवगढ़ में आवासीय छात्रावास (५० सीट) की स्थापना - एनआर

२०२४ में २५, स्टार्स के तहत पब ने ४ (चार) नए ५०-बैठे आवासीय हॉस्टल की स्थापना को मंजूरी दी, जिनमें से प्रत्येक ढेंकनाल, अंगुल, संबलपुर और देवगढ़ जिलों में है। योजना को जिलों को सूचित कर दिया गया है और कार्यान्वयन प्रक्रिया में है।

### कार्यकलाप ५.२८ & ५.४७: ढेंकनाल, अंगुल, संबलपुर, देवगढ़ में ५० सीटेड आवासीय छात्रावास की आवर्ती लागत

२०२४ में स्टार्स के तहत अनुमोदित ४ २५ नए ५०-बैठे आवासीय हॉस्टल में से, संबलपुर और देवगढ़ जिलों में २ आवासीय हॉस्टल चालू हैं। जिला स्तर पर सीमा निर्धारण किया गया और छात्रावासों का आवर्ती व्यय प्रगति पर है।

### कार्यकलाप ५.४८ & ५.५५: ४७ जीवीएचएसएस सरकारी वोकेशनल उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का पुनरुद्धार - स्कूलों से बाहर सहित

वित्त वर्ष २०२४ के लिए स्टार्स कार्यक्रम के २५ तहत, सितारों के तहत पीएबी ने ओडिशा में एनएसक्यूएफ के अनुसार ४७ सरकारी व्यावसायिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों (जीवीएचएसएस) ट्रेडों के पुनर्निर्माण के लिए ५७९.७६ लाख रुपये की मंजूरी दी। इस पहल का उद्देश्य व्यावसायिक शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और उच्च माध्यमिक स्तर पर कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ाना है। विस्तृत शीर्ष-वार आवंटन और व्यय निम्नानुसार प्रदान किए जाते हैं:

| गतिविधि                                                    | एन / एनआर | बजट (लाख रुपए में) |
|------------------------------------------------------------|-----------|--------------------|
| 47 GVHSS (डबल ट्रेड) के लिए उपकरण, उपकरण और फर्नीचर        | NR        | 235.00             |
| 47 GVHSS के लिए स्मार्ट कक्षा                              | NR        | 235.00             |
| नए संकाय की सगाई और मौजूदा संकाय के अभिविन्यास             | R         | 65.33              |
| प्रति क्षेत्र कच्चा माल अनुदान                             | R         | 11.75              |
| विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने की लागत        | R         | 11.75              |
| स्कूल के लिए कार्यालय व्यय / आकस्मिक व्यय                  | R         | 7.05               |
| व्यापार-वार व्यावसायिक संकायों के प्रेरण प्रशिक्षण (5 दिन) | R         | 4.70               |
| प्रिंसिपलों के लिए क्षमता निर्माण                          | R         | 1.18               |
| <b>कुल</b>                                                 |           | <b>571.76</b>      |



३२ जीवीएचएसएस में ४१ ट्रेडों में उपकरणों की खरीद के लिए २.५० लाख रुपये की राशि आवंटित की गई थी, प्रति संशोधित व्यापार १०२.५० लाख रुपये की दर से। इसके अतिरिक्त, पाठ्यक्रम संवर्धन और कक्षा निर्देश का समर्थन करने के लिए जीवीएचएसएस प्रति राज्य संचालित व्यापार प्रति ₹५,००० पर संदर्भ सामग्री प्रदान की गई थी।

हाथों पर सीखने को मजबूत करने के लिए, ऑटोमोबाइल और वाहन प्रौद्योगिकी (एवीटी) व्यापार के बारहवीं कक्षा के छात्रों के साथ-साथ उनके संकाय सदस्यों के लिए एक व्यावहारिक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। यह प्रशिक्षण भुवनेश्वर के पाटिया में केंद्रीय उपकरण कक्ष और प्रशिक्षण केंद्र (सीटीटीसी) में आयोजित किया गया था और तकनीकी दक्षता और उद्योग की तत्परता के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया गया था।











बुनियादी ढांचे और कौशल प्रशिक्षण के अलावा, ५० सरकारी और व्यावसायिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के प्रभारी के लिए १७ जनवरी २०२५ को भुवनेश्वर के कृषि भवन में एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस व्यापक सत्र में अकादमिक समीक्षा, +२ वार्षिक परीक्षा की तैयारी, अनुदान का इष्टतम उपयोग, कैरियर परामर्श पहल और व्यावसायिक शिक्षा के लिए रणनीतियों सहित अकादमिक और प्रशासनिक दोनों पहलुओं को संबोधित किया गया। इस सत्र में बुनियादी ढांचे को अलग-अलग करने और यूडीआईएसई+, एपीएएआर और सिख्याज्योति जैसे प्रमुख डिजिटल प्लेटफार्मों के साथ परिचित प्रतिभागियों को भी शामिल किया गया। छात्रों के लिए निरंतर और प्रभावी शिक्षण सहायता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऑनलाइन शैक्षणिक सहायता कार्यक्रम पर विशेष जोर दिया गया था।













0674 - 23955325



[www.osepa.odisha.gov.in](http://www.osepa.odisha.gov.in)



@osepa\_Official



@osepa\_Official



OSEPAOFFICIAL